नई दिल्ली ■ शनिवार, 07 जून 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 68 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 सबका स्वागत करता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ | 11 भारतीय कंपाउंड तीरंदाज विश्व कप से बाहर | अंजनी माता का किरदार निभाना बेहद भावनात्मक ... 10

आरबीआई ने रेपो दर को आधा प्रतिशत घटाया,बैंकों में नकदी बढ़ाने को सीआरआर में भी कटौती

मुंबई। महंगाई दर में नरमी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद से अधिक 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार रेपो दर में कटौती की है।

इसके साथ आरबीआई ने बैंकों के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती की घोषणा की। इन उपायों से वैश्विक स्तर पर जारी चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को जरूरी समर्थन मिलेगा। आरबीआई ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.16 प्रतिशत और आर्थिक वृद्धि दर 2024-25 में चार साल के न्यूनतम स्तर 6.5 प्रतिशत पर आ गयी है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि उभरती वृहद आर्थिक, वित्तीय गतिविधियों और आर्थिक परिदृश्य पर गौर करने के बाद छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो दर में 0.50 प्रतिशत कटौती करने का निर्णय किया है। समिति के पांच सदस्यों ने नीतिगत दर में कटौती के पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, नकद आरक्षित अनुपात को भी एक प्रतिशत घटाकर तीन प्रतिशत कर दिया गया है। इससे बैंकों के पास नकदी में 2.5 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी।

इस कटौती के साथ रेपो दर तीन साल के निचले स्तर 5.5 प्रतिशत पर आ गयी है। इससे मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्ज पर मासिक किस्त (ईएमआई) में कमी आ सकती है जिससे लोगों को राहत मिलेगी। रेपो वह ब्याज दर है,

जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। इससे पहले, पांच अगस्त, 2022 को यह 5.40 प्रतिशत के स्तर पर थी।

आरबीआई इस साल फरवरी से लेकर अबतक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती की थी। आरबीआई ने मौद्रिक नीति रुख को उदार से बदलकर तटस्थ कर दिया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा।

मल्होत्रा ने कहा कि रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती के बाद, मौद्रिक नीति के पास वृद्धि को समर्थन देने के लिए अब सीमित गुंजाइश बची है। रेपो दर में कटौती के बाद स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) 5.25 प्रतिशत और सीमांत स्थायी सुविधा तथा बैंक दर 5.75 प्रतिशत हो गयी है। आरबीआई ने 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। वहीं चालू वित्त वर्ष के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को चार प्रतिशत से घटाकर 3.7 कर दिया गया है।

नीतिगत दर में कटौती के कारण का जिक्र करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि पिछले छह महीनों में मुद्रास्फीति में काफी नरमी आई है। यह अक्टूबर, 2024 में संतोषजनक स्तर से ऊपर थी और अब यह व्यापक आधार पर नरमी के संकेत के साथ लक्ष्य से काफी नीचे आ गई है। उन्होंने कहा कि ...निकट भविष्य और मध्यम अवधि के परिदृश्य को देखते हुए हमें यह भरोसा है वर्ष के दौरान यह निर्धारित लक्ष्य से कम रहेगी। मुख्य रूप से खाद्य वस्तुओं के दाम में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर लगभग छह साल के निचले सतर 3.16 प्रतिशत पर आ गयी थी। आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।

मल्होत्रा ने कहा कि दूसरी तरफ चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिवेश और अनिश्चितता के बीच वृद्धि उम्मीद से कम बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार, आर्थिक वृद्धि की गति को बढ़ाने के लिए नीतिगत उपायों के माध्यम से घरेलू निजी खपत और निवेश को प्रोत्साहित करना जरूरी है। मल्होत्रा ने कहा कि वृद्धि-मुद्रास्फीति की स्थिति को देखते हुए न केवल नीतिगत मोर्चे पर ढील को जारी रखना आवश्यक है, बल्कि वृद्धि को समर्थन देने के लिए ब्याज दर में कटौती को भी आगे बढ़ाना होगा। मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई बैंकों में पर्याप्त नकदी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सीआरआर में छह सितंबर से 29 नवंबर, 2025 के बीच चार बराबर किस्तों में 0.25 प्रतिशत की कटौती होगी जिससे यह घटकर तीन प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने कहा कि सीआरआर में कटौती से दिसंबर, 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। टिकाऊ नकदी प्रदान करने के अलावा, इससे बैंकों की वित्तपोषण लागत कम होगी। इससे नीतिगत दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को पहुंचाने में मदद मिलेगी।

मल्होत्रा ने कहा कि चूंकि वैश्विक परिवेश अनिश्चित बना हुआ है, इसलिए निरंतर मूल्य स्थिरता के बीच घरेलू वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। आज की मौद्रिक नीति उसी दिशा में उठाया गया कदम है। आर्थिक वृद्धि के बारे में मल्होत्रा ने कहा कि सामान्य से अधिक दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश की उम्मीद से कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग के परिदृश्य को और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर, सेवा गतिविधियों में निरंतर उछाल से शहरी खपत में सुधार आएगा।

उन्होंने कहा कि बैंकों और कंपनियों के मजबूत बही-खातों, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर, क्षमता उपयोग में वृद्धि, व्यापार को लेकर धारणा में सुधार और वित्तीय स्थितियों में सुधार से निवेश गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। मल्होत्रा ने कहा कि इन परिस्थितियों को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर के 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एमपीसी की अगली बैठक चार से छह अगस्त को होगी।

पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर में दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का उद्घाटन किया

कटरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल का शुक्रवार को उद्घाटन किया। यह पुल आठ साल से अधिक समय में 1,486 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हुआ है। इसके बाद प्रधानमंत्री तिरंगा लेकर पुल पर चले। चिनाब पुल के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर में अंजी नदी पर बने भारत के पहले 'केबल-स्टेड' रेलवे पुल का उद्घाटन किया।

इससे पहले, मोदी रेल के इंजन वाले डिब्बे में सवार होकर उद्घाटन स्थल पर पहुंचे। इस अवसर पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला उपस्थित थे। वास्तुकला का अद्भुत नमूना चिनाब रेलवे पुल नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और पेरिस के प्रतिष्ठित एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है। यह 1,315 मीटर लंबा इस्पात का मेहराब वाला (आर्च ब्रिज) पुल है जिसे भूकंपीय और वायु संबंधी परिस्थितियों को झेल सकने के अनुकूल बनाया गया है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह पुल कटरा से बनिहाल तक 111 किलोमीटर लंबे मार्ग में अहम संपर्क सुविधा है। इसके निर्माण को 2002 में मंजूरी दी गई थी, लेकिन इस पर काम 2017 में शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि निर्माण कार्य करने से पहले स्थल तक पहुंचने के लिए 26 किलोमीटर लंबी सड़कें और 400 मीटर लंबी सुरंग बनाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि 467 मीटर लंबे मेहराब को जोड़ना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था।

उन्होंने कहा कि सटीकता बनाए रखना अहम था ताकि मेहराब के दोनों छोर बिना किसी त्रुटि के मिलाए जा सकें और मेहराब का अंतिम खंड एकदम सही तरीके से फिट हो सके। अंजी पुल निकटवर्ती कौड़ी में चिनाब नदी पर बने प्रतिष्ठित मेहराबदार पुल के बाद दूसरा सबसे ऊंचा रेलवे पुल है। रेलवे ने अक्टूबर 2016 में अंजी खड्ड पर एक 'केबल-स्टेड' पुल बनाने का निर्णय लिया था। इस पर चिनाब पुल के समान मेहराब वाला पुल बनाने की योजना को मुख्य रूप से क्षेत्र की भूवैज्ञानिक स्थिरता पर चिंताओं समेत संरचना संबंधी खतरे के कारण त्याग दिया गया था। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, पुल की कुल लंबाई 725 मीटर है। इसे ऐसे डिजाइन किया गया है कि यह भारी तूफान, तेज हवाओं और यहां तक कि विस्फोटों को भी झेलने में सक्षम है। पुल के डेक की कुल चौड़ाई 15 मीटर है। अधिकारियों ने बताया कि अंजी पुल 82 मीटर से लेकर 295 मीटर तक के 96 केबल पर टिका है।

पहलगाम आतंकी हमले को जम्मू कश्मीर में विकास कार्यों में बाधा नहीं बनने देंगे: मोदी

कटरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू कश्मीर को 'भारत का मुकुट' बताते हुए राज्य के लोगों को अपना पूरा समर्थन देने का शुक्रवार को आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को केंद्र शासित प्रदेश में विकास कार्यों में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान द्वारा की गई अंधाधुंध गोलाबारी का बहादुरी से सामना करने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने सीमा पार से हुई गोलाबारी में जिन परिवारों के आवास पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, उनके लिए 2 लाख रुपये और जिनके घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके लिए 1 लाख रुपये की अतिरिक्त राहत सहायता की घोषणा भी की। प्रधानमंत्री ने यहां कश्मीर घाटी के लिए पहली ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं पहलगाम आतंकी हमले को जम्मू कश्मीर में विकास को रोकने नहीं दूंगा। युवाओं के सपने पूरे होंगे और किसी भी बाधा को सबसे पहले मोदी का सामना करना पड़ेगा। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गये थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। हमले के बाद, कश्मीर घाटी में पर्यटन ठप हो गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज, जम्मू कश्मीर के लोग नये सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा भी कर रहे हैं। युवा, शॉपिंग मॉल के निर्माण और सिनेमा हॉल के खुलने से खुश हैं। वे चाहते हैं कि जम्मू कश्मीर फिल्मों की शूटिंग के लिए एक प्रमुख स्थान बने। वे यह भी चाहते हैं कि यह क्षेत्र खेलों का केंद्र बने।मोदी ने कश्मीरी पंडितों के प्रमुख त्योहार 'खीर भवानी मेले' में उमड़ी भारी भीड़ की भी सराहना की और कहा कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा कि ईद की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मैं वादा करता हूं कि पहलगाम की घटना से विकास प्रभावित नहीं होगा।

स्टारलिंक को भारत में उपग्रह संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस मिला

नई दिल्ली। उद्योगपति एलन मस्क की स्टारलिंक को भारत में उपग्रह संचार (सैटकॉम) सेवाओं के लिए लाइसेंस मिल गया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो उसे देश में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के और करीब ले जाएगी। यूटेलसैट वनवेब और जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस के बाद स्टारलिंक देश में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए दूरसंचार विभाग से लाइसेंस प्राप्त करने वाली तीसरी कंपनी है।

चौथी आवेदक, अमेजन की कुइपर अभी भी अनुमोदन की प्रतीक्षा कर रह है। सूत्रों ने बताया कि स्टारलिंक को लाइसेंस प्राप्त हुआ है। कंपनी को आवेदन करने के 15-20 दिनों में परीक्षण स्पेक्ट्रम प्रदान किया जाएगा। स्टारलिंक को अब सेवाएं शुरू करने से पहले वैध अवरोधन के लिए पहुंच प्रदान करने जैसे सुरक्षा मानदंडों का पालन करना होगा। यह लाइसेंस मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच सार्वजनिक रूप से हुए बड़े विवाद के कुछ घंटों बाद आया। दुनिया के सबसे अमीर आदमी और दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब मस्क ने ट्रंप के व्यापक कर-कटौती और व्यय विधेयक की निंदा की।

मस्क ने एक सप्ताह पहले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख के रूप में अपना पद छोड़ दिया था। दूरसंचार विभाग द्वारा स्टारलिंक को आशय पत्र (एलओआई) जारी किए जाने के लगभग एक महीने बाद डीओटी से लाइसेंस मिला। हालांकि, जिन कंपनियों को लाइसेंस मिला है, उन्हें वाणिज्यिक सैटकॉम स्पेक्ट्रम के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा क्योंकि दूरसंचार नियामक ट्राई ने हाल ही में मूल्य निर्धारण और नियम व शर्तों पर अपनी सिफारिशें सरकार को विचार के लिए भेजी हैं। रेडियो तरंग आवृत्तियों के आवंटन के बाद कंपनियां अपनी सेवाएं शुरू कर सकेंगी। भारतीय अंतरिक्ष नियामक 'इन-स्पेस' से स्टारलिंक की अंतिम मंजूरी की स्थिति का तुरंत पता नहीं चल सका।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थेन्नाला बालकृष्ण पिल्लई का निधन

तिरुवनंतपुरम। केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के वरिष्ठ नेता थेन्नाला बालकृष्ण पिल्लई का शुक्रवार को यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 95 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। पिल्लई कुछ वर्षों से राजनीति से दूर थे। वह दो बार विधायक और तीन बार राज्यसभा सदस्य रह चुके थे। दक्षिणी कोल्लम जिले के शूरनद में 11 मार्च 1930 को एक संपन्न परिवार में जन्मे पिल्लई ने कांग्रेस वार्ड समिति के अध्यक्ष के रूप में युवावस्था में ही अपना राजनीतिक जीवन शुरू कर दिया था।

न्यायालय ने 3 अगस्त को नीट-पीजी परीक्षा आयोजित कराने की अनुमति दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) को शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुरूप तीन अगस्त को एक पाली में नीट-पीजी 2025 परीक्षा आयोजित कराने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने शुरू में एनबीई द्वारा परीक्षा आयोजित करने के लिए दो महीने से अधिक का समय देने के अनुरोध पर सवाल उठाया था। पीठ ने कहा कि बोर्ड की दलील 'उचित' प्रतीत होती है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि नीट-पीजी 2025 परीक्षा आयोजित कराने के लिए एनबीई को और समय नहीं दिया जाएगा। एनबीई ने दलील दी कि शीर्ष अदालत के 30 मई के आदेश के अनुसार परीक्षा एक पाली में आयोजित की जानी है और इसलिए एक बार में परीक्षा आयोजित करने के लिए लगभग 1,000 परीक्षा केंद्रों की आवश्यकता है। एनबीई की याचिका में कहा गया है कि वह 15 जून को होने वाली परीक्षा तीन अगस्त को सुबह नौ बजे से दोपहर साढ़े 12 बजे के बीच आयोजित करेगा।

सरकार ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन के लिए 'उम्मीद' पोर्टल की शुरुआत की

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को 'उम्मीद' पोर्टल की शुरुआत की, जिसमें सभी वक्फ संपत्तियों की 'जियो-टैगिंग' के बाद एक डिजिटल सूची तैयार की जायेगी।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया, जो समुदाय के स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों का गरीब मुसलमानों के लिए प्रभावी और निष्पक्ष उपयोग को सुनिश्चित करेगा। 'उम्मीद' पोर्टल एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 का संक्षिप्त रूप है। रीजीजू ने इस पोर्टल की शुरुआत करने के बाद कहा कि उम्मीद पोर्टल भारत में वक्फ संपत्ति प्रबंधन और प्रशासन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेगा। इससे न केवल पारदर्शिता आएगी बल्कि आम मुसलमानों, खासकर महिलाओं और बच्चों को भी मदद मिलेगी।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा विकसित इस पोर्टल की औपचारिक शुरुआत केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन की मौजूदगी में की गई। इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए रीजीजू ने इस बात पर जोर दिया कि 'उम्मीद' केंद्रीय पोर्टल महज तकनीकी उन्नयन से कहीं अधिक है।

बिहार के दानापुर रेल मंडल के 100वें वर्ष में ऐतिहासिक इमारत को ढहाया गया

पटना/दानापुर। बिहार में पटना जिले के ऐतिहासिक रेलवे शहर खगौल में लगभग 100 साल पुरानी एक धरोहर इमारत जिसे मूलतः एक प्रमुख मनोरंजन केंद्र के रूप में बनाया गया था, अब एक एलिवेटेड सड़क परियोजना के लिए उसे ध्वस्त कर दिया गया है। दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर प्रसिद्ध दानापुर स्टेशन के निकट 'ईस्ट इंडियन रेलवे' (ईआईआर) द्वारा इसे एक 'रेलवे इंस्टीटयूट' के रूप में स्थापित किया गया था।

कुछ दशकों पहले तक, विभिन्न प्रकार के नाटकों और भव्य सामाजिक समारोहों के आयोजन के लिए जाना जाने वाला यह भवन अब इतिहास के पन्नों में सिमट गया है। ध्वस्त करने के अभियान में शामिल दल ने लाल रंग की इस इमारत 'एन सी घोष इंस्टीट्यूट' के एक बहुत बड़े हिस्से को ध्वस्त कर दिया, जबकि एक बुलडोजर ने उस ढांचे को गिरा दिया जो लगभग एक सदी तक इस नगर की पहचान रहा था। विडंबना यह है कि इस इमारत को गिराने की कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब कुछ महीने पहले ही भारतीय रेलवे के दानापुर मंडल का शताब्दी समारोह पास के ही एक रेलवे स्टेडियम में आयोजित किया गया था। 'एन सी घोष इंस्टीट्यूट' की इमारत, जिसे ऐसा माना जाता है कि उसका नाम आजादी के बाद बदला गया था, को कई महीने पहले गिराने के लिए 'चिह्नित' किया गया था। मामले से जुड़े लोगों ने पहले यह बताया था।

उन्होंने कहा था कि यह परियोजना दानापुर और बिहटा के बीच बनने वाली एलिवेटेड रोड के लिए थी। शहर के कई बुजुर्ग लोगों और स्थानीय निवासियों ने एक धरोहर स्थल के नष्ट होने पर दुख जताया और अधिकारियों से समग्र विकास योजना में विरासत संरक्षण को भी संवेदनशीलता से शामिल करने का आग्रह किया, क्योंकि शहर में रेलवे स्टेशन समेत कई ब्रिटिशकालीन इमारतें हैं। अन्य पुराने ढांचों में मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) का आधिकारिक आवास - 'रेल सदन', पुराना रेलवे स्कूल और अस्पताल तथा कुछ खूबसूरत चर्च के अलावा रेलवे कॉलोनियां भी शामिल हैं। दानापुर (पहले दीनापुर) मंडल की स्थापना 1925 में हुई थी। हालांकि पुराने संस्थान (एन सी घोष संस्थान) की इमारत के निर्माण का सही वर्ष अभी तक ज्ञात नहीं है, तथा इमारत पर किसी भी प्रकार के चिह्न खोजने के लिए पहले किए गए प्रयास भी विफल रहे, लेकिन धरोहर विशेषज्ञों ने इसे एक सौ साल पुराना ढांचा बताया है।

भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक दानापुर मंडल को इस वर्ष एक जनवरी को 100 साल हो गये और यह लगभग 160 साल पहले स्थापित कुछ लाइन और स्टेशनों का प्रबंधन करता है। मंडल ने 31 जनवरी को पुराने जगजीवन स्टेडियम में एक भव्य समारोह आयोजित किया, जिसमें अभिलेखीय दस्तावेजों, तस्वीरों और रेलवे कलाकृतियों के माध्यम से अपने समृद्ध इतिहास को प्रदर्शित किया गया। दानापुर मंडल की स्थापना एक जनवरी, 1925 को हुई थी। इसका कार्यालय पटना के पास खगौल शहर में ऐतिहासिक दानापुर स्टेशन के पास 1929 में बनी एक भव्य इमारत में स्थित है। दानापुर के पहले मंडल अधीक्षक सी. आयर्स थे, जिन्होंने एक जनवरी, 1925 को कार्यभार संभाला था। एक बोर्ड पर प्रदर्शित जानकारी के अनुसार, 1980 के दशक से इस पद को मंडल रेलवे प्रबंधक बना दिया गया था।

संक्षिप्त खबरें

घर बुलाकर तीसरी कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म

गाजियाबाद। मसूरी थानाक्षेत्र के गांव में पड़ोसी ऑटो चालक ने तीसरी कक्षा की छात्रा को घर बुलाकर दुष्कर्म किया। छात्रा के पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बुधवार को मसूरी थाने में शिकायत दी थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि उनकी नौ वर्षीय बेटी कक्षा तीन में पढ़ती है। पड़ोस में रहने वाले 19 वर्षीय समीर ने बहाने से उनकी बेटी को अपने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बेटी रोते-बिलखते हुए घर पहुंची और अपनी मां को घटना के बारे में बताया। पत्नी के बताने पर वह आरोपी समीर के घर पहुंचे, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद बेटी को साथ ले जाकर थाने में शिकायत दी। एसीपी मसूरी लिपि नगायच ने बताया कि शिकायत के आधार पर समीर के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो ऐक्ट के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी। गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में समीर ने बताया कि बुधवार को उसके घर पर कोई नहीं था। इसका फायदा उठाते हुए उसने पड़ोस में रहने वाली छात्रा को घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता रोती-बिलखती घर से निकली तो वह पकड़े जाने के डर से फरार हो गया। एसीपी के मुताबिक आरोपी ऑटो चलाता है। पूछताछ के बाद कोर्ट में पेश कर उसे जेल भेज दिया गया।

चोर गिरफ्तार कर चार मोबाइल बरामद किए

लोनी। ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक चोर को गिरफ्तार किया है। उससे चार मोबाइल बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अर्जुन निवासी पूजा कॉलोनी बताया। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि आरोपी ने गुरुवार को इस्माइल मस्जिद वाली गली में एक घर से मोबाइल चोरी बात की स्वीकार की है। तीन मोबाइल को कुछ दिन पहले अलग-अलग स्थानों से चुराए थे। आरोपी के खिलाफ ट्रोनिका सिटी थाने में चोरी का एक मुकदमा दर्ज है।

सील तोड़कर फ्लैट पर कब्जा किया

ट्रांस हिंडन। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने सील तोड़कर फ्लैट पर कब्जा कर लिया। मामले में पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुग्राम की निजी फाइनेंस कंपनी के अधिकृत अधिकारी राज तोमर ने थाना शालीमार गार्डन में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि पूर्व में एक व्यक्ति को फ्लैट खरीदने के लिए ऋण दिया था, लेकिन किस्त नहीं भरने पर फ्लैट को सील कर दिया गया था। इसके बावजूद आरोपी ने सील तोड़कर फ्लैट पर कब्जा कर लिया। पूर्व में कई बार उन्हें फ्लैट को खाली करने के लिए कहा गया था, लेकिन फ्लैट खाली नहीं किया गया। इस पर थाना शालीमार गार्डन में आरोपी के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज कर ली गई है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एनडीआरएफ बचाव दल कर रहा तैनात

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन ने मानसून को देखते हुए बचाव दलों को विभिन्न क्षेत्रों में तैनात करना शुरू कर दिया है। इसके लिए अकादमी में 18 बचाव दलों को प्रशिक्षण दिया गया है। अकादमी के डिप्टी कमांडेंट प्रवीण कुमार ने बताया कि एक दल को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में तैनात किया गया है। एक दल को फर्रुखाबाद और एक दल को बरेली में तैनात किया गया है। सभी दलों में महिला रेस्क्यूअर, डॉग यूनिट, डीप डाइवर्स, आधुनिक बचाव उपकरणों, बोट्स, जीवन रक्षक सामग्री और संचार संसाधन मौजूद हैं। ये टीमें आपदा की स्थिति में स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर बचाव और राहत कार्य करेंगी।

रेस्टोरेंट के बाहर से बाइक चोरी

ट्रांस हिंडन। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में एक युवक की बाइक रेस्टोरेंट के बाहर से चोरी हो गई। युवक खाना खाने के लिए रेस्टोरेंट में गया था और उसने बाइक बाहर खड़ी की थी। जब वह खाना खाकर लौटा, तो बाइक गायब थी। पीड़ित ने शालीमार गार्डन थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शालीमार गार्डन निवासी विजय कुमार ने बताया कि एक जून की रात करीब आठ बजे वह शालीमार गार्डन मेन स्थित एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गए थे। उन्होंने अपनी बाइक बाहर खड़ी की और रेस्टोरेंट के अंदर चले गए। करीब आधे घंटे बाद जब वह वापस लौटे, तो बाइक वहां नहीं थी। आसपास काफी तलाश की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चला। इसके बाद उन्होंने शालीमार गार्डन थाने में बाइक चोरी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने कपिल सांगवान गिरोह के एक प्रमुख सदस्य को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने कुख्यात कपिल सांगवान गिरोह के एक प्रमुख सदस्य को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बवाना के औचंदी गांव का निवासी अमरदीप उर्फ अमर लोचब (48) फरीदाबाद में हत्या के एक मामले में वांछित था और लगभग दो साल से फरार था। पुलिस के अनुसार आरोपी महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) और शस्त्र अधिनियम के तहत भी वांछित था।

पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) अमित कौशिक ने कहा, "एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बृहस्पतिवार शाम को मुंडका इलाके में टिकरी-झड़ौदा मार्ग पर एक नहर के निकट आरोपी को घूमते हुए देखा, जो जाहिर तौर पर किसी का इंतजार कर रहा था। जब पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, तो वह भागने लगा। थोड़ी देर पीछा करने के बाद उसे पकड़ लिया गया।" उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए।

अधिकारी ने बताया कि अमरदीप, कपिल सांगवान गिरोह के लिए काम करता था। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान उसने तीन आपराधिक मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की जिनमें से एक फरीदाबाद में एक गवाह की हत्या का मामला, महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत एक मामला और एक शस्त्र अधिनियम का मामला शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उसे मकोका मामले में भगोड़ा घोषित किया गया था।

उन्होंने कहा, "अमरदीप पर 30 जनवरी, 2024 को फरीदाबाद में सूरजभान उर्फ बल्लू दीनपुर की हत्या का आरोप है। उसके आपराधिक इतिहास में 2013 के धोखाधड़ी मामले और द्वारका में 2020 के डकैती मामले में संलिप्तता शामिल है।" कौशिक ने कहा कि सांगवान गिरोह के नेटवर्क, सहयोगियों और हथियार आपूर्ति मार्गों के बारे में अधिक जानकारी के लिए आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

क्राइम ब्रांच ने किया ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, पकड़े गए चरस की कीमत एक करोड़

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने ड्रग्स तस्करी में शामिल मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से कुल 1.896 किलोग्राम चरस बरामद हुई है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान द्वारका के पवन कुमार के रूप में हुई है, जिसे वर्ष 2011 में भी उसके तीन साथियों के साथ एक किलोग्राम चरस बरामद होने पर गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर छूटने के बाद वह फिर ड्रग्स तस्करी के धंधे में शामिल हो गया। उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता के मुताबिक, चार जून को गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसीपी राजकुमार की देखरेख में और इंस्पेक्टर शिव कुमार के नेतृत्व में टीम ने पवन को खजूरी खास इलाके से उस समय गिरफ्तार किया जब वह ड्रग डिलीवरी के इरादे से स्कूटी पर किसी का इंतजार कर रहा था। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 1.896 किलोग्राम चरस बरामद की गई। पूछताछ में उसने बताया कि वह हिमाचल प्रदेश से दिल्ली और आस-पास के इलाकों में चरस की आपूर्ति करता था। वह इस अवैध व्यापार के लिए मुख्य रूप से अपनी स्कूटी का इस्तेमाल करता था और अक्सर दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के बीच स्कूटी से ही आता जाता था। उसके खिलाफ हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के थाना बंजार में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज है। वह पेशे से एक टेंपो चालक है। पुलिस उससे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य तस्करों की जानकारी जुटा रही है।

डॉक्टर का पर्स चुराकर कार्ड से 1 लाख रुपये निकाले

नोएडा। सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में तीन जून को ओपीडी के दौरान महिला चिकित्सक का पर्स चोरी हो गया। चोर ने पर्स में रखे डेबिट कार्ड से एक लाख रुपये निकाल लिए। पीड़िता की शिकायत पर सेक्टर-39 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. दीपिका गोस्वामी ने पुलिस को बताया कि वह तीन जून को जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों को देख रही थीं। एकाएक भीड़ बढ़ने पर मरीज ज्यादा आ गए। इसी बीच किसी ने कमरे में रखे बैग से पर्स चोरी कर लिया। दोपहर बाद चिकित्सक के मोबाइल पर डेबिट कार्ड से रुपये कटने के तीन मैसेज आए। पहला 50 हजार, दूसरा 10 हजार और तीसरा मैसेज 40 हजार रुपये का था। मैसेज देखकर वह चौंक गईं। उन्होंने अपना बैग चेक किया तो उसमें पर्स नहीं था। पीड़िता के मुताबिक पर्स में डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड आदि जरूरी दस्तावेज थे। चोर ने एटीएम कार्ड का दुरुपयोग कर रकम निकाली है, जबकि उन्होंने पासवर्ड किसी से साझा नहीं किया। एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला का कहना है कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिला अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से जांच की जा रही है।

गाजियाबाद में दिनदहाड़े चली पुलिस व गोतस्करों में गोलियां, दो गोतस्कर घायल

गाजियाबाद। थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने शुक्रवार को मुठभेड़ के दौरान तीन गोतस्करों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की ओर से चली गोली से दो गोतस्कर घायल हो गए। जिनके कब्जे से 02 अदद तमंचा देशी 315 बोर जिसकी नाल में खोखा कारतूस फंसा हुआ, दो जिन्दा कारतूस ,01 काले रंग का पिट्ठू बैग जिसके अंदर मीट काटने के उपकरण छुरी, गडासा, रस्सी के टुकडे, बेहोशी का इंजैक्शन, सीरिंज आदि व घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर प्लेट चोरी की मोटर साइकिल बरामद हुई है। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस अपराधिक घटनाओं के दृष्टिगत थाना क्षेत्र ट्रोनिका सिटी चौकी पुस्ता पर त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये चेकिंग कर रही थी । बिना नम्बर प्लेट की मोटर साइकिल पर सवार 03 बदमाश पिछले बदमाश की पीठ पर पिट्ठू बैग टंगा हुआ है, संदिग्ध होने पर पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया , नही रूके और तेजी से कट मारकर बागपत रोड की तरफ भागने लगे । थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने आरटी सैट से भाग रहे बदमाशों को सम्बन्ध में सूचना दी गयी । इस सूचना पर गेट नम्बर दो पर चेकिंग कर रही पुलिस द्वारा मोटर साइकिल सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया नही रूके और पुलिस के पीछा करने पर अपने आप को घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायर किया गया तथा पुलिस टीम द्वारा की गई जवाबी कार्यवाही में 03 बदमाशों में से 02 बदमाश शहजाद उर्फ इंतजार उर्फ भूषण व याहिया खान उर्फ फतेह के पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गये । दोनों को गिरफ्तार किया गया तथा तीसरा बदमाश जुल्फिकार को मौके से थोडी दूरी पर गिरफ्तार किया गया। घायल बदमाश शहजाद उर्फ इंतजार निवासी ग्राम ढकौली पांची थाना चांदीनगर जनपद बागपत ,याहिया खान उर्फ फतेह निवासी रूपनगर निकट पुरानी मस्जिद पानी की टंकी थाना लोनी को इलाज हेतु अस्पताल भेज दिया गया है । तीसरे बदमाश जुल्फिकार पुत्र शहीद अहमद निवासी प्रशान्त विहार थाना लोनी गाजियाबाद को मौके से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आए कि इन्होंने कुछ दिन पूर्व आवास विकास मण्डौला क्षेत्र के जंगल में गौकशी की घटना कारित करके अवशेषो को सीवर के गड्ढे में डालकर फरार हो गये थे ।

पार्टनर की गोली मारकर हत्या करने के मामले में दो गिरफ्तार

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में रुपये के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त असलाह एक पिस्टल .32 बोर मय 02 जिन्दा कारतूस .32 बोर मय एक खोका कारतूस .32 बोर बरामद किया है। एसीपी पूनम मिश्रा ने बताया कि अविनाश सिरोही निवासी ग्राम शामी हाफिजपुर जिला हापुड़ ने सूचना दी कि मेरे साले राहुल डागर व आशीष डागर के साथ होटल की साझेदारी में पैसे के लेन देन की बात को लेकर विपक्षीगण ने मेरे साले राहुल डागर व मेरे साथ मारपीट की व राहुल डागर पर हत्या की नियत से गोली मार दी। बचाव करने आये, आशीष डागर पर पिस्टल से जान से मारने की नियत से गोली चला दी। जिससे राहुल डागर को यशोदा अस्पताल संजय नगर ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। आशीष को घायल अवस्था में सर्वोदया अस्पताल गाजियाबाद में भर्ती कराया गया है, उक्त सूचना पर थाना नन्दग्राम पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियोग पंजीकृत किया। उन्होंने घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए, जिला स्तर व थाना स्तर पर टीमों का गठन कर सर्विलांस व लोकल इनपुट की मदद से मुकदमा के वांछित आरोपितों को एलटी चौरहे से राजनगर एक्सटेंशन वाले रास्ते पर से गिरफ्तार किया है। नागेन्द्र, मनीष व मृतक राहुल डागर साझेदारी में होटल शिवा पैलेस हल्द्वानी उत्तराखंड चलाने का कारोबार करते थे। आपस में लेन देने को लेकर विवाद हो गया था। रितेश बिन्दल उर्फ लाला द्वारा राहुल डागर से ब्याज पर उधार पैसे लिये गये थे। उन पैसो के बयाज लेने देने पर विवाद था। जिस कारण नागेन्द्र, मोहित, रितेश उर्फ लाला, रोहित शर्मा उर्फ मन्त्री, प्रदीप शर्मा व मनीष ने मिलकर योजना बनाकर राहुल डागर की हत्या कर दी थी। उसके चचेरे भाई आशीष डागर पर जानलेवा हमला किया था।

गाजियाबाद पुलिस को फोन पर मिली दिल्ली की सीएम को मार देने की धमकी

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद पुलिस को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर कॉल कर दिल्ली के मुख्यमंत्री को जान से मरने धमकी दी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सूचित कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शुक्रवार को एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस को कॉल करके दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी दी है। इस धमकी के बाद पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। गाजियाबाद पुलिस ने मामले की गंभीरता के साथ जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में जिले एसीपी रितेश

त्रिपाठी ने बताया कि थाना कोतवाली नगर में डायल 112 पर एक कॉल आयी। जिसमें कॉल करने वाले ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को जान से मार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस फोन के बाद कंट्रोल रूम ने तत्काल ही दिल्ली के कंट्रोल रूम को अवगत करा दिया है और पीआरवी, चीता मोबाइल व थाना कोतवाली नगर की पुलिस को सतर्क कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक कॉलर से सम्पर्क नहीं हो पाया है। पुलिस उस फोन नम्बर को ट्रेस करने का प्रयास कर रही है। सर्विलांस भी इस पर कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच पड़ताल के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। जल्द ही आरोपित व्यक्ति को ट्रेस कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाजियाबाद में रेहड़ी-पटरी वालों का हंगामा, पार्षद और नगर निगम पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

गाजियाबाद। इंदिरापुरम इलाके में रेहड़ी-पटरी व्यवसायियों ने नगर निगम और स्थानीय पार्षद धीरज अग्रवाल के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इनका आरोप है कि जब तक पार्षद के एजेंट को पैसा दिया गया, तब तक उन्हें दुकानें लगाने दी गईं। जैसे ही उन्होंने पैसे देने बंद किए, उनकी रेहड़ियों पर नगर निगम का बुलडोजर चला दिया गया और उनका रोजगार उजाड़ दिया गया।

प्रदर्शनकारी व्यवसायियों ने कहा कि वे पिछले 15 वर्षों से स्वर्णजयंती पार्क के आसपास खाद्य सामग्री और अन्य सामान बेचते आ रहे हैं। यह इलाका पहले गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (GDA) के अधीन था, लेकिन जब से यह नगर निगम को हस्तांतरित हुआ है, तब से पार्षद और उनके लोगों द्वारा परेशान किया जा रहा है। व्यवसायियों का कहना है कि निगम की इंफोर्समेंट टीम को बुलाकर रेहड़ियां जब्त कराई जाती हैं, चालान काटे जाते हैं, और कई लोगों का काम एक महीने से पूरी तरह बंद है। इस कारण उनके परिवारों के सामने भोजन और जीविका का संकट उत्पन्न हो गया है। बीते दिन सभी व्यापारी पार्षद के कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्या रखी। आरोप है कि इस दौरान पार्षद के सहयोगियों ने अवैध वसूली की मांग की और साफ कहा कि यदि पैसे नहीं दिए गए, तो सभी की दुकानों को हटवा दिया जाएगा और चालान भी कटवाए जाएंगे। शुक्रवार को जब नगर निगम की जोनल अधिकारी और पार्षद धीरज अग्रवाल इंदिरापुरम क्षेत्र में पहुंचे तो रेहड़ी-पटरी वालों का गुस्सा फूट पड़ा।

उन्होंने जोरदार नारेबाजी करते हुए दोनों अधिकारियों को मौके से भगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्होंने नियमित पीली पर्ची कटवा रखी है, और कुछ लोग तो प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत लोन लेकर अपना व्यवसाय चला रहे हैं। अब जब उनका काम ठप कर दिया गया है, तो वे लोन की किश्तें भी नहीं चुका पा रहे। उनका आरोप है कि नगर निगम और पार्षद की मिलीभगत से उनका रोजगार छीन लिया गया है।

सात महीने से फरार आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच की एनआर-II टीम ने सात महीने से फरार चल रहे हत्या के प्रयास के एक आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी विपिन 32 वर्ष निवासी जहांगीरपुरी प्रिंस और नरेंद्र गैंग के बीच हुए खूनी गैंगवार में शामिल था।

क्राइम ब्रांच डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि 20 और 21 अक्टूबर 2024 की रात को जहांगीरपुरी इलाके में प्रिंस गैंग और नरेंद्र गैंग के बीच पुरानी रंजिश के चलते हिंसक झड़प हो गई थी। दोनों पक्षों की ओर से गोलीबारी और चाकूबाजी हुई, जिसमें प्रिंस गैंग का सदस्य दीपक

पत्रकार की गोली लगने से मौत हो गई थी। वहीं नरेंद्र को चाकू लगने से और सुरज को गोली लगने से चोटें आई थीं। इस गंभीर घटना के बाद थाना जहांगीरपुरी में दो क्रॉस एफआईआर दर्ज की गईं थी।हेड कांस्टेबल नवल को गुप्त सूचना मिली कि फरार आरोपी विपिन अपने साथियों से मिलने जहांगीरपुरी आने वाला है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के नेतृत्व में और एसीपी नरेंद्र सिंह की निगरानी में एक टीम गठित की गई। टीम ने मौके पर जाल बिछाकर आरोपी विपिन को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में विपिन ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि लगभग सात महीने पहले वह अपने साथी दीपक पत्रकार और गैंग लीडर प्रिंस के साथ नरेंद्र और उसकी गैंग से भिड़ने गया था। इस झड़प में दीपक की गोली लगने से मौत हो गई और दोनों पक्षों को गंभीर चोटें आईं। विपिन ने स्वीकार किया कि उन्होंने चाकू और गोली से हमला किया था।

क्लासमेट ने स्कूल की फ्रेंड से घर जाकर किया दुष्कर्म

गाजियाबाद। गाजियाबाद के विजयनगर थानाक्षेत्र में सहपाठी पर घर में घुसकर एक नाबालिग छात्रा ने दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी भी नाबालिग है। शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर उसे बाल सुधार गृह भेज दिया गया है। विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाले व्यक्ति का कहना है कि 4 जून को वह ड्यूटी गए हुए थे। दोपहर में पत्नी भी बाजार चली गई थी। दोपहर 2 बजे जब पत्नी घर लौटी तो बाहर का गेट बंद था। घंटी बजाने पर भी गेट नहीं खुला तो अंदर से उनकी बेटी चिल्लाने लगी। उसने एक लड़के का नाम लेते हुए कहा कि वह गेट नहीं खोलने दे रहा है। शिकायकर्ता के मुताबिक, पत्नी ने किसी तरह गेट खुलवाया तो बेटी बदहवास हालत में थी। मां द्वारा पूछने पर बेटी ने बताया कि उसके साथ पढ़ने वाला छात्र घर में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। बेटी ने खुद को बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन आरोपी ने उसे नहीं छोड़ा। शिकायतकर्ता के मुताबिक, पत्नी के फोन करने पर वह घर पहुंचे और डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को इसकी सूचना दी।

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में हर नागरिक को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के हमारे प्रयासों के तहत वाटर एटीएम की सुविधा का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को यहां शालीमार बाग में वाटर एटीएम का उद्घाटन करने के बाद कहा कि दिल्ली को बेहतर और स्वच्छ बनाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली में हजारों प्याऊ लगाने का लक्ष्य है ताकि लोगों को स्वच्छ जल पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में वाटर कूलर या वाटर एटीएम लगाया जाएगा जिसका लाभ बच्चे भी लेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली को बेहतर और सुंदर बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली की सरकार अपने शिक्षा मॉडल को ही सबसे अच्छा मानती थी, लेकिन कमजोर बच्चों को स्कूल से बाहर निकाल दिया जाता था। उन्होंने कहा कि आज भी हैदरपुर इलाके में एक भी साइंस का स्कूल नहीं है। इस इलाके के बच्चों को साइंस पढ़ने के लिए दूसरे इलाके में जाना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जर्जर स्कूलों को ठीक करने के निर्देश दिये है और 175 डिजिटल लाइब्रेरी खोलने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि दसवीं में अच्छे नंबरों से पास होने वाले 1200 बच्चों को लैपटाप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने सरकारी स्कूलों के प्रमुखों से किया संवाद

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को शालीमार बाग स्थित जीएसकेवी विद्यालय में विधानसभा क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों के प्रमुखों के साथ संवाद किया। मुख्यमंत्री एक्स पर कहा कि इस दौरान विद्यालय प्रमुखों के साथ स्कूलों के विकास और सुधार संबंधित विस्तृत चर्चा की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को त्वरित दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्कूल प्रमुखों से अपील कि वे छात्रों के साथ सद्भावना और आदर्श व्यवहार रखें और सभी को समान अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हमारा दृढ़ विश्वास है कि हर विद्यालय और हर शिक्षक दिल्ली की शिक्षा क्रांति की रीढ़ हैं। सरकार का संकल्प है कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और नैतिक शिक्षा मिले। शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, यह जीवन निर्माण का एक अहम माध्यम है और इस प्रक्रिया में हमारे शिक्षक हमारे सबसे बड़े सहयोगी हैं। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी उपस्थित रहे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आज निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शालीमार बाग में वॉटर एटीएम को दिल्ली की जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हर नागरिक को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के हमारे प्रयासों के तहत वॉटर एटीएम की सुविधा का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10वीं कक्षा के 1200 टॉपर्स को लैपटॉप उपहार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे, जिससे वे अपनी शिक्षा के माध्यम से जीवन के नए आयामों को प्राप्त कर सकें।

दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर रिपोर्ट कार्ड जारी

मंत्री रविंद्र सिंह ने दिया ब्यौरा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने आठवीं विधानसभा के 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट और मुख्य सचेतक अभय वर्मा भी इस दौरान मौजूद रहे। स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस रिपोर्ट कार्ड में 100 दिन के नवाचार का ब्यौरा दिया गया है। विरासत से विकास की ओर... सोच के साथ यहां बहुत कुछ पहली बार किया जा रहा है। हमारा प्रयास इस विधानसभा को लिविंग हैरिटेज बनाने की है।

रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि पिता के बाद कभी मैं भी विधायक और मंत्री बनूंगा। इस विधानसभा को जीवंत करना भी जरूरी था। इस विधानसभा से बहुत महापुरुष भी निकले हैं। उम्मीद करता हूं कि दिल्ली विधानसभा का असल स्वरूप दिल्ली वालों के सामने आ सकेगा। वहीं, हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि विधानसभा के लोकतांत्रिक मूल्यों को लौटाने का श्रेय भी स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को जाता है। उन्हीं के नेतृत्व में यहां विरासत से विकास की ओर काम चल रहा है।

मैं पिछले 10 वर्षों पर नहीं जाऊंगा लेकिन आठवीं विधानसभा में विपक्ष को भी पूरा सम्मान दिया जाता है। निश्चित तौर पर विधानसभा को भविष्य में लिविंग हैरिटेज का दर्जा मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार ही नहीं बदली, सरकार के कामकाज का तरीका भी बदला है। 10 साल सरकार की कोई जवाबदेही नहीं थी लेकिन आज भाजपा सरकार की जनता के प्रति पूरी जवाबदेही है। रेखा गुप्ता सरकार के सभी चुनावी वायदों को भी समय पर पूरा किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

गवाह की हत्या में वॉन्टेड नंदू गैंग का बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के मुख्य सदस्य को स्पेशल सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित मकोका एक्ट, फरीदाबाद क्षेत्र में गवाह की हत्या के मामले और आर्म्स एक्ट में वांछित था और पिछले दो वर्षों से फरार था। आरोपित की पहचान बवाना के गांव औचंदी के अमरदीप उर्फ अमर लोचब के रूप में हुई है, जिसके कब्जे से एक पिस्टल और तीन कारतूस बरामद हुए हैं। स्पेशल सेल के उपायुक्त अमित कौशिक के मुताबिक, पांच जून को टीम को गुप्त जानकारी मिली थी कि बदमाश अपने साथियों से मिलने झड़ौदा गांव आने वाला है। सूचना पर इंस्पेक्टर संदीप डबास के नेतृत्व में टीम ने थाना मुंडका के अधिकार क्षेत्र के तहत झड़ौदा कलां में नहर के पास जाल बिछाते हुए लगभग पांच बजे टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और तीन कारतूस बरामद हुए। पुलिस उससे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों के बारे में पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

मामूली कहासुनी के दौरान युवक को मारा चाकू, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले के सरोजनी नगर इलाके में मामूली कहासुनी में युवक को चाकू मारने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक धारदार चाकू बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार युवक की पहचान आरके पुरम निवासी निखिल (22) के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले से तीन आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है। दक्षिण-पश्चिम जिले केडीसीपी अमित गोयल ने बताया कि घटना 3 और 4 जून की दरम्यानी रात का है। पुलिस कंट्रोल रूम को एक कॉल प्राप्त हुई। जिसमें बताया गया कि "किसी लड़के ने कॉलर के भाई के सीने में चाकू घोंप दिया है और वे उसे सफदरजंग अस्पताल ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई और पाया कि आरोपित निखिल और घायल कृष्ण के बीच किसी बात पर बहस हो गई थी। बहस के दौरान गुस्से में आकर निखिल ने चाकू निकाल कर कृष्ण के सीने में वार कर दिया और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित निखिल को उसके घर सेक्टर-13, आरके पुरम से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपित के पास से वह चाकू बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल वारदात में किया गया था।

नशे में पिस्टल से चली गोली, पड़ोसी के घर के शीशे पर लगी

नई दिल्ली। द्वारका इलाके में नशे में गोली चलाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गोली पड़ोसी के घर के शीशे पर लगी थी। गनीमत रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जान सांसत में डालने का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे और घटनास्थल पर मिले साक्ष्य के आधार पर आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने पिस्टल बरामद कर लिया है।द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया, 20 मई को द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस को भरथल गांव निवासी गजेन्द्र दत्त के घर पर गोली चलने की सूचना मिली। द्वारका सेक्टर 23 थाने के प्रभारी बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच शुरू की।

आईटीओ में राजस्व भवन बिल्डिंग में लगी आग

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आईटीओ में राजस्व भवन बिल्डिंग में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई। खबर मिलते ही दमकल की सात गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गईं। दमकल अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल कर्मियों ने एक आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। शुरुआती जांच में पता चला है कि आग एसी में लगी थी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दमकल विभाग के अनुसार सुबह 9.57 बजे बजे सूचना मिली कि आईटीओ स्थित राजस्व भवन में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी के अनुसार आग दूसरी मंजिल पर स्थित कमरा नंबर 238 में लगी थी। दमकलकर्मियों ने आधे घंटे के भीतर आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई: 2.42 लाख विदेशी सिगरेट जब्त

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय सिगरेट तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 2.42 लाख अवैध विदेशी सिगरेट जब्त की हैं। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। यह आरोपित अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से दिल्ली पहुंचे थे। पकड़ी गई सिगरेटों में कोई भी स्वास्थ्य चेतावनी नहीं थी, जो भारत सरकार के कानून के खिलाफ है।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी आदित्य गौतम ने शुक्रवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की इंटर स्टेट सेल को खुफिया सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग विदेशों से दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर बड़ी मात्रा में विदेशी सिगरेट की तस्करी करने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए इंस्पेक्टर पंकज मलिक के नेतृत्व में एक टीम ने मौके पर निगरानी शुरू की। टीम ने पांच लोगों को संदिग्ध हालत में बड़े बैग्स के साथ पकड़ा। पूछताछ और जांच के दौरान उनके बैग्स से विदेशी ब्रांड की सिगरेट बरामद हुईं। जिन पर भारतीय स्वास्थ्य चेतावनी अंकित नहीं थी।

डीसीपी के अनुसार गिरफ्तार आरोपितों की पहचान विवेक कुमार कन्नौजिया के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके कब्जे से 54,000 सिगरेट बरामद की। दूसरे आरोपित जाकिर आलम से 64,000 सिगरेट, तीसरे आरोपित मो. शुएब से 36,000 सिगरेट, गुलसनावर के पास से 44,000 सिगरेट और नाजिश के पास से 44,000 सिगरेट बरामद की गई।

डीसीपी ने बताया कि कुल 10 बैग्स से 2,42,000 सिगरेट स्टिक बरामद हुई है। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में सामने आया कि ये सभी व्यक्ति एक अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे। इन्हें दुबई या बैंकॉक भेजा जाता था। जहां से ये अवैध सिगरेट भारत लाते थे। हर ट्रिप के बदले इन्हें 70,000 से 80,000 की रकम दी जाती थी। ये रात या सुबह की उड़ानों से लौटते थे। जिससे कस्टम की निगरानी से बच सकें। दिलचस्प बात यह है कि ये पांचों एक-दूसरे को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते थे।

जिससे पता चलता है कि तस्करी का यह रैकेट 'हब एंड स्पोक' मॉडल पर काम करता है। जहां अलग-अलग कूरियर को इस्तेमाल कर नेटवर्क को छिपाया जाता है।

गिरफ्तार किए गए सभी आरोपित दिल्ली, उप्र और बिहार के निवासी हैं और निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं। जांच में पता चला है कि बेरोजगारी और पैसों की तंगी के चलते वे इस अवैध धंधे में शामिल हुए थे। फिलहाल क्राइम ब्रांच अब इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड और दिल्ली में मौजूद स्थानीय सप्लायर्स की तलाश में जुट गई है।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, चार आरोपित गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस अभियान में दो कुख्यात वाहन चोर और दो चोरी की गाड़ियों के खरीददारों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से दिल्ली और कोलकाता से चार लग्जरी गाड़ियां बरामद की हैं। गिरफ्तार सभी आरोपित पहले से 45 से अधिक मामलों में शामिल रह चुके हैं।

क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित अभिषेक उर्फ सत्यम बाजपेयी को शाहदरा के रोहताश नगर क्षेत्र से दबोचा गया। पूछताछ में उसने एक मारुति बलेनो कार की चोरी की बात कबूली, जो वसंत कुंज से चोरी हुई थी। इसके बाद कोर्ट से पुलिस रिमांड प्राप्त कर सख्ती से पूछताछ की गई। रिमांड के दौरान उसकी निशानदेही पर सेल्टॉस कार (मौर्य एनक्लेव), मारुति स्विफ्ट (मोती नगर) और कोलकाता से होंडा डब्लूआरवी कार भी बरामद की गई। इस कड़ी में आरोपित इरफ़ान उर्फ पिंटू, जानी उर्फ तानी, और कोलकाता से नौशाद उर्फ राजू को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अभिषेक का पिता दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों की खरीद-फरोख्त का काम करता था। जहां उसकी मुलाकात जानी से हुई। दोनों ने मिलकर कार चोरी शुरू की। इरफान चोरी की गाड़ियां खरीदता था और उन्हें नौशाद को कोलकाता भेजता था। गिरोह एक गाड़ी बेचने पर 80,000 से 1,00,000 कमाता था। आरोपित चोरी के लिए कोडिंग टैब और नकली चाबियों का इस्तेमाल करते थे।

डीसीपी के अनुसार जांच में पता चला है कि पकड़ा गया अभिषेक उर्फ सत्यम (23) उप्र का रहने वाला है। वह 12वीं तक पढ़ा। वह 20 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। वह उप्र गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित है। इरफ़ान उर्फ पिंटू (35) 5 मामलों में शामिल है। इसी क्रम में जानी उर्फ तानी (45) 15 मामलों में शामिल रहा है। वहीं नौशाद उर्फ राजू (51) पहले बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम करता था। अब गाड़ियों की फाइनेंसिंग व चोरी की गाड़ियों की खरीद-फरोख्त में लिप्त था।

ड्रग्स तस्करी के मामले में आरोपित गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने खजूरी चौक के पास से एक शातिर ड्रग तस्कर पवन कुमार (51) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 1.896 किलोग्राम चरस बरामद की है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है। क्राइम ब्रांच की डीसीपी अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि यह कार्रवाई एसआई सोमाया कुल्हड़ की देखरेख में पुलिस टीम ने किया। क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली कि थी कि आरोपित पवन कुमार गांव पोचनपुर एक्सटेंशन-ए, द्वारका से एक सफेद होंडा एक्टिवा स्कूटी पर सवार होकर ड्रग डिलीवरी के इरादे से खजूरी चौक पर जाने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाया। आरोपित के आते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से भारी मात्रा में चरस बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर आरोपित गिरफ्तार किया। पूछताछ में पवन कुमार ने कबूला कि वह पिछले 15-20 वर्षों से चरस तस्करी के धंधे में सक्रिय है। वह हिमाचल प्रदेश से दिल्ली और आसपास के इलाकों में चरस सप्लाई करता था। इसके लिए वह अपनी स्कूटी का इस्तेमाल करता था। जांच में यह भी सामने आया कि पवन पहले भी ड्रग्स के मामले में पकड़ा जा चुका है। वर्ष 2011 में उसे हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के बंजार थाने में चरस के साथ गिरफ्तार किया गया था।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

न्याय की साख

किसी भी लोकतंत्र में न्यायपालिका की साख निर्विवाद रूप से कायम रहनी चाहिए। कामकाज में पारदर्शिता व शुचिता नजर आना संवैधानिक संस्था के लिये अनिवार्य शर्त है। न्यायपालिका की जिन कवायदों को लेकर अंगुलियां उठ सकती हैं, उनको संबोधित करके मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने एक सराहनीय पहल की है। उनका सेवानिवृत्ति के बाद सरकार से कोई पद न लेने का संकल्प संस्थागत ईमानदारी व विश्वसनीयता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जाएगा। निस्संदेह, उनके और कई सहयोगियों द्वारा दर्शायी गई यह प्रतिबद्धता न्यायपालिका की विश्वसनीयता और इसे स्वतंत्र बनाये रखने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। सीजेआई गवई ने यही साबित करने का प्रयास किया है कि न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सरकारी पद लेना या चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा देना, संवेदनशील नैतिक चिंताएं पैदा करता है। यह भी कि ये प्रवृत्तियां सार्वजनिक जांच को आमंत्रित करती हैं। निस्संदेह, हितों के टकराव या पक्षपात की कोई भी धारणा केवल विश्वास की कमी को ही बढ़ाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस मुद्दे पर सीजेआई का साहसिक रुख नैतिक नेतृत्व का एक नया मानक स्थापित करेगा-जिसका अक्षरशः और ईमानदारी की भावना से पालन किया जाएगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि न्यायपालिका के भीतर कदाचार के उदाहरण पूरी व्यवस्था के प्रति विश्वास को चोट पहुंचा सकते हैं। इस विश्वास को फिर से बनाने का रास्ता त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है। इसमें दो राय नहीं कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से जुड़ा कैश-इन-रेजिडेंस का विवाद न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और विधायिका के लिये कसौटी पर परखने का मामला है। चर्चा है कि आगामी मानसून सत्र में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक विवादित पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया जा सकता है। वहीं कॉलेजियम प्रणाली की बढ़ती आलोचना के बीच सीजेआई गवई का यह कथन कि न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर कोई समाधान नहीं आना चाहिए, सही है। हालांकि, न्यायाधीशों की नियुक्ति कैसे की जाती है, यह एक अनसुलझा विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। गाहे-बगाहे अदृश्य न्यायिक भ्रष्टाचार पर भी गंभीर चिंता जतायी जाती रही है। पिछले दिनों पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना का सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति सार्वजनिक करने का कदम सराहनीय था। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है। बड़े पैमाने पर लंबित मामलों के मूल में प्रणालीगत विसंगतियां होने की बात कही जाती है। लेकिन हकीकत यह भी है कि राजनीतिक नफे-नुकसान के समीकरणों को साधने के लिये सरकारों ने भी तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास भी किया है। इसके बावजूद संस्थाओं के भीतर से उभरते शुचिता के संकल्प जन विश्वास को मजबूती देते हैं। ऐसे में मुख्य न्यायाधीश की साफगोई और विसंगतियों को दूर करने का संकल्प न्यायिक व्यवस्था में जनता के भरोसे को बढ़ाने वाला ही कहा जाएगा।

सबका स्वागत करता है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं, "अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा"। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ गहरा परिचय था। वो संघ के दर्शन से अवगत कराने के लिए विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ कार्यक्रमों में आमंत्रित करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं, "किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है।" संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण का प्रारंभ में संघ को लेकर नजरिया आलोचनात्मक था। जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए।

लोकेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सबके लिए खुला संगठन है। इसके दरवाजे किसी के लिए बंद नहीं हैं। नागपुर में आयोजित संघ शिक्षावर्ग 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन समारोह में जनजाति वर्ग के कद्दावर नेता अरविंद नेताम का शामिल होना कइयों को खल गया। कुछ ने वितंडावाद भी खड़ा किया। इस वितंडावाद की हवा स्वयं जनजातीय नेता नेताम ने यह कहकर निकाल दी, "वनवासी समाज की समस्याओं और चुनौतियों को संघ कार्यक्रम के माध्यम से रखने का सुअवसर मुझे मिला है।" उन्होंने संघ के संबंध में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी यह भी की, "इस संगठन में चिंतन-मंथन की गहरी परंपरा है। भविष्य में जनजातीय समाज के सामने जो चुनौतियां आनेवाली हैं, उसमें आदिवासी समाज को जो संभालनेवाले और मदद करनेवाले लोग/संगठन हैं, उनमें हम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को मानते हैं।"। नेताम इंदिरा गांधी और पीवी नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं। उल्लेखनीय है कि संघ के कार्यक्रमों में महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर और जयप्रकाश नारायण से लेकर इंदिरा गांधी एवं प्रणब मुखर्जी तक शामिल हो चुके हैं। संघ ने कभी किसी से परहेज नहीं किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवाद में गहरा विश्वास है। वर्तमान सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत कहते हैं, "अगर हम विचारों को एक किला बनाकर उसके अंदर अपने आपको बंद कर लेंगे, तो यह व्यावहारिक नहीं होगा"। संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार से कांग्रेस, समाजवादी एवं कम्युनिस्ट नेताओं के साथ गहरा परिचय था। वो संघ के दर्शन से अवगत कराने के लिए विभिन्न विचारों के विद्वान व्यक्तियों एवं सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ताओं से मिलते थे और उन्हें संघ कार्यक्रमों में आमंत्रित करते थे। संघ के वर्तमान अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर अपनी पुस्तक 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : स्वर्णिम भारत के दिशा-सूत्र' में लिखते हैं, "किसी विषय पर विभिन्न मत हो सकते हैं, किंतु जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग से मिलते हैं, संवाद करते हैं, तो अवश्य ही समाधान निकलता है।" संघ 1930 के दशक से ही समाज जीवन में सक्रिय लोगों को अपने कार्यक्रमों में बुलाता रहा है। दरअसल, एक और महत्वपूर्ण बात है यह कि संघ को विश्वास है कि जब तक कोई संघ से दूर है, तब तक ही वह संघ का विरोधी हो सकता है। लेकिन जैसे ही वह संघ के निकट आता है और संघ को जानने-समझने लगता है, तब वह संघ का विरोधी हो ही नहीं सकता। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो इस बात को सिद्ध करते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण भी संघ के आमंत्रण पर आ चुके हैं।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण का प्रारंभ में संघ को लेकर नजरिया आलोचनात्मक था। जब उन्होंने संघ को नजदीक से देखा तब उनके विचार पूरी तरह बदल गए। उन्होंने यहां तक कह दिया, "यदि आरएसएस फासीवादी संगठन है तो जेपी भी फासीवादी है।"। प्रख्यात समाजवादी चिंतक राममनोहर लोहिया और संघ के पदाधिकारियों के साथ मित्रतापूर्ण संवाद रहा है। आचार्य विनोबा भावे ने कहा है, "मैं संघ का विधिवत सदस्य नहीं हूं, फिर भी स्वभाव से, परिकल्पना से मैं स्वयंसेवक हूं। " परम पावन दलाई लामा संघ के अनेक कार्यक्रमों में शामिल होते रहे हैं, उनका भी कहना है, "मैं संघ का समर्थक हूं। अनुशासन, देशभक्ति और समाज सेवा के लिए यह संगठन जाना जाता है।"।

वर्ष 1977 में आंध्र प्रदेश में आए चक्रवात के समय स्वयंसेवकों के सेवा कार्यों को देखकर वहां के सर्वोदयी नेता प्रभाकर राव ने तो संघ को नया नाम ही दे दिया था। उनके अनुसार आरएसएस अर्थात रेडी फॉर सेल्फलेस सर्विस। संघ के कार्यक्रम में जब भी कोई अन्य विचार का व्यक्ति आया है, तब संघ के कार्यकर्ताओं की ओर से कभी उनका विरोध नहीं हुआ। बल्कि स्वयं को अधिक प्रगतिशील एवं लोकतांत्रिक बतानेवाले लोगों ने ही आमंत्रित महानुभावों को रोकने के लिए भरसक प्रयास किए हैं। याद हो, वर्ष 2018 में नागपुर के रेशमबाग में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग-तृतीय वर्ष के समापन समारोह में जब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के शामिल होने का समाचार सामने आया, तब कितना हो-हल्ला मचाया गया। प्रणब दा को रोकने के लिए पत्र लिखे गए, आह्वान किए गए। आखिर में प्रणब दा समारोह में पहुंचे और अपना उद्बोधन दिया। इस अवसर पर प्रणब दा न केवल आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार के घर (संग्रहालय) गए, बल्कि वहां उन्होंने विजिटर बुक में लिखा, "मैं आज भारत मां के महान सपूत डॉ. केबी हेडगेवार के प्रति सम्मान और श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं।"

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया से संबद्ध और दलित नेता दादासाहेब रामकृष्ण सूर्यभान गवई और कम्युनिस्ट विचारों वाले जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर भी संघ के कार्यक्रमों में आ चुके हैं। मीनाक्षीपुरम में कुछ हिंदुओं द्वारा धर्म परिवर्तन कर इस्लाम स्वीकार किए जाने की घटना के बाद गवई ने स्वयं संघ के कार्यक्रम में आने की इच्छा व्यक्त की थी और अपने विचार रखे थे। केरल की पहली कम्युनिस्ट सरकार में मंत्री रहे जस्टिस वीआर कृष्णा अय्यर ने स्थानीय विरोधों के बावजूद तत्कालीन सरसंघचालक से संपर्क किया और बाद में पत्रकारों के सामने अपने विचार रखे थे।

हाल के वर्षों में देखें तो नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी, डीआरडीओ के पूर्व डायरेक्टर जनरल विजय सारस्वत, एचसीएल के प्रमुख शिव नाडर, नेपाल के पूर्व सैन्य प्रमुख रुकमंगुड कटवाल जैसे व्यक्तित्व संघ के विजयादशमी उत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हो चुके हैं। पिछले एक दशक में नागपुर में आयोजित होनेवाले संघ शिक्षा वर्ग के समापन समारोह में आए प्रमुख महानुभावों में दैनिक पंजाब केसरी के संचालक एवं संपादक अश्वनी कुमार, आदिचुनचुनगिरी मठ (कर्नाटक) के प्रधान पुजारी श्री निर्मलानंदनाथ महास्वामी, आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के संस्थापक श्री रवि शंकर, धर्मस्थल कर्नाटक के धर्माधिकारी पद्मविभूषण डॉ. विरेन्द्र हेगडे, साप्ताहिक 'वर्तमान' (कोलकाता) के संपादक रंतिदेव सेनगुप्त, श्रीरामचंद्र मिशन (हैदराबाद) के अध्यक्ष दाजी उपाख्य कमलेश पटेल, श्री काशी महापीठ (वाराणसी) के 1008 जगद्गुरु डॉ. मल्लिकार्जुन विश्वाराध्य शिवाचार्य महास्वामी, श्री सिद्धगिरी संस्थान मठ (कोल्हापुर) के अदृश्य काडसिद्धेश्वर स्वामी और श्री क्षेत्र गोदावरी धाम बेट सराला के पीठीधीश श्री रामगिरी जी महाराज प्रमुख हैं।

जनरल करिअप्पा कर चुके हैं संघ कार्य की प्रशंसा

वर्ष 1959 में पूर्व जनरल फील्ड मार्शल करियप्पा मंगलोर में संघ की एक शाखा के कार्यक्रम में गए थे। वहां उन्होंने कहा था कि संघ कार्य मुझे अपने हृदय से प्रिय कार्यों में से है। अगर कोई मुस्लिम इस्लाम की प्रशंसा कर सकता है, तो संघ के हिंदुत्व का अभिमान रखने में गलत क्या है? प्रिय युवा मित्रों, आप किसी भी गलत प्रचार से हतोत्साहित न होते हुए कार्य करो। डॉ. हेडगेवार ने आपके सामने एक स्वार्थरहित कार्य का पवित्र आदर्श रखा है। उसी पर आगे बढ़ो। भारत को आज आप जैसे सेवाभावी कार्यकर्ताओं की ही आवश्यकता है।

वर्धा की शाखा में महात्मा गांधी

वर्ष 1934 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शीत शिविर वर्धा में महात्मा गांधी के आश्रम के पास ही लगा था। गांधीजी ने शिविर को देखने इच्छा प्रकट की। वर्धा के संघचालक अप्पाजी जोशी ने शिविर में उनका स्वागत किया। महात्मा गांधी ने बड़ी बारीकी से शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने अप्पाजी से पूछा कि इस शिविर में कितने हरिजन हैं? अप्पाजी ने जवाब दिया, "यह बताना कठिन है, क्योंकि हम सभी को हिंदू के रूप में ही देखते हैं। इतना हमारे लिए पर्याप्त है।" बाद में उनकी भेंट संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के साथ हुई। संघ शिक्षा वर्ग में जाने की यह बात स्वयं महात्मा गांधी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कही। 16 सितंबर, 1947 की सुबह दिल्ली में संघ की शाखा पर जाकर महात्मा गांधी ने स्वयंसेवकों से संवाद किया। उन्होंने कहा, "बरसों पहले मैं वर्धा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक शिविर में गया था। उस समय इसके संस्थापक श्री हेडगेवार जीवित थे। स्व. श्री जमनालाल बजाज मुझे शिविर में ले गये थे और वहां मैं उन लोगों का कड़ा अनुशासन, सादगी और छुआछूत की पूर्ण समाप्ति देखकर अत्यन्त प्रभावित हुआ था। संघ एक सुसंगठित, अनुशासित संस्था है।'

इतिहास की परतों में छुपी स्त्री, संस्कृति और सभ्यता का पुनर्पाठ

-प्रियंका सौरभ-

हरियाणा के हिसार जिले का एक सामान्य-सा गांव राखीगढ़ी, अब वैश्विक पुरातात्विक विमर्शों का केंद्र बन चुका है। 1997-99 के दौरान हुए उत्खननों ने इसे हड़प्पा सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में गिना जाना शुरू किया, और 2012 में विश्व विरासत कोष की 'खतरे में पड़ी धरोहरों' की सूची में इसकी उपस्थिति ने वैश्विक ध्यान खींचा। परन्तु इसके बाद जो मिला – एक महिला का 4600 वर्ष पुराना कंकाल, उसके बाएं हाथ की शंख की चूड़ियां, और ताम्र की बनी एक नृत्यांगना प्रतिमा – उन सभी ने इतिहास और पुरातत्व के स्थापित आख्यानों को चुनौती देना शुरू कर दिया।

राखीगढ़ी से मिला स्त्री कंकाल सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है, यह उन असंख्य 'मौन स्त्रियों' की प्रतीकात्मक उपस्थिति है जिन्हें सभ्यता की कहानी से सदा बाहर रखा गया। यह कंकाल लगभग 4600 वर्ष पुराना है, और अद्भुत रूप से संरक्षित अवस्था में मिला। उसकी बाईं कलाई पर शंख की चूड़ियां मिलीं– यह उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतीकों की ओर संकेत करती हैं। डीएनए विश्लेषण से यह पता चला कि इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई शिकारी-संग्राहकों से तो हैं, लेकिन स्टेपी चरवाहों से कोई संबंध नहीं मिला – जिनसे अक्सर भारत में आर्यों के आगमन को जोड़ा जाता है। यह निष्कर्ष 'आर्य आक्रमण सिद्धांत' को एक बड़ा झटका देता है और यह संकेत देता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक विकास अपनी निरंतरता में हुआ।

मोहेंजोदाड़ो की विश्वप्रसिद्ध कांस्य नर्तकी की तरह, राखीगढ़ी से भी एक ताम्र प्रतिमा मिली है जिसे 'डांसिंग गर्ल' कहा जा रहा है। यह मूर्ति न केवल सौंदर्यबोध और कलात्मकता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि उस काल में नारी की उपस्थिति सांस्कृतिक और सार्वजनिक जीवन में कितनी सशक्त रही होगी। यह मान्यता को चुनौती देती है कि प्राचीन सभ्यताओं में स्त्रियां केवल घरेलू क्षेत्र में सीमित थीं। कंकाल मिलने के स्थल पर अग्निवेदिकाओं के अवशेष भी मिले हैं, जो यह संकेत करते हैं कि शवदाह की परंपरा उस समय भी प्रचलित थी। अग्नि, जिसे वैदिक परंपरा में शुद्धिकरण और संस्कार का प्रतीक माना गया है, उसका हड़प्पा काल में इतना महत्वपूर्ण स्थान होना यह दर्शाता है कि वैदिक और हड़प्पा परंपराएं एक-दूसरे से पूर्णतः असंबंधित नहीं थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि महाभारत युद्ध लगभग 5000-5500 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि यह मान लिया जाए, तो राखीगढ़ी की स्थापना इस युद्ध से पहले की मानी जा सकती है। एक किंवदंती यह भी है कि महाभारत युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों की विधवाएं यहीं शरण लेने आई थीं, और यही से इस स्थान का नाम 'राखीगढ़ी' पड़ा – 'राख' यानी मृत्यु की राख, और 'गढ़ी' यानी शरण। ऐसी मिथकीय व्याख्याएं ऐतिहासिक सत्य नहीं हैं, परंतु वे यह दर्शाती हैं कि स्थानीय जनमानस में राखीगढ़ी की सांस्कृतिक स्मृति कितनी गहरी है।

राखीगढ़ी से मिले महिला कंकाल का जीनोमिक विश्लेषण केवल पुरातत्व नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास-लेखन में एक बड़ा मोड़ है। स्टेपी डीएनए की अनुपस्थिति सीधे उस विचारधारा को चुनौती देती है जिसने लंबे समय तक 'आर्य आक्रमण' को भारत में सभ्यता के आगमन का कारण बताया। इस अध्ययन ने इतिहास, नृविज्ञान और भाषाविज्ञान के विशेषज्ञों को एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि क्या आर्य बाहर से आए थे या यहीं के थे? क्या वैदिक संस्कृति और हड़प्पा संस्कृति में कोई 'टकराव' नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह था?

राखीगढ़ी की खोजों के परिणाम अब एनसीईआरटी जैसे शैक्षिक निकायों के पाठ्यक्रम में भी दिखाई दे रहे हैं। हड़प्पा सभ्यता को अब केवल एक 'अतीत' नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की निरंतरता के रूप में पढ़ाया जा रहा है। संस्कृत भाषा की उत्पत्ति, द्रविड़ भाषाओं के विकास और हड़प्पावासियों की भाषा पर भी अब नए सिरे से अध्ययन हो रहे हैं। यह केवल पुरातत्व नहीं, राष्ट्र की आत्मा की खोज है। 2012 में वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 धरोहर स्थलों में शामिल किया जो विनाश के कगार पर हैं। अफगानिस्तान का मेस आयनाक, चीन का काशगर और थाईलैंड का अयुथ्या भी इस सूची में शामिल हैं। भारत में अक्सर पुरातत्व स्थलों को विकास के नाम पर या अनदेखी की वजह से नुकसान पहुंचता है। राखीगढ़ी का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे पर्यटन केंद्र मात्र बनाना चाहते हैं या जीवित शोध प्रयोगशाला। राखीगढ़ी की महिला चुप है, पर उसकी चूड़ियाँ बोलती हैं। उसका सिर उत्तर की ओर है – शायद भविष्य की ओर, या शायद प्रश्न की ओर। 'डांसिंग गर्ल' स्थिर है, फिर भी आंदोलित करती है। यह स्थल अब सिर्फ पुरातत्व नहीं, राजनीति, शिक्षा, संस्कृति और अस्मिता की बहस का हिस्सा बन चुका है।

यह सवाल केवल अतीत को जानने का नहीं है, यह तय करने का भी है कि हम किस अतीत को स्वीकार करते हैं – लादे गए इतिहास को या खोजे गए इतिहास को? राखीगढ़ी केवल मिट्टी में दबा कोई पुराना नगर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की उस जड़ का नाम है जिसे सदियों से अनदेखा किया गया। यहाँ से मिली महिला की चूड़ियाँ, नृत्यांगना की प्रतिमा और अग्निवेदियाँ हमें यह बताती हैं कि हड़प्पा काल कोई पुरुष-प्रधान, युद्ध-केंद्रित समाज नहीं था–यह एक सांस्कृतिक, स्त्री-केंद्रित और समृद्ध सभ्यता थी। डीएनए विश्लेषणों ने न केवल आर्य आक्रमण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या की है, बल्कि भारत के भीतर एक जैविक-सांस्कृतिक निरंतरता की पुष्टि भी की है। राखीगढ़ी हमारे अतीत की वह भूली हुई स्त्रीगाथा है, जिसे अब इतिहास की मुख्यधारा में स्थान मिलना चाहिए–सम्मान के साथ, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से।

ईश भक्ति है सबसे सबल सहारा

भक्ति को राजमार्ग कहा गया है। ज्ञान और कर्म का मार्ग भी उसी मंजिल तक पहुंचाता है, परंतु वह कष्टसाध्य है। गीताकार ने ज्ञान द्वारा निराकार अव्यक्त परमेश्वर को प्राप्त करना दुष्कर बताया है। भक्ति द्वारा चित्त और बुद्धि को भगवान में स्थिर करना सरल और सुगम है। अभ्यास और विधि-विधान के पालन से एकाग्रता प्राप्त की जा सकती है। इस प्रकार कर्म, ज्ञान (ध्यान) और भक्ति के विकल्पों के बाद निष्कर्ष अंतिम अध्याय में है, जहां सब साधनों को छोड़कर शरणागति को जीवन की सर्वोच्च सिद्धि स्थापित किया गया है। बल्लभाचार्य और रामनुजाचार्य ने शरणागति को प्रपत्ति कहा है। यही भक्ति का सार है। भक्त दो प्रकार के होते हैं। प्रपन्न और शरणागत। दोनों शब्दों का अभिप्राय एक होने पर भी अंतर है। प्रपन्न भक्त में कर्त्ता की विशेषता रहती है। प्रपद चरण के ऊपर के भाग को कहते हैं। उसको पकड़ कर रखना प्रपत्ति है। श्री चंद्र दर्शन में इस स्थिति को एक उदाहरण से स्पष्ट किया गया है- कई जन्मों की उपासना के बाद भक्त को भगवान के दर्शन हुए। भगवान ने वर मांगने को कहा। भक्त बार-बार कहता रहा, कुछ नहीं चाहिए। अंत में आशीर्वाद देकर भगवान गरुड़ पर बैठकर जैसे ही जाने लगे, भक्त ने अचानक एक हाथ से उनका एक चरण पकड़ लिया, दूसरे हाथ से गरुड़ का एक पंजा थाम लिया। इस प्रकार वह वैकुंठ पहुंच गया और परमपद पा गया। कलिकाल में प्रपत्ति निभाना कठिन है। इसमें बंदरिया के बच्चे के समान जीवन की पकड़ अपनी होती है। बंदरिया एक वृक्ष से दूसरे पर, एक पहाड़ी से दूसरी पर छलांगें लगाती जाती है। उसके बच्चे को मां की कमर को कसकर पकड़ना होता है। जरा-सी असावधानी से गिरने का डर रहता है। शरणागति में कर्त्ता की नहीं शरण देने वाले की विशेषता और चेष्टा रहती है। बस एक बार भगवान स्वीकार कर लें तुम मेरे हो। शरणागत भक्त बिल्ली के बच्चे के समान अपने को भगवान के भरोसे छोड़ देता है। बिल्ली अपने नवजात को तीखे दांतों के बीच भी कोमलता से पकड़ कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाती है। बच्चा मां पर अखंड आस्था के कारण निश्चिंत रहता है। द्रौपदी के चीरहरण की मर्मांतक कथा का निचोड़ यही है। जब तक जीव हाथ ऊपर करके अपनी सुरक्षा का भार भगवान पर नहीं छोड़ता उसे वह सुरक्षा-चक्र नहीं मिलता।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

महत्त्वपूर्ण घटनाएं

- 1539 - बक्सर के निकट चौसा की लड़ाई में अफगान शेरशाह सूरी ने मुगल बादशाह हुमायूं को हराया।
- 1631 - मुगल बादशाह शाहजहां की बीबी मुमताज बेगम की बुरहानपुर में 39 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई।
- 1893 - महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रथम बार सविनय अवज्ञा का प्रयोग किया।
- 1989 - भारत के दूसरे उपग्रह भास्कर प्रथम का सोवियत रॉकेट से प्रक्षेपण किया गया।
- 1995 - नार्मन थैगार्ड अंतरिक्ष की कक्षा में सबसे लम्बे समय तक रहने वाले अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बने।
- 1998 - स्पेन के कार्लोस मोया ने फ्रेंच ओपन प्रतियोगिता का पुरुष एकल खिताब जीता।
- 1999 - श्रीलंका में प्रचलित आव्रजन नियम निरस्त।
- 2000 - एक अमेरिकी अदालत द्वारा माइक्रोसॉफ्ट कंपनी को दो भागों में बांटने का निर्देश।
- 2004 - इस्त्रायली मंत्रिमंडल ने गाजा क्षेत्र से बस्तियां हटाने सम्बन्धी प्रस्ताव को मंजूरी दी।
- 2006 - भारत द्वारा नेपाल को आर्थिक पुनर्निर्माण के लिए एक अरब रुपये देने का निर्णय।

जन्म

- 1998 - सुमित अंतिल - भारत के भाला फेंक पैरा एथलीट हैं।
- 1974 - महेश भूपति - भारत के टेनिस खिलाड़ी।
- 1914 - ख्वाजा अहमद अब्बास- प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और उर्दू लेखक

निधन

- 2011 - नटराज रामकृष्ण - भारत के एक नृत्य गुरु थे।
- 2002 - बी डी जत्ती - फखरुद्दीन अली अहमद की मृत्यु के बाद भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष: खाद्यान्नों में आत्मनिर्भर भारत

-सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

एक समय था जब भारत अपनी खाद्यान्न आपूर्ति के लिये दूसरे देशों की दया पर निर्भर था। हमारे पास न उस समय कृषि के साधन थे, और न ही उन्नत तकनीक थी। फलतः आज का वही कृषक पहले अपनी कृषि से वैसा उपज नहीं प्राप्त कर पाता था, जैसा कि आज वह प्राप्त कर रहा है। आज कई मायनों में भारत खाद्यान्नों के मामले में अब आत्म निर्भर हो चुका है। इस संबंध में समाजशास्त्रियों का भिन्न-भिन्न मत है। कुछ कहते हैं कि ये ठीक है कि आज हम खाद्यान्न उपज के मामले में पूर्व से बहुत बेहतर हैं, पर आज हमारी जनसंख्या भी तो बहुत बढ़ गई है, जिससे हमारी खाद्यान्न उत्पादन की बढ़ी हुई क्षमता तो जैसी की तैसी ही रह गई अर्थात हम जहाँ पहले वे आज भी वहीं है कोई परिवर्तन नहीं है। जबकि दूसरे मत के समाजशास्त्री कहते हैं कि भारत में जनसंख्या की वृद्धि हुई है यह सही बात है, पर इस तथ्य को भी हमें नहीं भूलना चाहिये कि यहाँ अब श्रम करने वाले हाथ भी तो उतने ही बढ़ गये हैं, जो खाद्यान्न उत्पादन के लिये आवश्यक है। अर्थात जहाँ कम क्षेत्रफल में कम हाथों (श्रमजीवी किसान) द्वारा जो कार्य किया जा रहा था। बहुत सीमित एरिया सीमित मात्रा में था, वह अब असीमित होकर हमारी क्षमता को बेहतर और वृहत्तर बना रहा है। वैसे दूसरा मत वास्तविकता के

नजदीक जान पड़ता है, ऐसा मुझे लगता है। एक दिन मैं एक पुरानी पत्रिका जो मई 1973 को प्रकाशित हुई थी, उसके पृष्ठ को पढ़ रहा था तो उसमें एक जगह सरकारी विज्ञापन दिखाई दिया जिसमें लिखा था,....' कम अनाज खाइये 'खाद्यान्नों के मूल्य कम करना आपके हाथ में है, गेहूँ चावल कम खाईये, सप्ताह में कम से कम एक बार बिना अनाज का 'भोजन लीजिये।' उक्त विज्ञापन से साफ जाहिर होता है कि आज से कुछ वर्षों पूर्व हम खाद्यान्न के मामले में बहुत पीछे थे, हमारे यहाँ खाद्यान्नों जैसे गेंहू, चावल की

बहुत कमी थी ,तभी तो सरकार ने मजबूर होकर ऐसा विज्ञापन दिया रहा होगा। पर क्या आपने आजकल गत वर्षों में ऐसा कुछ विज्ञापन देखा है...? इसका जवाब होगा बिलकुल नहीं। इसका मतलब यही हुआ न कि अब हमारे यहाँ वैसी स्थिति नहीं है जैसी पहले हुआ करती थी। अब तो यह स्थिति है कि अब हम चायपत्ती उत्पादन में विश्व में प्रथम चावल में द्वितीय, गेहूँ में, तीसरी एवं चीनी उत्पादन में दूसरे, कपास में भी दूसरा स्थान पर है। देश में चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला राज्य प. बंगाल एवं दूसरा आंध्र प्रदेश है, किंतु चावल की प्रति हेक्टेयर उपज पंजाब में सर्वाधिक है, मध्यप्रदेश आज देश में, सोयाबीन का उत्पादन करने वाला सबसे बड़ा राज्य है। देश में मध्यप्रदेश ज्वार में प्रथम, तुअर में तथा अन्य दालों में द्वितीय, गेहूँ एवं चने में तृतीय और धान (चावल) में तीसरा स्थान रखता है। किंतु प्रतिव्यक्ति औसत उत्पादन में पंजाब और हरियाणा के पश्चात तृतीय है।

सरसरी तौर पर देखा जाये तो यह निश्चित है कि खाद्यान्न उत्पादन के मामले में हमारा देश एक सीमा तक आत्मनिर्भर हो चुका है। आज स्थिति यह है कि गेहूँ, चीनी हमारे यहाँ गोदामों में ठसाठस भरे पड़े हैं, उनके सुरक्षित रखने की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। पिछले वर्षों में गन्ना का रिकार्ड उत्पादन होने के कारण कृषकों को औने पौने दाम पर अपनी उपज बेचने पर मजबूर होना पड़ा था। यही कारण था कि चालू वर्ष में अधिकतर कृषकों ने गन्ने की उपज के बजाय दूसरे खाद्यान्नों की फसले ली। रिकार्ड बना उत्पादन के कारण हमारे यहाँ अभी भरपूर मात्रा में चीनी का स्टाक है (परंतु फिर भी न जाने किस नीति के तहत चीनी का बाहरी देशों जैसे बांग्लादेश आदि से आयात किया गया।) पर उसका उचित समय पर उपयोग नहीं होने से कृषक जगत में गलत संदेश जाता है। इसकी व्यवस्था को खासा ध्यान देना चाहिये।

वर्तमान में पूरी दुनिया ये जान चुकी है कि भारत अब खाद्यान्न उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर एवं काफी तरक्की कर चुका है। पंजाब हरियाणा के कृषक तो अब बहुत आगे निकल चुके हैं। हमारे, गोदाम अब लबालब भरे पड़े रहते हैं। परंतु हमें यह देखकर निश्चिंत होने की कतई जरूरत नहीं है, हमें नित नए तकनीको को इस्तेमाल करने की जरूरत है जिससे के ऊपज और फसलें बढ़, जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ती रहें । साथ ही उत्पादकता भी बड़े यह तो तय है, कि हर आने वाला वर्ष अपने साथ बढ़ी हुई जनसंख्या को लेकर आएगा। तो इसके लिए हमें निश्चित तौर पर यह तैयारी करनी होगी कि हर पेट को अन्न मिले। और खाद्यान्न की किसी भी प्रकार की कमी ना होने पाएं। वह इसके साथ हमें इसके लिए भी चौकन्ना रहना है कि आज के हमारे भारत देश की लगभग एक सौ अड़तीस करोड़ की जनता के लिए हर पेट को भोजन मिल सके और सब की पूर्ति हो सके। इसके लिए इतना अनाज जिसे शीतकेंद्रों, अनाज गोदामों व अनाज केंद्रों में रखने की वैसी ही सुदृढ़ व्यवस्था का होना अत्यंत ही आवश्यक है। इसके लिए भारत के हर राज्य में हर जगह हर स्थान में एक निश्चित योजना के अनुरूप बड़े-बड़े खाद्यान्न गोदामों की श्रृंखला विभिन्न राज्य सरकारें एवं केंद्र सरकार सुंदर योजना बनाकर तैयार किया जाना आवश्यक है। तभी तो हम करोड़ों मीट्रिक टन अनाजों को हम सुरक्षित और उपयोगी बनाकर रख सकेंगे। यह उतना ही आवश्यक तथ्य है, जितना कि अनाज का उत्पादन और उसकी सुरक्षाका ख्याल रखना उतना ही जरूरी है जितना कि उसका उत्पादन करना।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

कश्मीर में वंदेभारत ट्रेन : अद्भुत इंजीनियरिंग और खूबसूरती का संयोजन

कटरा (रियासी)। बादलों को छूते दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल को पार करते हुए कश्मीर तक रेलगाड़ी से सफर करने का लंबे समय से देखा जा रहा सपना शुक्रवार को हकीकत में तब्दील हो गया। घाटी तक जाती ट्रेन सुंदर नजारों और इन्सान की साहसी सोच को संयोजित करती यात्रा प्रतीत होती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कटरा और श्रीनगर शहर के बीच दो विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई, जिससे दोनों स्थानों के बीच यात्रा का समय दो से तीन घंटे कम हो गया है और अब कश्मीर घाटी के साथ साल भर संपर्क सुनिश्चित हो गया है। यह रेलगाड़ी संकरी घाटियों, हरे-भरे जंगलों और हिमालय की ऊंची चोटियों से घिरी गहरी घाटियों तथा शिवालिक पर्वत श्रृंखला में बनाई गई सुरंगों के बीच से होकर गुजरती है, जिसके समानांतर चिनाब नदी बहती है। मानव निर्मित इंजीनियरिंग अजूबों में सबसे ऊंचा चिनाब पुल, भारत का पहला केबल आधारित रेलवे पुल और 13 किलोमीटर लंबी टी-50 सुरंग शामिल हैं। देश भर के यात्रियों, खासतौर पर प्रकृति प्रेमी पर्यटकों के लिए यह यात्रा दुनिया के सबसे खूबसूरत और विस्मयकारी मार्गों में से एक पर अविस्मरणीय यात्रा करने का अवसर देगी। दिल्ली से लेखक सतेश वर्मा ने कहा कि यह कोई साधारण ट्रेन नहीं है, बल्कि पर्यटन के लिए बनाई गई खास ट्रेन है। इस यात्रा के दौरान यात्री शानदार दृश्य का आनंद लेने के साथ प्रकृति से भी संबंध स्थापित करेंगे। इस पूरे रास्ते में खूबसूरत और मनमोहक दृश्य हैं। मुझे यह बहुत पसंद है। मैं इसे आने वाले कई वर्षों तक याद रखूंगा।

भारत के सबसे उत्तरी भाग में बसा जम्मू और कश्मीर प्राकृतिक वैभव और शांत सुंदरता का एक कालातीत प्रतीक है। इस मनमोहक क्षेत्र का अनुभव करने के कई तरीकों में से एक, कटरा से कश्मीर तक की ट्रेन की यात्रा होगी। जो देश के कुछ सबसे शानदार दृश्यों का दीदार कराने के साथ लुभावनी यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। लोकोमोटिव पायलट मनोज कुमार मीणा ने कहा कि वह कश्मीर तक पहली रेलगाड़ी चलाने से गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इसे प्रकृति के निरंतर बदलते स्वरूपों - जंगलों से लेकर चट्टानी पर्वत चोटियों, गहरी घाटियों और संकरी घाटियों के साथ-साथ मानव निर्मित चमत्कारों के माध्यम से एक अद्भुत दुनिया की सरल यात्रा करार दिया। मीणा ने कहा कि मुझे कश्मीर के लिए इस ट्रेन का संचालन करने पर गर्व है, जिसे यहां से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। क्या आप इस पर विश्वास कर सकते हैं? यह सपनों के संसार सरीखे इलाके का दीदार करने की यात्रा है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति का हर दृश्य थोड़ी दूरियों के बाद बदल जाता है। दुनिया का सबसे ऊंचा पुल और सुरंगें सबसे बड़े आकर्षण हैं। कुमार, उनके साथी लोकोमोटिव पायलट विकास चौहान और राजेंद्र कुमार ने कहा कि इससे पर्यटन के मामले में जम्मू क्षेत्र का परिदृश्य बदल जाएगा। इससे पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा। माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा से उद्घाटन के बाद जैसे ही रेलगाड़ी आगे बढ़ी, ऐसा लगा जैसे पोस्टकार्ड में छपी तस्वीरें जीवंत हो गई हैं, कश्मीर घाटी में कदम रखने से पहले ही मन को मोह लेने वाले दृश्य दिखाई देने लगते हैं। कश्मीर के एक रेलवे कर्मचारी साहिल कुमार ने कहा कि जैसे ही ट्रेन पहाड़ों के बीच में प्रवेश करेगी, यात्रियों को बदलते मौसम और परिदृश्यों का एक अनूठा नजारा देखने को मिलेगा, जिसमें सर्दियों में बर्फ से लदे देवदार के जंगल, वसंत के जीवंत फूल और गर्मियों की हरी-भरी हरियाली से लेकर शरद ऋतु की सुनहरी छटा शामिल है।

उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे ट्रेन ऊंचाई वाले इलाकों में जाती है, जम्मू के मैदान धीरे-धीरे पन्ने जैसे जंगलों, ऊंची चोटियों, हरी घाटियों और सर्पीली नदी चिनाब में बदल जाते हैं। कुमार ने कहा कि हिमालय, शिवालिक और पीरपंजाल की भव्यता एक शानदार पृष्ठभूमि बनाती है, जबकि ट्रेन की सुंदर आंतरिक सज्जा और आराम दायक माहौल नाटकीय दृश्यों में एक सुखद आकर्षण जोड़ते हैं। जब वंदे भारत रेलगाड़ी समुद्र तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब पुल पर पहुंची, तो रेलगाड़ी में सवार स्कूली बच्चों ने खुशी और गर्व के क्षण में 'जय माता दी' के नारे लगाए।

दिन की शुरुआत में एक ऐतिहासिक क्षण में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र को इंजीनियरिंग का चमत्कार चिनाब पुल राष्ट्र को समर्पित किया। यह दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल है, जो रियासी जिले के बक्कल और कौरी के सुदूर गांवों को जोड़ता है। कठिन भूभाग और चरम मौसम को सहने के लिए डिजाइन किया गया यह पुल 260 किलोमीटर प्रति घंटे की हवा की गति को झेल सकता है और 120 साल तक चलने के लिए बनाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार नौवीं कक्षा की छात्रा सुनीता कुमारी ने कहा कि इस पुल पर जाना और तस्वीरें लेना एक सपने जैसा था। मुझे यह पल बहुत पसंद आया, यह अविस्मरणीय है। पहली ट्रेन में यात्रा करना एक शानदार अवसर है। धन्यवाद मोदी जी। कटरा-बनिहाल सेक्शन पर एक और मानव निर्मित चमत्कार अंजी खड्ड पुल है, जो एक पर्यटक आकर्षण और भारत का पहला केबल आधारित रेलवे पुल है।

यह 96 केबल पर टिका है। 725 मीटर लंबा यह पुल समुद्र तल से 331 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) परियोजना 43,780 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित है। इस 272 किलोमीटर लंबे मार्ग में 119 किलोमीटर की 36 सुरंगें और हिमालय के दुर्गम इलाकों से होकर गुजरने वाले 943 पुल शामिल हैं।

रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक दिलीप कुमार ने कहा कि परियोजना का बनिहाल-कटरा खंड अपने मानव निर्मित अजूबों के लिए जाना जाता है - दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल, केबल आधारित अंजी खड्ड पुल, सबसे लंबी टी-50 सुरंग और सुरंगों और पुलों की एक श्रृंखला। धरती का स्वर्ग कहलाने वाले कश्मीर में पर्यटन के दृष्टिकोण से यह एक लुभावना अनुभव है।

मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड की विजेताओं की घोषणा की

नई दिल्ली। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के लिए दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड के राज्य फिनाले में तीन युवतियों को विजेता का ताज पहनाया गया। दिल्ली से स्मिति छाबड़ा, हरियाणा से अमिशी कौशिक और उत्तराखंड से राधिका सिंघल को विजेता घोषित किया गया।

यह कार्यक्रम वसंत कुंज स्थित द ग्रैंड होटल में आयोजित किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन तीनों प्रतिभागियों को अन्य राज्य

की विजेताओं के साथ अब मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 के राष्ट्रीय फिनाले में प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। विजेताओं का चयन चलने के अंदाज (वॉक), आत्मविश्वास, संवाद कौशल, बुद्धिमत्ता और मंच पर प्रस्तुति जैसे मानकों के आधार पर किया गया।

दिल्ली से स्मिति छाबड़ा को विजेता घोषित किया गया, जबकि अवनी गुप्ता और तावीशी मैगन क्रमशः प्रथम और द्वितीय उपविजेता रहीं। हरियाणा से अमिशी कौशिक ने खिताब अपने नाम किया, जबकि संजना सूद और यशिका गोयल उपविजेता रहीं। उत्तराखंड से राधिका सिंघल को विजेता चुना गया, वहीं हिमांशी सिंह और अदिति पांडे प्रथम और द्वितीय उपविजेता रहीं।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रिस्टीन मैगजीन के प्रधान संपादक कार्तिकेय अरोड़ा, सौदर्य स्पर्धा प्रशिक्षक डॉ. रीटा गंगवानी, डिजाइनर सामंत चौहान, अभिनेत्री मनारा चोपड़ा और मिस यूनिवर्स इंडिया 2023 श्वेता शारदा शामिल थी।

उत्तरी सिक्किम में बचाव अभियान फिर शुरू, 44 और लोगों को निकाला गया

गंगटोक। उत्तरी सिक्किम के छातेन में भूस्खलन की वजह से फंसे 44 पर्यटकों को निकाल लिया गया और शुक्रवार के लिए बचाव अभियान रोक दिया गया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सुबह बचाव कार्य फिर से शुरू हुआ और हेलीकॉप्टरों की मदद से छातेन में फंसे पर्यटकों को निकाला गया। यहां एक अधिकारी ने बताया कि आज हेलीकॉप्टरों द्वारा कई उड़ानों के माध्यम से उत्तरी सिक्किम के छातेन से कुल 44 लोगों को निकाला गया है।'

उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों में 17 स्थानीय निवासी हैं। अधिकारी ने कहा कि इस दौर के सफल समापन के साथ ही, फंसे हुए सभी पर्यटकों को अब छातेन से निकाल लिया गया है। इसके बाद अभियान को आधिकारिक तौर पर आज के लिए समाप्त कर दिया गया है।

गोहत्या पर दिल्ली में नहीं, सारे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए : नकवी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीयमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि गोहत्या पर दिल्ली में ही नहीं, पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए।

गोहत्या महापाप है। यह इस्लामियत के भी विपरीत है। उन्होंने इस संबंध में बकरीद पर दिल्ली में लगाए गए गोहत्या पर प्रतिबंध की सराहना की है।

पूर्व केंद्रीयमंत्री नकवी ने आज जारी वाडियो बयान में कहा कि दिल्ली सरकार ने बकरीद के मद्देनजर जो सख्त सलाह जारी की है, वह स्वागत योग्य कदम है। दिल्ली सरकार ने गाय, बछड़ा, ऊंट और अन्य प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पर पूरी तरह रोक लगाकर देश का मन जीत लिया है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशों को भी ऐसे कदम उठाने चाहिए। नकवी ने कहा कि सलाह नहीं, बल्कि पूरे देश में गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगना चाहिए। उन्होंने वक्फ बोर्ड में किए गए प्रशासनिक सुधार का भी स्वागत किया। नकवी ने कहा कि इसका वक्फ में सक्रिय लूट की लंपट लॉबी ही विरोध कर रही है। इन सुधारों से इस लॉबी पर की गई नाकाबंदी और तालाबंदी जैसे कदमों का अधिकांश मुसलमानों ने स्वागत किया है।

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद तरह-तरह के सवाल उठाने पर कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि सारे देश को सेना के शौर्य और पराक्रम पर गर्व है। मगर कांग्रेस के बकवास बहादुरों का बैंडबाजा बज रहा है। यह बकवास बहादुर इस पर सवाल उठाकर कांग्रेस की नैया को डुबोकर ही मानेंगे।

असम: हिमंत ने बराक घाटी में बाढ़ प्रभावितों को समय पर पुनर्वास अनुदान देने का आश्वासन दिया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने चार दिनों के भीतर दूसरी बार आई बाढ़ से प्रभावित बराक घाटी जिलों का दौरा करते हुए शुक्रवार को लोगों को समय पर पुनर्वास अनुदान देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा उत्सव से पहले सड़क जैसे क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत कर दी जाएगी।

शर्मा ने हैलाकांडी जिले में राहत शिविरों का दौरा करने के बाद श्रीभूमि में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बाढ़ के कारण समस्याएं जुलाई तक बनी रहेंगी। मैं दुर्गा पूजा से पहले फिर आऊंगा और सुनिश्चित करूंगा कि सड़कें और अन्य क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे की मरम्मत की जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है और जैसे ही पानी कम होगा, नियमों के अनुसार मदद मुहैया कराई जाएगी। शर्मा ने कहा कि उपायुक्त गहन आकलन करेंगे। पिछले वर्ष हमने पुनर्वास के लिए उचित अनुदान दिया था और इस साल भी देंगे। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में लोगों ने उनसे कहा कि शिविरों में कोई समस्या नहीं है हालांकि बर्तन, कपड़े आदि घरेलू सामान के नुकसान पर वे चिंतित

दिखाई दिये। शर्मा ने पिछले दो दिनों में कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई के सिलचर दौरे के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उनके (गोगोई) परिवार के चार सदस्यों में से तीन विदेशी हैं। उनका सिलचर आना अपने आप में एक बात है।

उनका दिमाग हमारे जैसा काम नहीं करता, उनका दिमाग विदेशी जैसा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझसे मत पूछिए कि वह कहां जाएंगे या नहीं, आपको उनसे पूछना होगा। शर्मा, गोगोई पर उनकी ब्रिटिश मूल की पत्नी के माध्यम से उनके पाकिस्तान से संबंध होने का आरोप लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बाद में श्रीभूमि में राहत शिविरों का दौरा किया और विस्थापित लोगों से बातचीत की। शर्मा ने इससे पहले 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा था कि उन्होंने हैलाकांडी जिले के कालीनगर और पंचग्राम में दो राहत शिविरों का दौरा किया। उन्होंने लोगों से बातचीत की और शिविरों में दी जा रही सुविधाओं पर उनसे प्रतिक्रिया ली। मुख्यमंत्री ने सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी किसी भी आवश्यकता की देखरेख भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रभावित लोगों से अपने बैंक खाते और अन्य जानकारी साझा करने का अनुरोध किया ताकि राहत राशि का वितरण जल्द से जल्द किया जा सके। इस वर्ष अब तक बाढ़ और भूस्खलन में 21 लोगों की मौत हो चुकी है तथा 16 जिलों में 5.6 लाख से अधिक लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं।

भारत की 'अपराध राजधानी' बन गया है बिहार: राहुल गांधी

राजगीर (बिहार)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि राज्य 'भारत की अपराध राजधानी' बन गया है।

नालंदा के राजगीर में 'संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि सैन्य संघर्ष के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर मोदी ने चुप्पी साधे रखी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बिहार, जिसे कभी शांति और न्याय की भूमि माना जाता था, अब भारत की अपराध राजधानी बन गया है। गांधी ने यह भी कहा कि उन्हें इस बात की आशंका है कि क्या केंद्र ऐसे में जाति जनगणना ठीक से कर पाएगा, जबकि 'प्रश्नावली को अंतिम रूप देने वालों में ओबीसी, दलित या आदिवासी समुदायों का कोई भी अधिकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं संविधान को बचाने और देश की समग्र बेहतरी के लिए जाति जनगणना के लिए लड़ रहा हूं। भविष्य में हम जब भी सरकार बनाएंगे, हम आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा हटा देंगे।

इसकी शुरुआत बिहार से होगी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष पर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि ट्रंप की तरफ से एक फोन कॉल आया और नरेन्द्र मोदी जी ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया। ट्रंप ने खुद कम से कम 11 बार सार्वजनिक रूप से इस बारे में (शांति स्थापित कराने के बारे में) कहा है। लेकिन, प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर चुप हैं। मुझे पता है कि उनके पास इस पर कहने के लिए कुछ नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी ने किया 4.52 करोड़ रुपये की लागत से बने शहर के दूसरे कल्याण मंडपम का लोकार्पण

कल्याण मंडपम की पहल करने वाला प्रदेश का पहला नगर निगम है गोरखपुर : सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा किसी भी सभ्य समाज के लिए उसकी जरूरत के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं और संसाधन जुटाना लोकप्रिय सरकार का दायित्व होना चाहिए। सुविधाओं और संसाधनों की व्यवस्था होना समस्या समाधान का भी मंच बनता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि आज के समय में समाज के अलग-अलग तबके के लिए उनकी आय के अनुरूप बेहतरीन सुविधाएं और व्यवस्थाएं देकर उनका जीवन आसान बना सकें। सीएम योगी शुक्रवार को सूरजकुंड कॉलोनी में बने शहर के दूसरे कल्याण मंडपम का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। यह कल्याण मंडपम नगर निगम की तरफ से 4.52 करोड़ रुपये की लागत से 35500 वर्गफीट क्षेत्र में बनाया गया है।

कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर नगर निगम प्रदेश का पहला नगर निगम है जिसने निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के मांगलिक कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए कल्याण मंडपम बनाने की पहल की। 11 से 25 हजार रुपये में यदि मांगलिक कार्य के लिए कल्याण मंडपम जैसा स्थल मिल जाए तो समारोह काफी आसानी, अच्छे और सस्ते में हो सकता है। इसके अलावा नगर निगम की तरफ से पांच और कल्याण मंडपम निर्माणाधीन हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विधायक निधि का पूरा पैसा कल्याण मंडपम के लिए दे दिया है। कहा कि गोरखपुर नगर निगम जैसी संस्थाएं अन्य निकायों के लिए मानक बन सकती हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट सिटी का जो विजन दिया है, उसे सेफ सिटी में भी बदलना है। हमें ऐसा शहर बनाना है जहां बेटी, व्यापारी, बच्चे, संभ्रांत समेत समाज का हर व्यक्ति खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। इसके लिए पुख्ता व्यवस्था करनी होगी ताकि सुरक्षा में सेंध लगाने की हिम्मत करने वाले जान लें कि उन्हें इसकी क्या कीमत चुकानी पड़ेगी। सेफ सिटी की अवधारणा को साकार करने के लिए सीएम योगी ने आह्वान किया कि हर व्यक्ति अपने घर के बाहर कैमरे लगवाए इससे प्रौद्योगिकी सुरक्षा का बड़ा माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री ने नागरिकों को स्वच्छता और और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि किसी भी अच्छी व्यवस्था के लिए पहल करनी पड़ती है और यह सामूहिक जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी स्वच्छता को प्राथमिकता देते हैं। यह हम सबका भी दायित्व होना चाहिए। इस अवसर पर सीएम ने पार्षदों से अपील की कि वे अपने वार्डों में मोहल्ला समितियां गठित कराएं। सफाई की निगरानी इस समिति के जिम्मे हो और साथ ही समितियों को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण से भी जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री ने जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक बारिश, असमय बारिश और सूखा पड़ने के संकट की चर्चा करते हुए कहा कि ऐसे संकट पूरे क्षेत्र को चपेट में लेते हैं। मानव जनित समस्या के समाधान का मार्ग भी मानव को ही बनाना होगा। सीएम योगी ने कहा कि क्लाइमेट चेंज की भयावह स्थितियों से बचने के लिए प्रकृति की शरण में जाना होगा। उन्होंने पर्यावरण की समस्या के समाधान के पीएम मोदी के आह्वान के अनुरूप एक पेड़ मां के नाम लगाने, नदियों के कैचमेंट एरिया में दोनों तरफ पौधरोपण करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि नदियां राष्ट्र रूपी शरीर की धमनियों जैसी हैं।

इनके लुप्त होने पर जलसंकट उत्पन्न हुआ। गोड़धोइया नाला भी कभी नदी थी। नदी से नाला और उस पर भी कब्जे की स्थिति बन गई। आज गोड़धोइया को पुनर्जीवित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नदियों के दोनों तरफ पौधे लगाकर हम प्रकृति और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर सकते हैं।

पौधरोपण की चर्चा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 35 करोड़ पौधरोपण के लिए 50 करोड़ नर्सरी तैयार है। कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि गोरखपुर नगर निगम द्वारा बनाया जाने वाला 75 बेडेड वर्किंग वूमेन हॉस्टल महिला सशक्तिकरण की प्रतिमान और धर्म-संस्कृति के प्रति समर्पित रहीं लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर होगा। कामकाजी महिलाओं के लिए बनने वाले छात्रावास का यह नामकरण लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की तीन सौवीं जयंती पर उनकी स्मृतियों को जीवंत कर सदैव प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने मालवा साम्राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही अहिल्याबाई होल्कर ने महिलाओं, किसानों, शिल्पकारों समेत समाज के सभी वर्षों के उत्थान के लिए अनुकरणीय कार्य किए। वह महान शिवभक्त थीं और काशी विश्वनाथ मंदिर, पुरी मंदिर, गयाजी मंदिर, महाकाल मंदिर, ओंकारेश्वर मंदिर, सोमनाथ मंदिर के पुनरोद्धार का कार्य कर धर्म और संस्कृति की भी रक्षा की।

अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क कनेक्टिविटी, खाद कारखाना, एम्स, रामगढ़ताल के सौंदर्यीकरण सहित विकास के अनेक आयामों की चर्चा की। कहा कि आज गोरखपुर चारों तरफ से फोरलेन सड़कों से कनेक्टेड है। पहले यहां कोई रिंग रोड नहीं था आज शहर के अंदर और बाहर फोरलेन रिंग रोड की कनेक्टिविटी है।

विकास के साथ जन कल्याण में नजीर पेश कर रहा गोरखपुर: रविकिशन

कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से आज गोरखपुर विकास के साथ जन कल्याण के क्षेत्र में नजीर पेश कर रहा है और कल्याण मंडपम उसी का प्रमाण है। सीएम के नेतृत्व में विकास की उस अवधारणा को साकार किया जा रहा है जो रोजगार को भी बढ़ावा देती है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास, रोजगार, जन कल्याण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को पूरे देश में अग्रणी बना दिया है।

सीएम योगी के मार्गदर्शन में प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा नगर निगम : महापौर

कल्याण मंडपम के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर निगम गोरखपुर को उत्कृष्ट शहर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से स्वच्छता बढ़ाने और वायु-जल के प्रदूषण को न्यूनतम करने में सतत सफलता मिल रही है। कार्यक्रम में गोरखपुर ग्रामीण के विधायक विपिन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभूतपूर्व विकास कार्यों से गोरखपुर को एक नई पहचान दी है।

इस अवसर पर उन्होंने नगर निगम की इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट सिटी सुथनी, बंधु सिंह पार्क में मल्टीलेवल पार्किंग, इंदिरा बाल विहार में फूड स्ट्रीट, घंटाघर और लालडिग्गी पार्क के सौंदर्यीकरण, टीपी नगर में कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, ताल नदोर में बन रहे कान्हा उपवन आदि परियोजनाओं से होने वाले बदलाव का भी उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी को विकास प्रक्रिया में संवेदनशील और सतर्क रहना होगा। कार्यक्रम में सीएम योगी ने जनमानस से अपील की 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्यता से मनाएं। हर वार्ड-मोहल्ले में योग दिवस के कार्यक्रम हों। उन्होंने कहा कि योग आरोग्यता की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक मान्यता दिलाई है। उन्होंने एक देश-एक विधान का उद्घोष करने वाले पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर 23 जून को एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। मंचीय कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर और फीता काटकर कल्याण मंडपम का औपचारिक उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने मंडपम का भ्रमण कर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं की जानकारी ली। मंच पर उन्होंने नगर निगम के विभिन्न विभागों के दस कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष साधना सिंह, एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, नगर निगम के उप सभापति धर्मदेव चौहान, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, सत्या पांडेय, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, स्थानीय पार्षद आरती सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता, पुष्पदंत जैन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

हर समस्या पर होगी प्रभावी कार्रवाई : मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान यह निर्देश भी दिया कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। साथ ही जो पात्र लोग किन्हीं कारणों से वंचित हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

सीएम से बोले नन्हे योद्धा, हैप्पी बर्थडे महाराज जी

गोरखपुर। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने मार्शल आर्ट्स सीखने वाले नन्हे योद्धाओं का समूह भी पहुंचा। इनमें बालिकाओं की संख्या अधिक रही। इन नन्हे योद्धाओं ने मुख्यमंत्री को 'हैप्पी बर्थडे महाराज जी' कहते हुए गुलाब का फूल भेंट किया। मुख्यमंत्री का जन्मदिन कल 5 जून को था। बच्चों से मिली शुभकामना पर सीएम मुस्कुराने लगे और उन्हें आशीर्वाद के साथ चॉकलेट गिफ्ट किए।

ईद-उल-अजहा के मद्देनजर डीजीपी ने व्यापक निर्देश दिये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने शनिवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) के मद्देनजर पूरे राज्य में त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए बृहस्पतिवार को व्यापक निर्देश जारी किए।

इन निर्देशों के अनुरूप उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा व्यापक तैयारियां और कार्रवाई की गई है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य पुलिस ने एहतियाती उपायों, सामुदायिक सहभागिता और कड़ी सतर्कता पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक बहुआयामी रणनीति लागू की है। इसके अनुसार किसी भी नयी परंपरा की शुरुआत को रोकने के लिए पुलिस थानों ने अपने त्योहार रजिस्टरों की गहन समीक्षा की है। विज्ञप्ति के अनुसार उत्कृष्ट समन्वय और संवाद को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय मजिस्ट्रेट और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय में धार्मिक नेताओं, शांति समितियों, नागरिक सुरक्षा कर्मियों और प्रमुख नागरिकों के साथ सफलतापूर्वक बैठकें आयोजित की गई हैं। विज्ञप्ति के अनुसार, कुर्बानी से संबंधित किसी भी नयी परंपरा की अनुमति नहीं दी गई है।

इसके अनुसार प्रतिबंधित जानवरों की कुर्बानी पर सख्त प्रतिबंध लगाया जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार, इसके अलावा, कुर्बानी के बाद अवशेषों के उचित निपटान के लिए नगर निगमों और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, पुलिस ने त्योहार से संबंधित सभी स्थलों को सूचीबद्ध कर दिया है। विज्ञप्ति के अनुसार, जोन/सेक्टर योजनाओं के भीतर राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस, पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी) और होमगार्ड बलों की तैनाती की गई है।

अदालत परिसर से फरार कैदी और लापरवाह सिपाही पर मुकदमा दर्ज

देवरिया। देवरिया जिला कारागार से अदालत में पेशी पर लाये गये एक कैदी के पुलिस हिरासत से फरार होने के मामले में बृहस्पतिवार की रात भागे हुए कैदी और लापरवाही बरतने के आरोपी एक सिपाही पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि बृहस्पतिवार को दुष्कर्म के मामले में आरोपी कुशीनगर जिले के हाटा निवासी शिवा बांसफोड़ को देवरिया जिला कारागार से पुलिस हिरासत में अदालत में पेशी के लिए लाया गया था। इसी दौरान वह पुलिस को चकमा देकर अदालत परिसर से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में पेशी ड्यूटी प्रभारी दिलीप कुमार पाण्डेय की तहरीर पर शिवा बांसफोड़ के खिलाफ सदर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अलावा उसकी अभिरक्षा में तैनात सिपाही कृष्ण राम के खिलाफ भी लापरवाही बरतने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर विभागीय कार्यवाही की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि फरार कैदी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमों का गठन किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में मारा गया बलात्कार का आरोपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के आलमबाग क्षेत्र में ढाई साल की बच्ची से बलात्कार करने का आरोपी व्यक्ति शुक्रवार तड़के पुलिस से मुठभेड़ में मारा गया। उस पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित था। पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) आशीष श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि ढाई साल की बच्ची से बुधवार-बृहस्पतिवार की रात को बलात्कार करने का आरोपी दीपक वर्मा शुक्रवार तड़के आलमबाग क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया। उन्होंने बताया कि एक दंपति ने बृहस्पतिवार को आलमबाग थाने में शिकायत दी थी कि उनकी ढाई साल की बेटी से बलात्कार किया गया है। दंपति चंदन नगर मेट्रो स्टेशन के नीचे रह रहा था। इस सूचना पर तत्काल मामला दर्ज कर घटना की जांच के लिए पुलिस की पांच टीम का गठन किया गया। साथ ही अभियुक्त पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

श्रीवास्तव ने बताया कि मेट्रो स्टेशन पर लगे कैमरों की फुटेज से पता चला कि बुधवार-बृहस्पतिवार की रात करीब तीन बजे एक युवक सफेद स्कूटी पर आया और बच्ची को अगवा करके मेट्रो स्टेशन की लिफ्ट के पीछे ले गया और उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। उसके बाद अन्य कैमरे की फुटेज से स्कूटी के नंबर की पहचान की गई, जिससे जानकारी मिली कि अभियुक्त का नाम दीपक वर्मा (26) है और वह ऐशबाग इलाके में रहता है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात पुलिस को यह सूचना मिली कि अभियुक्त भागने वाला है।

इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे रोकने की कोशिश की लेकिन अभियुक्त ने पुलिस पर गोलियां चलाईं। जवाबी गोलीबारी में गोली लगने से वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अभियुक्त के संबंध में जानकारी मिली है कि उस पर एक मामला दर्ज है। वह रेलवे में पानी बेचने और जगरातों में झांकी लगाने का भी काम करता था। उन्होंने बताया कि बलात्कार पीड़ित बच्ची का किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में इलाज किया जा रहा है। उसकी हालत गंभीर है।

पुलिस ने मेजबान बनकर कराई मृतक की बहन की शादी, पुलिस अधीक्षक ने किया बारातियों का स्वागत

गोंडा। गोंडा जिले के उमरी बेगमगंज इलाके में पिछले अप्रैल माह में डकैती की घटना के दौरान मारे गये एक व्यक्ति की बहन की शादी का जिम्मा पुलिस ने उठाया और बृहस्पतिवार को पूरी धूमधाम से विवाह सम्पन्न कराया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने शुक्रवार को बताया कि उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के धन्नीपुरवा गांव में पुलिस ने विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के सहयोग से शादी की जिम्मेदारी उठायी और बृहस्पतिवार की रात घराती बनकर विवाह सम्पन्न कराया।

उन्होंने बताया कि धन्नीपुरवा गांव की निवासी उदय कुमारी की शादी पिछली पांच मई को होनी थी लेकिन 24 अप्रैल की रात घर में चोरी करने घुसे बदमाशों ने उसके भाई शिवदीन की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसकी वजह से शादी टालनी पड़ी थी। उन्होंने बताया कि घटना में पासी गैंग का नाम सामने आया था। पुलिस ने कई टीमों का गठन किया और छह बदमाशों में से चार को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था। जायसवाल ने बताया कि इस मामले में दो इनामी अपराधियों सोनू पासी और गिरोह के सरगना ज्ञानचंद पासी पुलिस तथा एसटीएफ से मुठभेड़ में क्रमशः 20 मई को उमरी बेगमगंज में और 22 मई को बाराबंकी में मारे गये थे।

घटना के बाद राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही और पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल की पत्नी तन्वी जायसवाल ने मृतक के घर पहुंचकर परिवार को न केवल ढांढस बंधाया, बल्कि बेटी उदय कुमारी की शादी का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर पक्ष से बातचीत कर विवाह की नई तिथि पांच जून निश्चित की गई थी। बृहस्पतिवार को विवाह समारोह में गोंडा पुलिस और एसटीएफ घराती की भूमिका में दिखे। सुबह से ही पुलिस व एसटीएफ के अधिकारी धन्नी पुरवा गांव में मौजूद रहे। खानपान से लेकर सजावट तक हर जिम्मेदारी पुलिस ने निभाई। वधु के परिजन के मुताबिक पुलिस अधीक्षक अपनी पत्नी तन्वी के साथ विवाह समारोह में शामिल हुए और पुलिस की ओर से दुल्हन को एक लाख 51 हजार रुपए नकद, जेवर और गृहस्थी का पूरा सामान सौंपा। पुलिस अधीक्षक और उनकी पत्नी ने मुख्य द्वार पर बारातियों का स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए।

किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। पुलिस की ओर से यह संदेश स्पष्ट रूप से दिया गया कि हम केवल अपराधियों के विरुद्ध नहीं, बल्कि पीड़ित जनमानस के साथ भी मजबूती से खड़े हैं। जायसवाल ने कहा, "जब कोई परिवार संकट में होता है तब उसकी रक्षा करना, उसे आश्वस्त करना और उसके जीवन को फिर से पटरी पर लाने में सहायता करना भी हमारी ड्यूटी है।" विवाह के बाद वधू के पिता ने कहा, "घर में डकैती की घटना के बाद हमें लगा था कि बेटी की शादी अब नहीं हो पाएगी लेकिन पुलिस अधीक्षक और उनकी धर्मपत्नी ने यह जिम्मेदारी बखूबी निभाई। पुलिसकर्मियों को देखकर लगता नहीं था कि वे ड्यूटी पर हैं। वे तो बिल्कुल हमारे अपने लगे।

स्कूल का नाम उर्दू में लिखे होने पर प्रधानाध्यापिका निलंबित

बिजनौर। बिजनौर जिले में एक प्राथमिक विद्यालय के भवन पर स्कूल का नाम उर्दू में लिखे होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रधानाध्यापिका को निलंबित कर दिया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी योगेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को बताया कि तीन दिन पूर्व सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें साहनपुर गांव में स्थित प्राथमिक स्कूल के भवन पर हिंदी के साथ-साथ उर्दू में भी स्कूल का नाम लिखा था। उन्होंने कहा, ₹यह भाषा संबंधी नियम का उल्लंघन है। इस मामले में प्रधानाध्यापिका रफत खान को निलंबित कर जांच शुरू की गई है।₹ निलंबित प्रधानाध्यापिका रफत खान ने इस मामले पर कहा कि वायरल वीडियो पुराना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षण सत्र शुरू होने पर स्कूल की पुताई कराई गई थी तब उर्दू में लिखे गए नाम को हटा दिया गया था। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस पर कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग लड़की की सिर कटी लाश मिलने के मामले में मां सहित चार लोग गिरफ्तार

मेरठ। जिले में एक नाबालिग लड़की की सिर कटी लाश मिलने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतका की मां समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उसके नाबालिग भाई को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ.विपिन ताडा के निर्देश पर गठित छह टीमों ने फोरेंसिक एवं सर्विलांस तकनीक के माध्यम से साक्ष्य जुटा कर घटना के महज कुछ घंटों के भीतर मामले का पर्दाफाश कर दिया।

पुलिस के अनुसार, नाबालिग लड़की दादरी थाना दौराला ग्राम की रहने वाली थी। अधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि आठ महीने पहले सोशल मीडिया के माध्यम से लड़की की एक युवक से दोस्ती हो गई थी, जिसके बाद उनके बीच संबंध बन गए थे। उन्होंने बताया कि इस बात की जानकारी मिलने पर मृतका की मां राकेश देवी और नाबालिग भाई ने चार जून को कथित रूप से गला दबाकर लड़की की हत्या कर दी और उसके बाद सिर काटकर शव को चादर में लपेटकर रजवाहे में फेंक दिया गया तथा सिर को अलग स्थान पर बहा दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में राकेश देवी, मोनू उर्फ मंजीत, कमल सिंह और समर सिंह शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, मृतका के नाबालिग भाई को हिरासत में लिया गया है और एक अन्य आरोपी गौरव की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मौके से हत्या में प्रयुक्त एक दरांती और शव को ठिकाने लगाने में इस्तेमाल की गयी एक सफेद स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। अधिकारी ने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत परतापुर थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में 45 किलोग्राम सोने का किया गया इस्तेमाल

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण में 45 किलोग्राम खरा सोने का इस्तेमाल किया गया, जिसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपये है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि मंदिर में कुल 45 किलोग्राम खरा (24 कैरेट) सोने का इस्तेमाल किया गया है। बृहस्पतिवार को राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राम, देवी सीता और भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न तथा राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार की पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मिश्रा ने बताया कि मंदिर में इस्तेमाल किये गए सोने का अनुमानित मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये है। मंदिर के भूतल पर बने दरवाजों और भगवान राम के सिंहासन में बड़े पैमाने पर सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, शेषावतार मंदिर में सोने का काम अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर के मुख्य ढांचे का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन संग्रहालय, सभागार और अतिथि गृह समेत मंदिर परिसर के अन्य हिस्से अभी निर्माणाधीन हैं, जिनके दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। मिश्रा ने कहा कि बृहस्पतिवार को राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद, अब वहां लोगों के पहुंचने की व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल, केवल सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को राम दरबार में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए श्रद्धालुओं को पास लेने होंगे जो निःशुल्क जारी किए जाएंगे। इस बीच, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से मंदिर में श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ उमड़ रही है। राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा कि बृहस्पतिवार को मंदिर में सात विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि गर्भगृह के ऊपर स्थित पहली मंजिल पर स्थापित मूर्तियों में बीच में राम दरबार, उत्तर-पूर्वी कोने में शिवलिंग, दक्षिण-पूर्वी कोने में गणपति, दक्षिणी भाग के मध्य में हनुमान, दक्षिण पश्चिमी कोने में सूर्य, उत्तर-पश्चिमी कोने में भगवती और उत्तरी भाग के मध्य में अन्नपूर्णा माता शामिल हैं। राय ने कहा कि भीषण गर्मी और धूप से बचने के लिए की गई सीमित व्यवस्थाओं के कारण कई श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चंपत राय ने शुक्रवार को एक बयान में, श्रद्धालुओं को राम दरबार के दर्शन के लिए धैर्य रखने की सलाह दी, क्योंकि राम दरबार 20 फुट ऊंचा है, जिसके लिए करीब 40 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं और ऊपर जाने के लिए अभी पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाई है, और लिफ्ट के निर्माण में समय लगेगा। राय ने कहा, ₹बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए लिफ्ट का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन इसके पूरा होने में समय लगेगा। प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण श्रद्धालुओं को राम दरबार के दर्शन के लिए इंतजार करना होगा और बारिश के मौसम के बाद दर्शन करना संभव हो सकता है।₹ उन्होंने कहा कि अंतिम कार्य मंदिर के शिखर पर ध्वज फहराना होगा, जो संभवतः अक्टूबर या नवंबर में मौसम अनुकूल रहने पर होगा। उन्होंने कहा कि तब तक छोटे-मोटे काम पूरे कर लिए जाएंगे। बस्ती जिले से आए श्रद्धालु रामजी मिश्रा ने कहा, ₹गर्भगृह तक जाने का रास्ता बहुत लंबा है और रास्ते में बिछाये गए पत्थर धूप में बहुत गर्म हो जाते हैं। मैं भव्य मंदिर बनने से पहले अयोध्या जाता था और तब भगवान राम के दर्शन के लिए जाने का रास्ता छोटा और ज्यादा आरामदायक था। अब, दिन में पत्थर इतने गर्म हो जाते हैं कि उन पर चलने से पांव में छाले पड़ सकते हैं।" उनके साथी सुधाकर तिवारी ने कहा कि हालांकि, मंदिर ट्रस्ट ने रास्ते के कुछ हिस्सों पर लाल चटाई बिछा रखी है, लेकिन उनमें से कई फट गई हैं। राम मंदिर ट्रस्ट के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि राम दरबार अभी आम लोगों के लिए नहीं खोला गया है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट अपनी आगामी बैठक में, इस संबंध में निर्णय लेगा। राम मंदिर में दूसरा बड़ा समारोह बृहस्पतिवार को आयोजित किया गया। इससे पहले, पिछले साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश भर के कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

गुजरात के व्यवसायी ने राम मंदिर न्यास को हीरे जड़ित मुकुट और सोने के धनुष दान किये

अयोध्या। गुजरात के एक हीरा कारोबारी ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास को 11 मुकुट और एक सोने का धनुष और बाण सहित कई बहुमूल्य आभूषण और अस्त्र-शस्त्र दान किए हैं। यह दान सूरत के रहने वाले हीरा कारोबारी मुकेश पटेल ने दिया है। वह प्रसिद्ध आभूषण फर्म ग्रीन लैब के मालिक हैं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवाडिया ने पुष्टि की कि दान में हीरे, सोने, चांदी और माणिक से बनी वस्तुएं शामिल हैं। नेवाडिया ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ₹मुकेश पटेल ने 1000 कैरेट हीरे, 30 किलोग्राम चांदी, 300 ग्राम सोना और 300 कैरेट माणिक से बने 11 मुकुट दान किए हैं।₹ उन्होंने कहा कि मुकुटों के अलावा पटेल ने हार, झुमके, टीके, श्री राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के लिए चार बड़े और तीन छोटे धनुष, चार तरकश, और तीन गदा दान किये हैं। इन वस्तुओं को एक विशेष चार्टर्ड विमान में अयोध्या ले जाया गया। नेवाडिया ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और अलंकरण की देखरेख करने वाले श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को देश भर से कई दान मिले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में बृहस्पतिवार को राम जन्मभूमि परिसर के अंदर आठ नवनिर्मित मंदिरों में मूर्तियों की स्थापना के साथ-साथ भगवान राम के 'राम दरबार' का अभिषेक किया गया था। यह अनुष्ठान मंदिर में दूसरा बड़ा अभिषेक समारोह था। इससे पहले 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में राम लला का भव्य अभिषेक किया गया था।

22 जून तक पूरा कर लें आयुष विवि के सभी कार्य : मुख्यमंत्री

- सीएम योगी ने किया निर्माणाधीन आयुष विश्वविद्यालय का निरीक्षण
- युद्ध स्तर पर हों शेष कार्य, टीम लगाकर कराई जाए मॉनिटरिंग

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया और सभी को हर हाल में 22 जून तक पूरा करने का निर्देश दिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार, राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 30 जून को आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण करेंगी, जिसके मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी ने कार्यों में तेजी लाने की हिदायत दी और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाई। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में हुई देरी को लेकर लोक निर्माण विभाग व कार्यदायी संस्था के प्रति गहरी नाराजगी जताई और कहा कि मानव संसाधन बढ़ाकर युद्ध स्तर पर काम कराया जाए तथा इसकी सतत निगरानी एक टीम द्वारा की जाए।

उन्होंने निरीक्षण के बाद एक बैठक में लोक निर्माण विभाग और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी बचे कार्य हर हाल में 22 जून तक पूरा कर लें ताकि 30 जून को प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम सफल हो सके। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपति के संभावित आगमन के मद्देनजर हेलिपैड बनाने की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण कराने के साथ ही सघन साफ सफाई कराई जाए और कहीं भी गंदगी नहीं दिखाई होनी चाहिए।

बैठक में प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के. रामचंद्र रेड्डी, अतिरिक्त महानिदेशक (जोन) डॉ. केएस प्रताप, आयुक्त अनिल ढींगरा, पुलिस उपमहानिरीक्षक एस. चनप्पा, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राजकरन नैयर मौजूद रहे।

जिसकी हत्या के आरोप में काटी 3 वर्ष की सजा, वह जिंदा निकला

नरेंद्र कुमार दुबे — मोहम्मद ऐताब

बरेली। जिले में हत्या के मामले में सजा काट रहे एक व्यक्ति को इसलिए रिहा कर दिया गया क्योंकि जिस व्यक्ति की हत्या का उसपर आरोप था वह बिहार में जिंदा पाया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि ट्रेन में मोबाइल चोरी को लेकर हुए विवाद में अयोध्या निवासी नरेन्द्र दुबे पर एताब नाम के व्यक्ति की हत्या का आरोप था, जिसके लिए उसे तीन वर्ष जेल की सजा सुनाई गयी थी लेकिन जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप उसपर था, वह जीवित निकला। पुलिस के मुताबिक, बिहार में एताब की ससुराल पक्ष के कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया, जिसे न्यायालय में पेश किया गया और उसके बाद अपर जिला न्यायाधीष ने दुबे को दोषमुक्त करार देते हुए रिहा करने का आदेश दिया। शाहजहांपुर के सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता श्रीपाल वर्मा ने बताया कि जिस व्यक्ति की हत्या का आरोप है, वह अभी जिंदा है। उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त उसके पिता व अन्य रिश्तेदारों ने की थी और ऐसी स्थिति में अभियोजन का कोई दोष नहीं है। अधिकारी ने बताया कि जांच अधिकारी को भी दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि शव की शिनाख्त एताब के परिजन ने की थी।

शाहजहांपुर के अपर जिला न्यायाधीश पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को वर्मा की दलीलों व साक्ष्य से सहमत होते हुए नरेन्द्र को दोषमुक्त करार देते हुए रिहा करने के आदेश दिए। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, राजकीय रेलवे पुलिस के बरेली थाने में 16 दिसंबर 2022 की रात तैनात सत्यवीर सिंह को जानकारी मिली कि दिल्ली-अयोध्या एक्सप्रेस के सामान्य डिब्बे 'डी टू' में दो लोगों के बीच मारपीट हुई है, जिसमें एक व्यक्ति ने दूसरे को तिलहर (शाहजहांपुर) स्टेशन के पास किसी स्थान पर चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि अयोध्या की पहाड़गंज कालोनी निवासी आलोक ने फोन से इसकी सूचना देते हुए घटना का वीडियो भी भेजा था।

पुलिस के मुताबिक, रात करीब एक बजे ट्रेन बरेली जंक्शन पर पहुंची, जहां सत्यवीर सिंह ने नरेन्द्र दुबे को पकड़ लिया। अभियोजन पक्ष ने बताया कि तिलहर पुलिस ने रेलवे ट्रैक के पास से शव भी बरामद कर लिया था।

सेवानिवृत सैन्यकर्मी की पत्नी और बेटी ने फंदा लगाकर आत्महत्या की

बांदा। जिले में शुक्रवार को एक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी की पत्नी और बेटी ने कथित रूप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना कोतवाली क्षेत्र के बिजली खेड़ा मोहल्ले की है। बांदा नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राजीव प्रताप सिंह ने बताया कि बिजली खेड़ा मोहल्ले में सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी ननकाई प्रसाद की पत्नी हीरामनी (46) और उनकी बेटी रंजना (19) ने शुक्रवार सुबह अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर मां-बेटी के शव बाहर निकाले और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि अब तक की जांच में गृह कलह की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि घटना के समय ननकाई रिश्तेदारी में गये हुए थे। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

कांग्रेस पार्टी को अपनी मानसिकता को दुरुस्त करने की जरूरत : मनवीर चौहान

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि महिला उत्पीड़न को लेकर कांग्रेस पर राजनीति कर रही है। उंगलियों में गिनने वाले मामले पूरी मातृ शक्ति का प्रतिनिधित्व नहीं करते और कांग्रेस को अपनी मानसिकता को दुरुस्त करने की जरूरत है।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कांग्रेस के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अब तक प्रदेश भर में जितने मामले सामने आये हैं उन पर त्वरित कार्यवाही की गई और आरोपी सलाखों के पीछे पहुंचे। उन्होंने स्मरण कराते हुए कहा कि पहली निर्वाचित सरकार मे महिला यौन शोषण के कई मामले सामने आये या कई मामलों मे बड़े नेता रैकेट के साथ पुलिस ने पकड़े, लेकिन भाजपा ने राजनीति से प्रेरित होकर महिला समुदाय का सम्मान कर इसे तूल नहीं दिया। मनवीर चौहान ने कहा कि भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा है और वह बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ के नारे के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। इस यात्रा मे कुछ घृणित आपराधिक मामले सामने आये हैं और पार्टी ने सतर्कता से उन्हें पहले ही पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। ऐसे लोगों को सरंक्षण के बजाय उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा विचार और कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। संयम, अनुशासन पार्टी का मूल मंत्र है जबकि कांग्रेस एक भानुमती का कुनवा है और वहां पर न नीति न नीयत है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो सवार बारातियों को रौंदा, तीन की मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत तेज रफ्तार ट्रक ने शुक्रवार को बोलेरो सवार बारातियों को रौंद दिया। हादसे में तीन बारातियों की मौत हो गई। वहीं पांच बाराती गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घटना की जांच-पड़ताल करते हुए अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। सदर कोतवाल ताकेश्वर राय ने बताया कि थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-2 स्थित सनगांव मोड़ के पास ओवरब्रिज के ऊपर उल्टी दिशा से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कल्यानपुर थाने के ममरेजपुर से वापस आ रही बारात से बोलोरो सवारों को टक्कर मारते हुए निकल गया। घटना में सगे भाई राजेन्द्र (50) व भूरा (55) और गुधुन (55) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उदयराज (30), मिल्कू (35), गोपीचंद(10), चालक मुनेश पटेल (40) समेत पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं, उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी गई है और हाईवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारु रूप से बहाल कर दिया गया है।चालक हादसे के बाद भाग गया है। ट्रक को कब्जे में लेते हुए अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

प्रेमी ने शक की वजह से महिला की हत्या कर शव को सूटकेस में बंद कर फेंका

हापुड़। जिले में एक सप्ताह पहले एक बंद सूटकेस में मिले अज्ञात महिला के शव के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि लेनदेन को लेकर विवाद और संदेह की वजह से कथित प्रेमी ने ही हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

महिला का शव पिलखुवा कोतवाली क्षेत्र के सिखेड़ा गांव में रजवाहे के पास से एक बंद पड़े सूटकेस से बरामद किया गया था। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके की रहने वाली नीलेश के रूप में हुई जबकि हत्या के आरोप में दिल्ली के ही विनोद नगर निवासी सतेंद्र यादव को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कबूल किया कि उसने अन्य संबंधों और उधार दिए 5.50 लाख रुपये वापस मांगने को लेकर हुए

विवाद में चुन्नी से गला दबाकर नीलेश की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त गाड़ी, कागजात, फोन और अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस ने बताया कि 30 मई को पिलुखवा कोतवाली क्षेत्र के सिखेड़ा रजवाहे पर बंद सूटकेस से एक महिला का शव बरामद किया था। पिलखुआ थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) पटनीश कुमार ने बताया कि पूछताछ में आरोपी सतेंद्र ने बताया कि उसका नीलेश से प्रेम संबंध था और पिछले वर्ष अक्टूबर में जब वह पंजाब के पटियाला में रह रहा था तब नीलेश का फोन अक्सर व्यस्त मिलता था।

उन्होंने बताया कि सतेंद्र ने नीलेश का फोन जांचने की कोशिश की, लेकिन वह 'लॉक' था। अधिकारी ने बताया कि सतेंद्र ने नीलेश से 5.50 लाख रुपये उधार लिए थे, जिसमें से दो लाख रुपये वह वापस मांग रही थी और इस बात को लेकर भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार, 28 मई को नीलेश सतेंद्र के कमरे पर मिलने आई थी और रुपये वापस करने के दबाव की वजह से आरोपी ने चुन्नी से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और शव को कमरे में रखे सूटकेस में बंद कर दिया। पुलिस ने बताया कि टोल टैक्स से बचने के लिए उसने रजवाहे पर सूटकेस फेंक दिया और दिल्ली लौट आया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नीलेश का फोन तोड़कर गाजीपुर के नाले में फेंक दिया ताकि कोई शक न करे।

पुलिस ने बताया कि नीलेश के पिता अहिबरन ने मयूर विहार थाने में बेटी की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी और मामले की जांच के दौरान सतेंद्र यादव मुख्य संदिग्ध के रूप में सामने आया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि सतेंद्र ने अपराध कबूल कर लिया है और बरामद सामान व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की गहन जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस जल्द ही अदालत में आरोपपत्र दायर करेगी।

केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड को बनाएंगे 'बागवानी हब' : कृषि मंत्री चौहान

देहरादून। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र और उत्तराखंड सरकार मिलकर प्रदेश को बागवानी का 'नेशनल हब' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने डोईवाला विधानसभा के रायपुर खंड के पाववाला सौड़ा गांव में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत किसान चौपाल में किसानों से कहा कि उत्तराखंड के फल, अनाज और सब्जियों की गुणवत्ता अद्वितीय है और उनमें वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की पूरी क्षमता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर उत्तराखंड को बागवानी का राष्ट्रीय हब बनाएंगी।

चौहान ने इस दौरान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधरोपण भी किया। केंद्रीय कृषि मंत्री ने लीची, बासमती चावल, कटहल और सब्जी उत्पादकों के साथ बातचीत की और बीज, सिंचाई, विपणन, फसल बीमा योजना व कृषि उत्पादों के उचित मूल्य के संबंध में अपनी बातें रखीं। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं किसान परिवार से हूं, किसान का दर्द जानता हूं। इसी कारण आज सीधे खेत में आकर खाट पर बैठा हूं, ताकि यह जान सकूं कि सरकार की योजनाओं का लाभ जमीन तक पहुंच रहा है या नहीं। किसानों से सीधा संवाद ही उनकी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करता है। चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार खेती के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, उत्तराखंड सरकार के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि यहां के किसानों को न केवल आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ मिले, बल्कि उनके उत्पादों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाजार भी उपलब्ध हो। चौहान ने यह भी कहा कि प्राकृतिक खेती, तकनीकी नवाचार और जल संरक्षण पर विशेष बल देकर खेती को भविष्य में अधिक लाभकारी बनाया जाएगा।

प्रदेश में बदल रहा है मौसम का मिजाज

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। प्रदेश के पहाड़ी क्षेत्रों में इन दिनों भारी बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में जमकर बर्फबारी हो रही है. बारिश के कारण ठंड का एहसास हो रहा है। लोग सर्दियों के कपड़ों का उपयोग कर रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक इसी तरह बारिश का क्रम जारी रह सकता है। जबकि धूप और बादलों के बीच आंख मिचौली चलती रही। मौसम विज्ञान केंद्र केअनुसारआज 6 जून से पर्वतीय क्षेत्रों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं और कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। देहरादून सहित आसपास के क्षेत्रों में धूप खिलने से लेकर आंशिक बादल जाने के आसार हैं।

पर्यावरण मित्रों के आश्रितों को नियुक्ति का लाभ दिए जाने के निर्णय का स्वागत

हरिद्वार। उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने पर्यावरण मित्रों को 2013 की नियमावली में सम्मिलित कर मृतक आश्रित नियुक्ति का लाभ दिए जाने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। मोर्चे के मुख्य संयोजक सुरेन्द्र तेश्वर, संयोजक राजेन्द्र श्रमिक व मुकुल जोशी ने कहा कि पूर्व की सरकार द्वारा 859 पर्यावरण मित्रों को इस शर्त पर स्थाई किया गया था कि सेवा निवृति एवं मृत्यु होने पर पद समाप्त हो जाएंगे।

वन टाइम सेटलमेंट के तहत सफाईकर्मी की मृत्यु अथवा सेवानिवृत्ति के उपरांत पद स्वतः समाप्त करने की नीति लागू की गई थी। प्रदेश के नगर निकायों मे इस प्रकार के मामले लंबित चल रहे थे। जिससे मृतक आश्रित परिवार परेशान थे। धामी सरकार द्वारा कैबिनेट में मृतक आश्रित नियुक्ति का लाभ दिए जाने के निर्णय से अब उन्हें इंसाफ मिलेगा। उत्तराखण्ड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं प्रदेश सरकार का आभार जताया है।

आभार व्यक्त करने वालो में मोर्चे के मुख्य संयोजक सुरेन्द्र तेश्वर, संयोजक राजेन्द्र श्रमिक, संयोजक संतोष गौरव, मुकुल जोशी, प्रवीण तेश्वर, अखिलेश शर्मा, टंकार कौशल, सलेकचंद, आत्माराम बेनीवाल, नानकचंद पेवल, मनोज छाछर, बलराम चुटेला, दीपक तेश्वर, आनंद कांगड़ा, राजू खैरवाल, प्रवीण कुमार, प्रदीप, राजेश खैरवाल, काका, कुलदीप कांगड़ा, विकास कुमार, आदेश यादव आदि शामिल रहे।

गंगा में डूबकर दिल्ली का युवक लापता

देहरादून। दिल्ली से महिला मित्र के साथ ऋषिकेश घूमने आया युवक गंगा के तेज बाहव में बह गया। एसडीआरएफ और पुलिस टीम तलाश में अभियान चला रही है। जानकारी के मुताबिक युवक दिल्ली से अपनी महिला मित्र के साथ घूमने ऋषिकेश आया था। गुरुवार शाम को दोनों नदी किनारे गए थे। इस दौरान युवक थोड़ा आगे पानी में चला गया। अचानक से वह गंगा के तेज बहाव की चपेट में आ गया। उसके अचानक नदी में डूबने पर उसके साथ आई युवती ने शोर मचाया। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान चलाया. राफ्ट की मदद से गंगा में युवक की तलाश में सर्च अभियान चलाया गया। देर शाम तक युवक का पता नहीं चल पाया है।

आगे रेपो दर में और कटौती की गुंजाइश काफी कम : RBI गवर्नर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि नीतिगत दर रेपो में 0.50 प्रतिशत कटौती की घोषणा के बाद इसमें आगे और कमी करने की बहुत कम गुंजाइश दिख रही है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रेपो दर को आधा प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत पर लाने का फैसला किया गया। इसके साथ ही फरवरी से लेकर अब तक रिजर्व बैंक रेपो दर में कुल एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद संवाददाताओं से कहा कि भविष्य की मौद्रिक नीति कार्रवाई आने वाले आंकड़ों पर निर्भर करेगी।

उन्होंने कहा DF मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए मौद्रिक नीति के लिए अब बहुत सीमित गुंजाइश है। वृद्धि का अनुमान लगभग 6.5 प्रतिशत है और हम मुद्रास्फीति के इस साल 3.7 प्रतिशत और अगले वर्ष के लिए चार प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान लगा रहे हैं। यदि ये सब होता है, तो फिर दर में कटौती की बहुत सीमित गुंजाइश है। उन्होंने कहा DF हम आने वाले आंकड़ों पर नजर रखना जारी रखेंगे और मुख्य रूप से वही कदम उठाएंगे जो आंकड़े हमें सुझाएंगे। ताजा कटौती के बाद रेपो दर पिछले तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई है। आरबीआई गवर्नर ने उम्मीद जताई कि ब्याज दर में कटौती का आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में ही नजर आएगा। उन्होंने कहा कि पिछले रुझानों की तुलना में इस बार प्रमुख नीतिगत दर में कटौती का ग्राहकों के स्तर पर रूपांतरण कहीं अधिक तेजी से होगा। मल्होत्रा ने मुद्रास्फीति के संदर्भ में कहा कि ऐसा माना जा सकता है कि आरबीआई ने मूल्यवृद्धि के खिलाफ़ जारी जंग जीत ली है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान को घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया है जबकि उसने अप्रैल में इसके चार प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी। औसत खुदरा मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत से कम रहने का यह अनुमान हाल के वर्षों में सबसे कम है।

हालांकि, केंद्रीय बैंक ने कहा कि इन अनुकूल पूर्वानुमानों के बावजूद वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक जिंस कीमतों पर उनके प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रुख अपनाएगा। आरबीआई गवर्नर ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में कटौती के संबंध में कहा कि इससे निश्चित रूप से ऋण प्रवाह को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय बैंक ने सीआरआर में पूरे एक प्रतिशत की कटौती करने का फैसला किया है जिससे अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों को उधार देने के लिए बैंकिंग प्रणाली में दिसंबर तक 2.5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी।

RBI की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की मुख्य बातें

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को पेश चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश की। इसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं-

- प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.50 प्रतिशत किया गया।
- मौद्रिक नीति रुख को 'उदार' से बदलकर 'तटस्थ' किया गया।
- बैंकिंग प्रणाली में 2.5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी डालने के लिए नकद आरक्षित अनुपात में एक प्रतिशत की बड़ी कटौती।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को 0.3 प्रतिशत घटाकर 3.7 प्रतिशत किया गया।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर कायम।
- चालू वित्त वर्ष में चालू खाते का घाटा या कैड टिकाऊ स्तर के भीतर रहने की उम्मीद।
- विदेशी मुद्रा भंडार 692.7 अरब अमेरिकी डॉलर से घटकर 691.5 अरब डॉलर (30 मई) पर आया।
- अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 4 से 6 अगस्त को होगी।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष का आर्थिक गतिविधियों पर नाममात्र का प्रभाव पड़ा: संजय मल्होत्रा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बनी संघर्ष की स्थिति का आर्थिक गतिविधियों पर नाममात्र का प्रभाव पड़ा है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत होने के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पिछले महीने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान के नियंत्रण वाले आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी हमला कर सीमावर्ती जिलों को निशाना बनाने की कोशिश की थी। मल्होत्रा ने यहां द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इस संघर्ष के संदर्भ में कहा कि इसका आर्थिक गतिविधियों पर बहुत सीमित और नगण्य प्रभाव पड़ा। उन दिनों इसका कुछ प्रभाव पड़ा था। खासकर उत्तर भारत में हवाई अड्डे बंद हो गए थे और हवाई यात्रियों की आवाजाही में निश्चित रूप से कमी आई थी। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला में कोई बड़ी बाधा नहीं आई थी। उन्होंने कहा कि कुछ दिन के लिए उन इलाकों और कुछ क्षेत्रों में कीमतें बढ़ गई थीं लेकिन अब सब सामान्य हो गया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इस संघर्ष का आर्थिक गतिविधि, वृद्धि, मुद्रास्फीति पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। पिछले कुछ दिन से कोविड-19 संक्रमण के मामलों में हुई वृद्धि पर मल्होत्रा ने कहा कि यह अभी चिंता का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कई वायरस में से एक बन गया है। उम्मीद है कि यह ऐसे ही रहेगा।

गेल ने पहली बार मानसून में दाभोल एलएनजी टर्मिनल का संचालन किया

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी गैस कंपनी गेल ने महाराष्ट्र के दाभोल में अपने 50 लाख टन सालाना तरलीकृत प्राकृतिक गैस आयात टर्मिनल का संचालन पूरी क्षमता से शुरू कर दिया है। मानसून के दौरान इस सुविधा को अपना पहला कार्गो मिला है। कंपनी को रत्नागिरी टर्मिनल (दाभोल एलएनजी संयंत्र) को हर साल 25 मई से चार महीने के लिए बंद करना पड़ता था ताकि समुद्र में ऊंची लहरों से जहाजों या घाटों को नुकसान न पहुंचे। कंपनी ने अब मानसून के मौसम के दौरान जहाजों की सुरक्षा के लिए एक 'ब्रेकवाटर' का निर्माण पूरा कर लिया है। 'ब्रेकवाटर' तटों और बंदरगाहों को समुद्री लहरों से सुरक्षित करने के लिए बनाई गई दीवार को कहते हैं।

मांग में नरमी से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण कई राज्यों में ग्राहकों के खरीदारी में देरी करने तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी।

वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया, छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की। हालांकि, बुकिंग काफी अच्छी रही, लेकिन स्थगित निर्णयों के कारण खुदरा बिक्री में कमी आई।

वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार, मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 15,40,077 इकाई थी।

वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई, जिसकी वजह माल ढुलाई चक्र में नरमी, नकदी की तंगी और भू-राजनीतिक तनाव रहा। हालांकि, थोक बिक्री में तेजी आई क्योंकि मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) और डीलरों ने जून, 2025 के अनिवार्य 'एसी ड्राइवर-केबिन' विनियमन से पहले भंडार बनाए रखा था। तिपहिया वाहनों का पंजीकरण मई में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 1,04,448 इकाई हो गया।

सेबी ने मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों, म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने गीतांजलि जेम्स के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में 2.1 करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के बैंक खातों, शेयरों एवं म्यूचुअल फंड को कुर्क करने का आदेश दिया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने यह कदम 15 मई को चोकसी को भेजे गए एक नोटिस के बाद उठाया गया है, जिसमें 15 दिन के भीतर भुगतान न करने पर संपत्ति के साथ बैंक खाते भी जब्त करने की चेतावनी दी गई थी। चोकसी ने गीतांजलि जेम्स लिमिटेड के शेयरों में भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन मामले में जनवरी, 2022 में सेबी द्वारा लगाए गए जुर्माने का भुगतान नहीं किया था जिसके बाद यह नोटिस जारी किया गया था। चोकसी गीतांजलि जेम्स का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक होने के साथ प्रवर्तक समूह का हिस्सा भी था। वह एक अन्य भगोड़े कारोबारी नीरव मोदी का मामा है। दोनों पर सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप है। वर्ष 2018 की शुरुआत में पीएनबी घोटाला सामने आने के बाद चोकसी और मोदी दोनों ही भारत से भाग गए थे। भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद अप्रैल में चोकसी को बेल्जियम में गिरफ्तार किया गया था। वहीं मोदी को मार्च, 2019 में स्कॉटलैंड यार्ड पुलिस ने गिरफ्तार किया था और वर्तमान में वह उस देश की जेल में है। सेबी ने चार जून, 2025 को जारी जब्ती नोटिस में कहा कि 2.1 करोड़ रुपये के लंबित बकाया में 1.5 करोड़ रुपये का शुरुआती जुर्माना और 60 लाख रुपये का ब्याज शामिल है। बकाया वसूलने के लिए सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरी- सीडीएसएल एवं एनएसडीएल और म्यूचुअल फंड कंपनियों से कहा कि वे चोकसी के खातों से किसी भी तरह की निकासी की अनुमति न दें। हालांकि, इन खातों में जमा की अनुमति है। इसके अलावा, सेबी ने बैंकों को चूककर्ता के लॉकर समेत सभी खातों को कुर्क करने का निर्देश दिया है। सेबी ने जनवरी, 2022 में पारित अपने आदेश में चोकसी पर 1.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही उसे एक साल के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। सेबी ने अपनी जांच में पाया था कि चोकसी ने राकेश गिरधरलाल गजेरा को अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील जानकारी दी थी। गजेरा ने धोखाधड़ी का मामला उजागर होने के पहले ही दिसंबर, 2017 में गीतांजलि जेम्स में अपनी पूरी 5.75 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी थी।

रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती साहसिक कदम, मकानों की बिक्री बढ़ेगी: रियल एस्टेट

नई दिल्ली। जमीन, मकान के विकास से जुड़ी कंपनियों तथा विशेषज्ञों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती को साहसिक कदम बताते हुए कहा कि इससे मकानों की बिक्री बढ़ेगी और क्षेत्र को जरूरी गति मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर में नरमी के बीच शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से प्रमुख नीतिगत दर रेपो को उम्मीद से अधिक 0.5 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार रेपो दर में कटौती की है। इसके साथ आरबीआई ने बैंकों के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती की घोषणा की। इन उपायों से वैश्विक स्तर पर जारी चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था को जरूरी समर्थन मिलेगा। रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष संगठन क्रेडाई ने रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती के आरबीआई के फैसले को साहसिक कदम बताया और कहा कि इससे आवासीय संपत्तियों की बिक्री बढ़ाने में मदद मिलेगी।

क्रेडाई (कन्फेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष **शेखर जी पटेल** ने कहा कि आरबीआई के निर्णय से उपभोक्ताओं की धारणा में सुधार होगा, जिससे मध्यम आय एवं किफायती आवास क्षेत्रों को अत्यधिक लाभ होगा, जो पिछले कुछ वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। पटेल ने कहा कि हम आरबीआई के निर्णय का स्वागत करते हैं और इसे घरेलू मांग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक साहसिक और समयोचित कदम मानते हैं।

रियल एस्टेट क्षेत्र के शीर्ष निकाय नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) के अध्यक्ष **जी. हरि बाबू** ने कहाकि आरबीआई द्वारा लगातार तीसरी बार रेपो दर में कटौती करने का निर्णय स्पष्ट रूप से चुनौतीपूर्ण वैश्विक वातावरण में वृद्धि को समर्थन देने के उसके इरादे को दर्शाता है। कम ब्याज दरों का मतलब है ऋण तक आसान पहुंच, बेहतर नकदी और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा जो अर्थव्यवस्था की गति बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट के लिए यह एक बेहतर कदम है। इससे आवास ऋण की दरों में गिरावट आने की उम्मीद है जिससे कई लोगों, खासकर पहली बार मकान खरीदने वालों और मध्यम आय वर्ग के लिए मकान खरीदना अधिक किफायती हो जाएगा।

रियल एस्टेट से जुड़ी सेवाएं देने वाली सीबीआरई के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया व अफ्रीका) **अंशुमान मैगजीन** ने कहा कि आरबीआई द्वारा रेपो दर को स्थिर रखने का निर्णय मुद्रास्फीति संबंधी चिंताओं के साथ आर्थिक वृद्धि को संतुलित करने के उसके रुख को दर्शाता है। स्थिर कर्ज लागत से हम विशेष रूप से किफायती और मध्यम-खंड श्रेणियों में आवास के लिए निरंतर मांग की उम्मीद करते हैं।

सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लि. के संस्थापक एवं चेयरमैन **प्रदीप अग्रवाल** ने कहा कि रेपा दर में 0.5 प्रतिशत और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में एक प्रतिशत की भारी कटौती का फैसला मकान खरीदारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। यह साहसिक कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब महंगाई में नरमी आई है और अर्थव्यवस्था को मजबूती से आगे बढ़ाने के लिए ठोस प्रोत्साहन की जरूरत है।

'360 रियलटर्स' के प्रबंध निदेशक **अंकित कंसल** ने कहा कि रेपो दर में कटौती की उम्मीद थी, लेकिन 0.5 प्रतिशत की कटौती की उम्मीद नहीं थी। यह सच में एक सुखद कदम है। इस कदम से गृह ऋण ज्यादा किफायती होंगे और डेवलपर को सस्ता कर्ज मिलेगा जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र को दोहरा फायदा होगा। कोलियर्स इंडिया के वरिष्ठ निदेशक एवं अनुसंधान प्रमुख **विमल नादर** ने कहा कि यह कदम रियल एस्टेट क्षेत्र को बल देने वाला है। उन्होंने कहा कि यह खरीदारों और कंपनियों के लिए उधार लेने की लागत को कम करता है, खासकर किफायती और मध्यम आय वाले आवास खंडों में मकान खरीदारों का आत्मविश्वास बढ़ाता है। इससे खरीदारों की भावना में सुधार हो सकता है। प्रमुख शहरी बाजारों में बिक्री की मात्रा में वृद्धि हो सकती है।

कृष्णा ग्रुप और क्रिसुमी कॉरपोरेशन के चेयरमैन **अशोक कपूर** ने कहा कि हम इस निर्णय का खुले दिल से स्वागत करते हैं, क्योंकि कम रेपो दर का अर्थ है कि उधार लेने की लागत कम होगी, जबकि सीआरआर में कटौती से बैंकिंग प्रणाली में नकदी बढ़ेगी। साथ ही ये कदम मकान खरीदने वालों को संपत्ति में निवेश के लिए प्रोत्साहित करेंगे। एसकेए ग्रुप के निदेशक **संजय शर्मा** ने कहा कि रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की कटौती आरबीआई की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की स्पष्ट इच्छा दिखाती है। लगातार तीसरी बारी कटौती से मकान खरीदने वालों को राहत मिलेगी और रियल एस्टेट क्षेत्र में मांग भी बढ़ेगी।

जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक **जैश पचमनिया** ने कहा कि आज के फैसले से न केवल उधारकर्ताओं पर वित्तीय बोझ कम होगा, बल्कि कर्ज सस्ता होगा, जिससे मकान खरीदने वालों को काफी राहत मिलेगी और संपत्ति खरीदने की योजना बनाने वालों को समय पर प्रोत्साहन मिलेगा। मिगसन ग्रुप के प्रबंध निदेशक **यश मिगलानी** ने कहा कि रेपो दर में 0.50 प्रतिशत कटौती एक सराहनीय कदम है, जो पूरे रियल एस्टेट क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बनाएगा। घर खरीदने वालों के लिए इसका मतलब है कि ईएमआई यानी मासिक किस्त कम होगी और घर खरीदना पहले से आसान होगा, खासकर उन लोगों के लिए जो पहली बार घर ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कंपनियों के लिए भी यह फैसला वित्त पोषण को आसान बनाएगा, नई परियोजना शुरू करने में मदद करेगा और नकदी की स्थिति बेहतर करेगा।

गंगा रियल्टी के संयुक्त प्रबंध निदेशक **विकास गर्ग** ने कहा कि यह कदम अंतिम उपयोगकर्ता की मांग को मजबूत करने और आवासीय बाजार को पटरी पर आने में मदद करेगा। यह नकदी में सुधार और पूंजी की लागत को कम करने वाला कदम है जो परियोजना निष्पादन और समग्र क्षेत्रीय स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। मानसुम होम्स सीनियर लिविंग के सह-संस्थापक अनंतराम **वी वरयूर** ने कहा कि यह महत्वपूर्ण कटौती निस्संदेह अपने वरिष्ठ प्रियजनों की आवश्यकताओं के लिए योजना बनाने वाले कई परिवारों को राहत देगी।

रिजर्व बैंक के मौद्रिक उपायों से रुपया 11 पैसे मजबूत होकर 85.68 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की बड़ी कटौती करने के रिजर्व बैंक के ऐलान से शुक्रवार को अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे मजबूत होकर 85.68 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में भारी कटौती से बाजार हतप्रभ रह गया। इससे रुपया स्थिर से सकारात्मक रुख पर कारोबार करने लगा। इसके अलावा, नकद-आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में भी एक प्रतिशत की कटौती करने की घोषणा की गई है। इसके अलावा, घरेलू बाजारों में तेजी ने भी रुपये को निचले स्तरों पर समर्थन दिया। दोनों मानक सूचकांक एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपये में भारी उतार चढ़ाव देखा गया। रुपया अपने पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.91 पर खुला, लेकिन जल्द ही यह नुकसान कम हो गया और डॉलर के मुकाबले 85.66 के शुरुआती उच्च स्तर पर पहुंच गया। शुक्रवार के कारोबार के दौरान, रुपये ने 86 के निचले स्तर को भी देखा और अंत में पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.68 पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को रुपया आठ पैसे चढ़कर 85.79 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 प्रतिशत बढ़कर 98.98 पर पहुंच गया। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.26 प्रतिशत गिरकर 65.17 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, "रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दर में और कटौती करने से रुपये पर दबाव पड़ सकता है। हालांकि, घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से निचले स्तरों पर घरेलू मुद्रा को समर्थन मिल सकता है। निवेशक अब अमेरिका से गैर-कृषि पेरोल रिपोर्ट पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। डॉलर-रुपये की हाजिर कीमत 85.40 से 86.25 के बीच रहने की उम्मीद है।"

NTPC समूह की स्थापित क्षमता 80,265 मेगावाट पर पहुंची

नई दिल्ली। एनटीपीसी की अनुषंगी की अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 1,255 मेगावाट की खावड़ा सौर परियोजना से 110.25 मेगावाट की वाणिज्यिक आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके साथ एनटीपीसी समूह की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की पूर्ण अनुषंगी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड की 1,255 मेगावाट की खावड़ा-I सौर पीवी परियोजना के पहले चरण के तहत 110.25 मेगावाट की क्षमता छह जून को रात 12 बजे बजे वाणिज्यिक रूप से परिचालन में आ गयी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एनटीपीसी लि. की एक अनुषंगी कंपनी है। इसके साथ ही एनटीपीसी समूह की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 80,265 मेगावाट हो गई है।

अमेरिकी नियोक्ताओं ने मई में 1,39,000 नौकरियां जोड़ीं

वाशिंगटन। अमेरिका में नौकरी प्रदाताओं ने पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्धों पर अनिश्चितता के बावजूद 1,39,000 नौकरियां जोड़ीं। हालांकि पिछले महीने भर्ती की रफ्तार कुछ कम हुई। श्रम विभाग ने शुक्रवार को कहा कि अप्रैल में भर्ती का आंकड़ा 1,47,000 था। बेरोजगारी दर 4.2 प्रतिशत पर बनी हुई है। ट्रंप की आक्रामक और अप्रत्याशित नीतियों ने अर्थव्यवस्था और नौकरी बाजार के लिए संभावनाओं को खराब कर दिया है और यह आशंका बढ़ा दी है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ सकती है। हालांकि, फिलहाल सरकारी आर्थिक आंकड़ों में नुकसान स्पष्ट रूप से नहीं दिखा है। अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि ट्रंप की नीतियों का असर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिकी पर पड़ेगा। आयात पर उनके भारी शुल्क से उन अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका है जो विदेशों से कच्चा माल, उपकरण और कलपुर्जे खरीदती हैं।

रेपो दर में कटौती से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 747 अंक उछला

मुंबई। नीतिगत ब्याज दर में आधा प्रतिशत की कटौती और बैंकों को कर्ज देने के लिए अतिरिक्त राशि का इंतजाम करने के रिजर्व बैंक के फैसले से उपजी सकारात्मक धारणा के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स 747 अंक उछल गया जबकि निफ्टी ने एक बार फिर 25,000 का स्तर पार कर गया।

आरबीआई ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद रेपो दर 0.50 प्रतिशत घटाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया। इसके साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में एक प्रतिशत की कटौती करने की भी घोषणा की गई। विश्लेषकों ने कहा कि आरबीआई के इन कदमों से आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद में शेयर बाजार उछल गए।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक 746.95 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछलकर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 857.85 अंक बढ़कर 82,299.89 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी एक बार फिर 25,000 के स्तर पर पहुंच गया।

कारोबार के अंत में यह 252.15 अंक यानी 1.02 प्रतिशत चढ़कर 25,003.05 अंक पर बंद हुआ। ब्याज दर के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले रियल्टी खंड में 4.74 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई जबकि वाहन खंड में 1.50 प्रतिशत और बैंकिंग खंड में 1.25 प्रतिशत की तेजी आई। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस 4.93 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 3.15 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा मारुति, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, इटर्न0ल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी के शेयर भी बढ़त लेने में सफल रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल और सन फार्मा के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "शेयर बाजार ने आरबीआई की औचक और आक्रामक वृद्धि प्रोत्साहन नीति पर आशावादी प्रतिक्रिया जताई। ब्याज दर में तगड़ी कटौती और सीआरआर कटौती के जरिये नकदी बढ़ाने की घोषणा से आर्थिक वृद्धि को रफ्तार मिलने, निवेश को बढ़ावा देने और खपत बढ़ाने के लिए आरबीआई की मजबूत प्रतिबद्धता को बल मिलेगा। बीएसई सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 443.79 अंक चढ़कर 81,442.04 अंक और एनएसई निफ्टी 130.70 अंक बढ़कर 24,750.90 अंक पर बंद हुआ था

संक्षिप्त खबरें

नए नोएडा के लिए मुआवजा दर तय करने की बैठक अगले हफ्ते होगी

नोएडा। नए नोएडा के गांवों के लिए मुआवजा दर तय करने की बैठक अगले सप्ताह होगी। इसमें नोएडा प्राधिकरण और बुलंदशहर जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच मुआवजा दर पर चर्चा होगी। नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन गौतमबुद्ध नगर और जिला प्रशासन बुलंदशहर के अफसर मुआवजा दर करने के लिए बीते तीन महीने से जल्द बैठक होने की बात कह रहे हैं, लेकिन अब तक बैठक नहीं हो पाई। मुआवजा दर तय नहीं होने की वजह से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पा रही है। अब प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि अगले सप्ताह बैठक होगी। इसके लिए बुलंदशहर के जिला प्रशासन के अधिकारियों से बैठक की तारीख तय करने को लेकर बातचीत चल रही है। उम्मीद है कि बैठक में मुआवजा दर तय करने को लेकर कुछ बात आगे बढ़ेगी।

नवोदय विद्यालय के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

ग्रेटर नोएडा। नवोदय विद्यालय में सत्र 2026 से 27 के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। छात्र छठी कक्षा के लिए ऑनलाइन navodaya.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं। छात्रों का चयन 13 दिसंबर को होने वाली परीक्षा के आधार पर होगा। छात्र को चयन परीक्षा में शामिल होने के लिए एक बार ही मौका दिया जाता है। विद्यालय में 75 प्रतिशत सीट ग्रामीण छात्रों के लिए आरक्षित हैं।

पीजी से कंपनीकर्मी का सामान चोरी

नोएड। सेक्टर-62 स्थित पीजी में रहने वाले कंपनीकर्मी के कमरे में चोरी हो गई। पीड़ित ने अपने रूम पार्टनर पर कीमती सामान चुराने का आरोप लगाया है। सेक्टर-58 थाना पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मूलरूप से मध्यप्रदेश भोपाल की ऑफिसर कॉलोनी में रहने वाले लकी नेगी ने पुलिस को बताया कि वह सेक्टर-62 स्थित गोल्डन होम्स पीजी में रहते हैं। उनके साथ महाराष्ट्र मानसरोवर भिवंडी का आदित्य सिंह भी रहता था। दोनों एक ही कंपनी में काम करते थे। पिछले कुछ दिनों से दोनों के बीच मनमुटाव चल रहा था। आरोप है कि आदित्य चार जून की सुबह तीन बजे जगा। कमरे से लकी के दो मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, पर्स, बैग, सोने की अंगूठी और स्पीकर चोरी कर ले गया। सुबह जागने पर लकी को चोरी होने और आदित्य के पीजी छोड़कर जाने का पता चला। पीड़ति ने पुलिस से शिकायत की।

मकान से नगदी और मोबाइल चोरी,मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर की राशिद कॉलोनी के एक मकान से चोर बुधवार को बीस हजार रुपये नकदी और दो मोबाइल चोरी कर ले गए। पीड़ित सुखबीर शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। चोरी का पता लगाने के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज की जांच कर रही है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि जल्द चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

सुपरवाइजर को रास्ते में रोककर पीटा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा की एक कंपनी के सुपरवाइजर को बाइक सवार युवकों ने रास्ते में रोककर पीटा। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता विकास कुमार सेक्टर-142 थाना क्षेत्र की लाजिक्स ब्लॉसम ग्रीन सोसाइटी में रहते हैं। वह नोएडा की एक कंपनी में सुपरवाइजर हैं। वह बुधवार को कंपनी से ड्यूटी कर दोस्त के साथ स्कूटी से घर लौट रहे थे। सेक्टर-143 मेट्रो स्टेशन के समीप बाइक सवार युवकों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने दोनों दोस्तों के साथ मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि यह घटना कंपनी के कर्मचारी नितिन ने करवाई है। मारपीट के दौरान आरोपियों ने नितिन का नाम भी लिया था। पुलिस ने शिकायत पर नितिन सहित मारपीट करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

वाहन चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-49 थाना पुलिस ने गुरुवार रात सेक्टर-50 से वाहन चुराने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। उससे बिना नंबर प्लेट लगी चोरी की बाइक, तमंचा और कारतूस बरामद किए। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस गुरुवार रात सेक्टर-50 स्थित सीवेज प्लांट के पास सर्विस रोड पर जांच कर रही थी। इस दौरान बिना नंबर प्लेट बाइक सवार संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन वह बचकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। उसकी पहचान बदायूं बिलसी के रोहित के रूप में हुई। वह वर्तमान में नोएडा के होशियारपुर गांव में किराये पर रहता है। पूछताछ में पता चला है कि वह शातिर किस्म का अपराधी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मॉल के तीन सुरक्षाकर्मी मारपीट में गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। पुलिस ने एक मॉल के तीन सुरक्षाकर्मियों को मारपीट के मामले में गिरफ्तार किया। इन सुरक्षाकर्मियों ने बुधवार की रात आइथम गलेरिया मॉल के तीन सुरक्षाकर्मियों ने एक युवक के साथ मारपीट की थी। आरोप है कि शराब के नशे में धुत एक युवक ने सुरक्षाकर्मियों के साथ गाली गलौज की थी। इसी के चलते युवक को पीटा था। सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था। पुलिस ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर आरोपी सुरक्षा कर्मियों की पहचान की। इसके बाद मुकदमा दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान अर्जुन सिंह निवासी अलीगढ़, विकास निवासी बागपत और प्रिंस निवासी बील अकबरपुर थाना दादरी के रूप में हुई है।

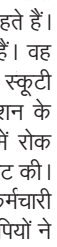

आठ गांवों को स्मार्ट विलेज के रूप में संवारा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने विकास कार्यों पर खर्च किए 70 करोड़ रुपये

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले मायचा और घरबरा समेत आठ गांवों को स्मार्ट विलेज के रूप में संवारा गया। यहां विकास कार्यों पर 70 करोड़ रुपये खर्च किए गए। वहीं, 15 और गांवों को संवारने का काम चल रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम विकास योजना के अंतर्गत अधिसूचित क्षेत्र के गांवों का संपूर्ण विकास कर उन्हें स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। चरणबद्ध तरीके से गांवों में सेक्टरों की तर्ज पर समान सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम ने बताया कि अब खैरपुर गुर्जर गांव को स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित करने का काम शुरू किया गया है। प्रथम चरण में सीवर, पेयजल पाइप लाइन और गांव की सभी गलियों में सीसी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बारात घर की मरम्मत और चारदीवारी के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इन कार्यों के होने से गांव की स्थिति में सुधार होगा। जगह-जगह पर हो रहे जलभराव से निजात मिल जाएगी। अधिकारी के मुताबिक क्षेत्र के गांवों में बाकी बचे विकास कार्यों को भी जल्द कराया जाएगा। इस संबंध में अधिकारियों के निर्देश पर कार्ययोजना तैयार की जा रही है। इसके अलावा ग्राम विकास योजना के अंतर्गत स्कूल, अस्पताल आदि की व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त किया जा रहा है। ग्राम विकास के अंतर्गत अब तक मायचा, घरबरा, घंघोला, लडपुरा, तिलपता करनवास, सादुल्लापुर, कैलाशपुर और जलपुरा गांव को लगभग 69.09 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टरों की तर्ज पर स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित किया गया है। हालांकि, इसके बाद भी लोगों की शिकायत रहती है कि गांवों में नियमित रूप से साफ-सफाई नहीं हो रही। अधिकारी के मुताबिक प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के 15 गांवों को 45.15 करोड़ रुपये की लागत से स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित जाने का कार्य किया जा रहा है। अगले एक साल में इसे पूरा कर लिया जाएगा। प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले गांवों में सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराकर उन्हें स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। सड़क, सीवर, पेयजल पाइप, जल निकासी की व्यवस्था के अलावा स्कूलों का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। खेल मैदान भी विकसित किए जा रहे हैं। सुनील कुमार सिंह, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ये गांव किए विकसित

ग्राम विकास के अंतर्गत अब तक मायचा, घरबरा, घंघोला, लडपुरा, तिलपता करनवास, सादुल्लापुर, कैलाशपुर और जलपुरा गांव को लगभग 69.09 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टरों की तर्ज पर स्मार्ट विलेज के रूप में विकसित किया गया है। हालांकि, इसके बाद भी लोगों की शिकायत रहती है कि गांवों में नियमित रूप से साफ-सफाई नहीं हो रही।

मायचा गांव के किसानों को लीजबैक में राहत की उम्मीद, प्राधिकरण ने 26 प्रकरणों पर की सुनवाई

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा किसानों के लीजबैक मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसी क्रम में शुक्रवार को मायचा गांव के किसानों से जुड़े कुल 26 मामलों पर सुनवाई की गई। यह सुनवाई प्राधिकरण के ओएसडी गिरीश कुमार झा, ओएसडी जितेंद्र गौतम और ओएसडी राम नयन सिंह की उपस्थिति में हुई, जिसमें किसानों से जरूरी दस्तावेज और साक्ष्य प्राप्त किए गए। ओएसडी भूलेख गिरीश कुमार झा ने जानकारी दी कि किसानों की लंबे समय से उठ रही मांगों को देखते हुए प्राधिकरण ने आबादी व्यवस्थापन समिति का गठन किया है, जो लीजबैक के मामलों की ग्रामवार सुनवाई कर रही है। यह सुनवाई 24 मार्च से शुरू हुई थी और तय कार्यक्रम के अनुसार गांवों के अनुसार मामले निस्तारित किए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया से मायचा गांव के किसानों में आशा जगी है कि उन्हें उनके आवासीय अधिकार जल्द मिल सकते हैं। प्राधिकरण की यह पहल गांववासियों को कानूनी राहत और स्थायित्व प्रदान करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

स्ट्रक्चरल ऑडिट के टेंडर में आवेदन करने का समय एक सप्ताह बढ़ाया

नोएडा। स्ट्रक्चरल ऑडिट करने के लिए पैनल में निजी एजेंसियों को शामिल किया जाना है। इसके लिए नोएडा प्राधिकरण की तरफ से जारी की गई आरएफपी-रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल-आवेदन करने की समय-सीमा एक सप्ताह बढ़ा दी गई है। ऐसे में अब 13 जून को आरएफपी खोली जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि सोसाइटियों का स्ट्रक्चरल ऑडिट करने के लिए प्राधिकरण के पैनल में अभी तक सात सरकारी संस्थान शामिल हैं। ऑडिट प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कुछ महीने पहले निजी एजेंसियों को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में पिछले महीने आरएफपी जारी कर एजेंसियों से आवेदन मांगे गए थे।

टेंडर में आवेदन करने का समय 5 जून तक रखा गया था। अधिकारियों ने बताया कि अब प्राइवेट एजेंसियां 12 जून तक आवेदन कर सकती हैं। इसके बाद अगले दिन आरएफपी खोली जाएगी। इस तकनीकी बिड में जो एजेंसियां सफल होंगी, बाद में उनकी फाइनेनशियल बिड खोल जाएगी। प्राइवेट एजेंसी का यह होगा काम अधिकारियों ने बताया कि किसी सोसाइटी की एओए या बिल्डर की तरफ से स्ट्रक्चरल ऑडिट की मांग आने पर चयनित निजी एजेंसी वहां जाकर जांच करेंगी। संबंधित सोसाइटी का

स्ट्रक्चरल ऑडिट करने के बाद एजेंसी बताएगी कि छोटी मरम्मत से काम चल जाएगा या बड़े स्तर पर काम कराना होगा। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद ऑडिट रिपोर्ट पर प्राधिकरण स्तर पर गठित समिति चर्चा करेगी। समिति तय करेगी कि संबंधित सोसाइटी में मरम्मत का किस स्तर पर काम कराया जाए। अगर समिति मरम्मत कराने की अधिक जरुरत समझती हैं तो पैनल में शामिल निजी या सरकारी किसी एजेंसी से संबंधित एओए को मिलवाकर काम कराया जाएगा। स्ट्रक्चर ऑडिट कराने के एओए या बिल्डर, जिससे भी आवेदन आया होगा, उसी को स्ट्रक्चरल ऑडिट का खर्चा वहन करना होगा।

पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, 26 मोटरसाइकिल और असलहे बरामद

नोएडा। नोएडा पुलिस ने वाहन चोरी की बढ़ती वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना फेस-1 पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरोह के सरगना सहित चार शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर 26 मोटरसाइकिल, एक ऑटो रिक्शा और 4 अवैध चाकू बरामद किए हैं। यह गिरोह नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय था।

सेक्टर-14ए स्थित अपर पुलिस उपायुक्त कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों कुन्दन उर्फ कुबेर (गैंग सरगना) पुत्र महावीर,राहुल पुत्र सुरेश,अमित पुत्र प्रेमपाल,संकल्प कुमार शर्मा उर्फ गोलू उर्फ बचकांडु पुत्र सतीशचंद शर्मा में शामिल हैं। इन चारों को थाना फेस-वन पुलिस ने सेक्टर-6 के ए-16 के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ और उनकी निशानदेही पर 26 चोरी की गई मोटरसाइकिलें/ स्कूटियां, एक ऑटो (थ्री व्हीलर) और चार अवैध चाकू बरामद किए गए। डीसीपी ने बताया कि बरामद वाहनों में से 16 दोपहिया वाहन नोएडा व दिल्ली के विभिन्न थानों में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित हैं। गिरोह की कार्यशैली बेहद संगठित थी। ये चोर पहले ऑटो से आकर कॉलोनियों, सोसाइटियों और कंपनियों में रैकी करते थे। इसके बाद पार्किंग में खड़े वाहनों को लॉक तोड़कर चोरी कर लेते थे। यदि कोई वाहन स्टार्ट नहीं होता, तो उसे ऑटो में लादकर ले जाते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में सैकड़ों दोपहिया वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस अब गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुट गई है।

एमिटी विश्वविद्यालय को सम्मानित किया

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय को शुक्रवार को देश में शीर्ष कॉपीराइट फाइलर्स में से एक होने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा कॉपीराइट अधिनियम के 68वें वर्ष के अवसर पर डिजिटल युग में कॉपीराइट अधिनियम में सुधार थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दे कि एमिटी विश्वविद्यालय के पास एक विविध आईपी पोर्टफोलियो है, जिसमें 758 से अधिक कॉपीराइट आवेदनों और 654 से अधिक कॉपीराइट पंजीकृत, 2445 से अधिक दायर पेटेंट आवेदनों का प्रभावशाली कॉपीराइट पोर्टफोलियो में सम्मानित किया गया है।

एमिटी शिक्षण समूह के संस्थापक अध्यक्ष डॉ अशोक के चौहान ने कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय एक शोध और नवाचार संचालित विश्वविद्यालय है और आईपीआर पर जोर देती है जो शोध और नवाचार को प्रोत्साहित करने, एक प्रगतिशील आईपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने और सामाजिक लाभ के लिए इसका लाभ उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एमिटी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, महत्वपूर्ण क्षेत्रों और पहलों के साथ सहजता से जुड़ती है, महत्वाकांक्षी उद्यमियों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों के लिए एक जीवंत मंच प्रदान करती है, एक दूसरे के साथ सहयोग करने, अपने नेतृत्व और उद्यमशीलता कौशल को बढ़ाने और नवाचारों को साझा करने के लिए, जिससे भारत के भविष्य के नेताओं के लिए एक मजबूत नींव रखी जा सके, सामाजिक-आर्थिक विकास और राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाया जा सके। एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. डब्लू. सेल्वामूर्ति ने कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय हमारे माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को साकार करने के दृष्टिकोण को महत्व देती है, जो ष्प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचार पारिस्थितिकी तंत्रष् पर आधारित है। हमारे माननीय संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अशोक के. चौहान और माननीय कुलाधिपति डॉ. अतुल चौहान के दृष्टिकोण, मिशन और लक्ष्य के साथ, हम एमिटी विश्वविद्यालय में एनईपी के साथ तालमेल बिठाते हुए शैक्षणिक मानक को नया आकार दे रहे हैं, जिसका उद्देश्य स्थिरता और समावेशिता को अपने मूल में रखते हुए सामाजिक आवश्यकताओं के लिए पथप्रदर्शक वैज्ञानिक समाधानों को बढ़ाना है।

इस अवसर दिल्ली के कॉपीराइट कार्यालय प्रमुख और ट्रेड मार्क्स, भौगोलिक संकेत की डिप्टी रजिस्ट्रार, डॉ. पृथपाल कौर सिद्धू, भारत सराकर के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, के डीपीआईआईटी की निदेशक (आईपीआर) सुश्री सिमरत कौर, अंतर्राष्ट्रीय ट्रेडमार्क एसोसिएशन, दक्षिण एशिया के श्री अंकित साहनी और दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो अश्विनी सिवाल, राणा एंड राणा के आईपीआर अटॉर्नी, डा विक्रांत राणा, और एमिटी विश्वविद्यालय के एडिशनल प्रो वाइस चांसलर डा चंद्रदीप टंडन उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का समापन कॉपीराइट अवसंरचना को मजबूत करने तथा डिजिटल युग में रचनाकारों के लिए एक सुदृढ़ वातावरण तैयार करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हुआ।

ग्रेटर नोएडा में 80 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण शुरू

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 80 मीटर चौड़ी नई सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह सड़क सेक्टर-3 के पास 60 मीटर रोड को नॉलेज पार्क-5 के पास 130 मीटर रोड से जोड़ेगी। कुल 2200 मीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर लगभग 10 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह परियोजना लंबे समय से किसानों से जमीन विवाद के चलते अटकी हुई थी।

लेकिन प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की पहल पर किसानों से बातचीत के जरिए समाधान निकाल लिया गया, जिसके बाद निर्माण कार्य को गति मिल गई है। मानसूनी बारिश से पहले इस सड़क को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के लिए प्राधिकरण अंडरपास, यूटर्न और सड़क चौड़ीकरण जैसी परियोजनाओं पर तेजी से काम कर रहा है। इसी क्रम में परियोजना विभाग के वर्क सर्कल-3 ने यह नई 80 मीटर रोड बनाना शुरू किया है।

एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बताया कि 60 मीटर रोड पर अत्यधिक ट्रैफिक का दबाव है। इस नई कनेक्टिंग रोड से न केवल वाहनों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि समय और ईंधन की भी बचत होगी। इस रोड के बन जाने से ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच सफर करने वालों को सुगमता, सुरक्षा और तीव्रता-तीनों मोर्चों पर राहत मिलेगी। यह परियोजना शहरी विकास के दृष्टिकोण से भी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है।

पार्लर प्रमोशन के नाम पर युवती से 15.47 लाख की ठगी

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवती ने ओडिशा निवासी एक युवक पर धोखाधड़ी और ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि युवक ने पार्लर प्रमोशन के नाम पर उससे करीब 15.47 लाख रुपये की ठगी की और अब उसके अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। युवती का आरोप है कि उसकी पहचान अनिमेष बस्तिया नामक युवक से 28 दिसंबर 2024 को हुई थी। युवक ने खुद को ओडिशा निवासी बताया और पार्लर प्रमोशन में सहायता करने की बात कहकर उसका विश्वास जीता। आरोपी ने युवती के साथ-साथ उसके पिता और भाई के खातों से अलग-अलग बैंक खातों में कुल 15 लाख 47 हजार 551 रुपये ट्रांसफर कराए। युवती के अनुसार यह रकम जीएस ट्रेडर्स, डिलाइट ट्रेडर्स, कैरोस क्रिएटिव्स के खातों में भेजी गई। जब युवती व उसके परिवार ने आरोपी से पैसे वापस मांगे तो उसने युवती के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। आरोप है कि युवक के पास युवती की निजी फोटो मौजूद हैं। जिसे वह सोशल मीडिया पर डालने की धमकी दे रहा है। वहीं कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल ने कार्रवाई शुरू की है।

ट्रांस टाइटंस ने जीता इंटरकांटिनेंटल लीजेंड लीग का खिताब

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्रेटर नोएडा में रंगारंग समारोह के साथ शुरू हुए इंटरकांटिनेंटल लीजेंड लीग के ग्रैंड फिनाले में पूर्व न्यूजीलैंड बल्लेबाज जेसी राइडर ने 57 गेंदों पर 130 रनों की विस्फोटक पारी खेली। जिससे ट्रांस टाइटंस ने इंडियन वॉरियर्स को 30 रनों से हराकर पहले सीजन का खिताब अपने नाम किया।

हजारों दर्शकों से भरे मैदान में राइडर की यह तूफानी पारी किसी जादूगरी की तरह लग रही थी।उन्होंने 57 गेंदों में 16 चौके और 7 छक्के लगाते हुए लगभग 229 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए और शुरुआत से ही मैच का रुख तय कर दिया। पहले बल्लेबाज़ी करते हुए ट्रांस टाइटंस ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर लीग का अब तक का सबसे बड़ा 259 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया। मैच के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, गायक अल्तमश फरीदी और खानपुर से विधायक और लीग के सीईओ उमेश कुमार भी मौजूद रहे। पारी की शुरुआत करते हुए राइडर शुरू से ही आक्रामक नजर आए और उन्होंने ढीली गेंदों का भरपूर फायदा उठाया। उनका पूरा साथ निभाया प्रतीक अठावले ने, जिन्होंने 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 32 गेंदों में 60 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली।

हालांकि मिडिल ऑर्डर इस लय को बरकरार नहीं रख सका और ऋषि धवन (15 रन, 8 गेंद), सुमित वर्मा (1 रन, 2 गेंद) और नमन शर्मा (11 रन, 7 गेंद) जल्दी आउट हो गए, लेकिन पारी के अंत में पीनल शाह और प्रशांत गुज्जर ने तेजी से रन बनाकर स्कोर को पहाड़ जैसा बना दिया। खासकर प्रशांत ने जिन्होंने 400 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 6 गेंदों पर 24 रन ठोक दिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडियन वॉरियर्स को कप्तान प्रियांक पांचाल ने 14 गेंदों में 28 रन बनाकर तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन उसके बाद मौसीफ खान (13 रन, 10 गेंद) और केदार देवधर (19 रन, 11 गेंद) इस लय को बरकरार नहीं रख सके।

टीम के कुछ जल्दी विकेट गिरने के बाद पवन नेगी ने पलटवार की जिम्मेदारी उठाई और 6 चौके और 5 छक्के लगाते हुए लगभग 181 की स्ट्राइक रेट से 76 बनाए, लेकिन दूसरे छोर से सहयोग न मिलने चलते रनरेट बढ़ता चला गया और इंडियन वॉरियर्स 229/7 तक ही पहुंच पाए और मैच 30 रनों से हार गए। एमवीपी क्वेस्ट द्वारा आयोजित और 100 स्पोर्ट्स द्वारा संचालित इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप (आईएलसी) में छह महाद्वीपों से आई छह टीमें शामिल थीं।

राजकुमार राव-वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' की प्राइम वीडियो पर होगी ग्लोबल स्ट्रीमिंग

मुंबई। प्राइम वीडियो ने आज अपने नए कॉमेडी ड्रामा 'भूल चूक माफ' की एक्सक्लूसिव ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर की घोषणा की। फिल्म भूल चूक माफ दिनेश विजन द्वारा प्रस्तुत की गयी है, जो अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के साथ मिलकर बनी है। 'भूल चूक माफ' मैडॉक फिल्म्स का प्रोडक्शन है, जिसका निर्देशन करण शर्मा ने किया है, जबकि करण शर्मा और हैदर रिजवी ने इसे लिखा है। राजकुमार राव, वामीका गब्बी, धनश्री वर्मा, संजय मिश्रा और रघुवीर यादव जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह फिल्म एक अतरंगी कहानी है, जहां प्यार और ऊपरवाले का हिसाब-किताब एकदम अनोखे अंदाज में टकराते हैं। यह फिल्म 06 जून से केवल प्राइम वीडियो पर भारत ही नहीं, बल्कि 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में एक साथ स्ट्रीम होने जा रही है। राजकुमार राव ने कहा, मुझे भूल चुक माफ़ की ओर खींचने वाली सबसे दिलचस्प बात थी रंजन की कहानी की मज़ेदार और उतार चढ़ाव वाली राह। रंजन एक सीधा-सादा आदमी है, जिसके बड़े सपने हैं। लेकिन एक भूला हुआ वादा उसकी ज़िंदगी को पूरी तरह उलट-पुलट कर देता है, और यहीं से शुरू होती है मज़ेदार उथल-पुथल। मेरा किरदार कई परतों वाला है, जिसे निभाना चुनौतीपूर्ण भी था और बहुत संतोषजनक भी। अब तक इस फिल्म को जो प्यार और सराहना मिली है, वो दिल छू लेने वाला है। मुझे खुशी है कि अब ये कहानी प्राइम वीडियो पर दुनियाभर के दर्शक देख पाएंगे। वामीका गब्बी ने कहा,'भूल चूक माफ़' पर काम करना मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा।इस फिल्म की कहानी में एक मासूमियत है, जो शुरू से ही मेरा ध्यान खींच गई। ये फिल्म भारतीय रोमांस की पुरानी मिठास को एक नए और ताज़ा अंदाज़ में दिखाती है। थिएटर्स में इसे जबरदस्त प्यार मिला है, और अब जब 'भूल चूक माफ़' प्राइम वीडियो पर आ रही है, तो मुझे बेहद खुशी है कि ये जादुई कहानी अब दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगी, जिसमें प्यार, विश्वास और प्रायश्चित की खूबसूरत झलक है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रवीना टंडन को किया सम्मानित

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन को हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने समाज और पर्यावरण से जुड़े कामों में उनके योगदान और समर्पण के लिए सम्मानित किया। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अभिनेत्री रवीना टंडन को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान पर्यावरण की रक्षा और जानवरों की भलाई के लिए किए जा रहे उनके कामों के लिए दिया गया। रवीना ने इस सम्मान समारोह की एक फोटो अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की और लिखा, "पर्यावरण दिवस के दिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी के हाथों मुझे यह सम्मान दिया गया। यह मेरे लिए गर्व की बात है।" इसके अलावा, उन्होंने खुशी जाहिर की कि एक छोटी सी बिल्ली, जिसे बचाया गया था, उसे अब नया घर मिल गया है। रवीना ने पेटा इंडिया का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उस बिल्ली की देखभाल की। रवीना टंडन सिर्फ एक अभिनेत्री ही नहीं हैं, बल्कि वह एक पर्यावरण प्रेमी, वन्यजीव फोटोग्राफर और समाज सेवा में जुड़ी एक नेक दिल इंसान भी हैं। महज 21 साल की उम्र में उन्होंने सिंगल मदर के तौर पर दो बेटियों को गोद लिया था। वह चिल्ड्रन्स फिल्म सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएफएसआई) की सबसे कम उम्र की चेयरपर्सन बनीं और सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की सलाहकार समिति की सदस्य भी रही हैं। अंगदान को बढ़ावा देने के काम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनकी सराहना की थी। उनकी संस्था रुद्र फाउंडेशन बच्चों, महिलाओं और जानवरों की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है। कोरोना महामारी के समय भी रवीना टंडन की संस्था ने मदद का काम जारी रखा।

अंजनी माता का किरदार निभाना बेहद भावनात्मक अनुभव रहा है: सायली सालुंखे

मुंबई। अभिनेत्री सायली सालुंखे का कहना है कि सोनी सब के शो 'वीर हनुमान' में अंजनी माता का किरदार निभाना उनके लिये बेहद भावनात्मक अनुभव रहा है। सोनी सब का पौराणिक शो 'वीर हनुमान ' अपनी भावनात्मक गहराई और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से दर्शकों का दिल जीत रहा है। इस शो में आन तिवारी बाल हनुमान की भूमिका में, सायली सालुंखे अंजनी माता के रूप में, आरव चौधरी केसरी की भूमिका में और माहिर पांधी बाली एवं सुग्रीव के दोहरे किरदार में नजर आ रहे हैं। आगामी एपिसोड्स में दर्शक एक बेहद भावुक और शक्ति से भरपूर मोड़ देखेंगे, जब भगवान हनुमान अपने आराध्य प्रभु श्रीराम की खोज में अयोध्या की यात्रा पर निकल पड़ते हैं। अपनी माँ अंजनी माता को हमेशा के लिए किष्किंधा छोड़ने से रोकने के उद्देश्य से वे भक्ति और प्रेम से प्रेरित होकर यह दिव्य यात्रा शुरू करते हैं। लेकिन जैसे-जैसे समय निकलता जा रहा है और भाग्य अपना रूप बदल रहा है, सवाल यह है क्या हनुमान समय रहते प्रभु श्रीराम तक पहुँच पाएंगे? या फिर इस भक्ति मार्ग पर कोई और भी गहरा और अनदेखा मोड़ उनका इंतज़ार कर रहा है। शो में अंजनी माता की भूमिका निभा रही सायली सालुंखे ने कहा,"अंजनी माता का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद भावनात्मक अनुभव रहा है। एक माँ के रूप में, वह अपराधबोध और प्रेम के बीच जूझ रही हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी उपस्थिति ही किष्किंधा में अशांति का कारण है। अपने पुत्र भगवान हनुमान, से दूर होने का निर्णय न केवल पीड़ादायक है, बल्कि आत्मा को झकझोर देने वाला है। यह दृश्य एक माँ के बलिदान की गहराई को दर्शाता है । कैसे एक स्त्री अपने बच्चे की रक्षा के लिए अपने दिल को तोड़ने तक को तैयार हो जाती है। एक कलाकार के रूप में मैंने अंजनी की चुप्पी, उसकी शक्ति और उसके भीतर के तूफान को पूरी तरह महसूस किया। यह एक याद दिलाने वाला पल है कि कभी-कभी सच्चे प्रेम की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति, छोड़ देना भी होती है।" 'वीर हनुमान', सोमवार से शनिवार, शाम 7:30 बजे, केवल सोनी सब पर प्रसारित होता है।

शिल्पा शेट्टी ने अपनी खास दोस्त का बर्थडे किया सेलिब्रेट

कहा- 'जन्मदिन मुबारक हो मेरी जेमिनी ट्विन'

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी खास दोस्त आकांक्षा मल्होत्रा अग्रवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उन्होंने प्यार और मस्ती भरा मैसेज लिखा। उन्होंने अपनी पोस्ट में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह आकांक्षा के साथ मजेदार पल बिताती नजर आ रही हैं। दोनों हंसते-मुस्कुराते हुए नजर आ रही हैं। वीडियो को शेयर करते हुए शिल्पा ने अपने कैप्शन में लिखा, "जन्मदिन मुबारक हो मेरी 'जेमिनी ट्विन'। तुम मेरी फेवरेट एग सैंडविच, कोकोनट मकारून और तिरामिसू मेकर हो। मैं हमेशा से तुम्हारे बिना शर्त वाले प्यार और सपोर्ट के लिए बहुत आभारी हूं। चलो साथ में और हंसी, ज्ञान, दर्शन और यादें बनाते रहें। मेरी प्यारी आकांक्षा, तुम्हें हमेशा अच्छी सेहत और खुशियां मिलें।" आकांक्षा मल्होत्रा और शिल्पा शेट्टी के बीच काफी समय से गहरी दोस्ती रही है। उन्हें अक्सर शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा के साथ सोशल इवेंट्स में देखा जाता है। आकांक्षा शिल्पा के करवा चौथ के त्योहार और शमिता शेट्टी के जन्मदिन की पार्टी में भी साथ नजर आई हैं।

अभिभावकों की सजगता ही सुरक्षा चक्र

पेरेंट्स का परवरिश के कई मोर्चों पर सजग रहना जरूरी है। खासकर बच्चों के शारीरिक शोषण के मामले में सतर्कता आवश्यक है। यूं तो हर अभिभावक बच्चों को लेकर हर किसी पर भरोसा नहीं ही करता पर क़रीबी अपनों और परिचितों पर विश्वास करना भी कई बार कटु अनुभव साबित होता है। 2012 से 2021 तक हुई बालमन का दंश बनने वाली घटनाओं के आंकड़े इसी रीत भरोसे की बानगी हैं। करीब एक दशक में सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों के कामुक शोषण के मामलों में 94 फीसदी आरोपी पीड़ित के परिवार के परिचित, परिजन या परिवार का ही कोई सदस्य होता है। बच्चियों के यौन शोषण की घटनाओं ने 48.66 प्रतिशत आरोपी परिचित ही निकले हैं ।

बच्चों की बात मन से सुनें

बहुत छोटे बच्चे कई बार अपने साथ हो रही ज्यादती के बारे में समझ ही नहीं पाते तो कई बार पेरेंट्स को बताने में ही हिचकते हैं। खासकर तब जब कोई परिचित यह पीड़ादायी बर्ताव कर रहा है। कभी बच्चे अपनी बात कहते भी हैं तो अभिभावक सुने बिना ही टाल देते हैं। यह कैसी बात है? कहां से सीखा यह सब? फालतू बात मत करो। ऐसी बातें कहकर बच्चों का मनोबल तोड़ देते हैं। इन घटनाओं का दुखद पक्ष है कि मासूम को अभिभावक भी नहीं समझ पाते। बहुत से बच्चे मां-पापा से मिले इस निराशाजनक बर्ताव के हालातों में अतिवादी निर्णय ले लेते हैं। इसीलिए बच्चे जो कहना चाहते हैं उसे सुनें। कितना भी भरोसेमंद इंसान हो उसे परखें जरूर। यह भी सोचें कि दुनिया की ऊंच-नीच तक न जानने-समझने वाला मासूम बेवजह ऐसी बात क्यों कहेगा? याद रखिए कि असहज हालातों में ही बच्चे ऐसी शिकायतें आप तक लाएंगे। इतना ही नहीं ऐसे लोग खुद भी बच्चों से यही कहते हैं कि उनकी शिकायत पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसे में अभिभावकों को चाहिए कि सहज-सुरक्षित परिस्थितियों में भी बच्चों को यह भरोसा दिलाते रहें कि उनकी हर बात सुनी और समझी जाएगी। ताकि ऐसे दुर्व्यवहार को लेकर वे आप से बिना हिचक अपनी बात बता सकें, शिकायत कर सकें, उलझन से निकल सकें।

विश्वास हो अंधा विश्वास नहीं

आज के असुरक्षित परिवेश में जरूरी है कि बच्चों के मामले में हर किसी पर आंख मूंद कर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। आए दिन हो रही घटनाएं बताती हैं कि मासूमों के साथ दुर्व्यवहार करने वाला घरेलू सहायक, ट्यूशन टीचर, करीबी रिश्तेदार या पड़ोसी, परिचित-अपरिचित कोई भी हो सकता है। अवसर पाकर बच्चों के साथ दरिंदगी करने वाले कुत्सित मानसिकता के लोग अपना-पराया नहीं देखते। दुखद, पर सच है कि इस मामले में अब हर कोई संदेह के घेरे में है। जहां स्कूल परिसर से लेकर घर के आंगन तक बच्चों को शोषण का दंश मिल रहा है, वहां यह शंका लाजिमी भी है। कई बार तो शोषण करने वाले लोग बच्चों को डराते भी हैं। ऐसे लोगों के गलत इरादे समय रहते पहचानिए। किसी और पर आंख मूंद कर किया भरोसा अपने ही बच्चे के मन को अविश्वास का घाव न दे जाए।

व्यवहार पर करें गौर

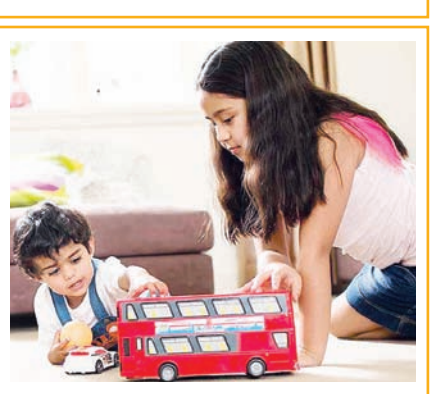

बच्चे का बदलता व्यवहार उसके साथ हो रहे दुर्व्यवहार को बिन कहे बताने को काफी होता है। बाल यौन शोषण से जुड़ी अधिकतर घटनाओं में पेरेंट्स आगे चलकर महसूस करते हैं कि कैसे उनका बच्चा चुप रहने लगा था। अपनों-परायों से कटकर आत्मकेंद्रित हो गया था। फ्रेंड्स से दूरी बना ली थी। बच्चा किसी विशेष व्यक्ति को अचानक नापसंद करने लगा था। उसका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा था। खान-पान में अरुचि हो गई थी या फिर पढ़ाई में पिछड़ने लगा था। एक सजग अभिभावक बन मासूम मन की पीड़ा का संकेत कहे जा सकने वाले व्यवहार के इन बदलावों पर समय रहते गौर कीजिए। बालमन की अनकही भावनात्मक टूटन को समझने के लिए उनके साथ वक्त बिताएं। बातों-बातों में गुड टच बैड टच के बारे में समझाएं। कई बार बच्चे ऐसी समझाइश के समय अपना मन खोलते हैं।

सहज और सरल हों बंधन

आजकल अधिकांश अभिभावक यह कहते नज़र आते हैं कि वे तो बच्चों को कुछ नहीं कहते, 'वी आर लाइक फ्रेंड्स'। कुछ हद तक यह बर्ताव सही भी है। अभिभावकों का अपने बच्चे का दोस्त होना सबसे ज्यादा ज़रूरी है, पर माता-पिता होने के नाते उसे समयानुसार कुछ सधी बातें कहना और समझाना भी उनकी ही जिम्मेदारी है। बच्चों की सही परवरिश के लिए उनका दोस्त बनने के साथ ही जीवन के भले-बुरे रंगों से खुलकर परिचित करवाना भी आवश्यक है। नई पीढ़ी के लिए खुलापन ही नहीं, सहज-सरल बंधन और नियम भी जरूरी हैं, क्योंकि बंधन जीवन को बांधते ही नहीं, साधते भी हैं। यों भी आज के बचपन से अनगिनत जोखिम भरी बातें जुड़ गई हैं। जिनसे उपजते भटकाव के परिवेश में बच्चों को कुछ कहने और न कहने के बीच एक संतुलन ज़रूरी है।

स्नेह और सीख संग हो परवरिश

मौजूदा दौर में स्मार्ट गैजेट्स और सहूलियतों के बीच पलते बच्चों की संभाल-देखभाल कई मोर्चों पर विचारणीय हो चली है। आज के बच्चे कम उम्र में ही समझने लगे हैं कि कोई विचार या व्यवहार उनके साथ जोड़ा जा रहा है या उनपर थोपा जा रहा है। वहीं इस खुले और बदलते परिवेश में बच्चों को बिना किसी नियंत्रण और समझाइश के भी नहीं रखा जा सकता और बालमन को बांधना भी संभव नहीं। एक संतुलन बनाना आज की परवरिश की अहम दरकार है। हद से ज्यादा खुलापन और जरूरत से ज्यादा बंधन दोनों ही बालमन को दिशाहीन करते हैं। बच्चों के व्यक्तित्व विकास की सहज प्रक्रिया में बाधा बनते हैं। ऐसे में यह रिश्ता मनोबल और मार्गदर्शन के भाव-चाव को लिये हो तो हर दौर में बच्चों को थामा जा सकता है।

जिंदगी का सबक

इसमें कोई बुराई नहीं कि बच्चों को जीवन के हर पहलू का परिचय घर से मिले। आजकल अधिकतर माता-पिता बच्चों के लिए सुख-सुविधाएं जुटाने की भागमभाग में गुम हैं। बच्चों के जीवन में भी जरूरतों की जगह इच्छाओं ने ली है। कई मायनों में बच्चों का व्यवहार भी बदल गया है। कभी बात-बात पर गुस्सा हो जाते हैं। ऐसे में उनके भावी व्यक्तित्व को सही दिशा देने के लिए जरूरी है कि बड़े अपनी उम्मीदों को उनपर न थोपें। वहीं हर बच्चे में अलग गुण होते हैं। एक की तुलना दूसरे से नहीं की जा सकती। इसीलिए समय निकालकर उनसे बतियाएं भी। लेकिन हमारे परिवारों में बच्चों से बातें अधिकतर उनकी पढ़ाई या उनको दी जाने वाली समझाइश से ही जुड़ी होती हैं। उनके मन-मस्तिष्क की उलझनें नहीं सुनी जातीं। ऐसे में समझना होगा कि अपने मन की बात साझा करने का मौका नई पीढ़ी को शुरुआती पड़ाव पर ही न मिले तो उनके विचारों को विस्तार कहां से मिलेगा? उनसे पढ़ाई से इतर विषयों पर भी बातचीत की जाये। यही वजह है कि दोस्त बनकर जितना खुलापन दिया जाना आवश्यक है, मार्गदर्शक बनकर उनकी सोच की अगुआई करना भी उतना ही जरूरी है। स्नेह के साथ-साथ बच्चों को जिंदगी के सार्थक सबक दिए जाने भी आवश्यक हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। मेहनत करने वालों को सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि :-कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार अधिक रहने से थकान हो सकती है।

मिथुन राशि :- ऑफिस के कार्यों में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि :-उच्च अधिकारियों से बात करते समय संयम में रहें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

सिंह राशि :-परिजनों-मित्रों के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की मिलने के योग रहेंगे।

तुला राशि :- परिवार वालों के साथ समय बिता सकेंगे। बच्चों के करियर के लिए परिवार में बुजुर्गों से परामर्श लेंगे।

वृश्चिक राशि :-धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। किसी बड़े समारोह में जाने का मौका मिलेगा।

धनु राशि :-आज का दिन सामान्य रहेगा। संभलकर अपनी बात अपने जीवनसाथी के सामने रखें।

मकर राशि :-कार्य विस्तार के लिए नई योजना शुरू कर सकते हैं। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुम्भ राशि :- दिया धन वापस मिल सकता है। रिश्तेदारों की वजह से कुछ तनाव पैदा हो सकता है।

मीन राशि :-क्रोध पर काबू रखें। अस्थिर स्वभाव के चलते अपने प्रिय के साथ आपके मतभेद हो सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

पुजारा को कैसे आउट किया जाए, इसी पर होती थी चर्चा : रोहित शर्मा

मुंबई। चेतेश्वर पुजारा को कैसे आउट किया जाए? यह एक ऐसा सवाल था जिस पर रोहित शर्मा और मुंबई के उनके साथी जूनियर क्रिकेट के दिनों में अक्सर चर्चा करते थे, क्योंकि उन्हें पता था कि सौराष्ट्र का यह बल्लेबाज लगातार दो या तीन दिन बल्लेबाजी करके उनकी उम्मीदों पर सकता है।

रोहित ने खुलासा किया कि पुजारा का विकेट अक्सर आयु वर्ग के मैचों में उनकी टीम के लिए जीत या हार का अंतर होता था। यह इस दिग्गज बल्लेबाज के शुरुआती लक्षण थे, जिन्होंने 103 टेस्ट मैचों में 43.60 की औसत तथा 19 शतक और 35 अर्द्धशतक की मदद से 7,195 रन बनाए। रोहित ने गुरुवार को यहां पुजारा की पत्नी पूजा की किताब 'द डायरी ऑफ ए क्रिकेटर्स वाइफ' के विमोचन के अवसर पर कहा, ''मुझे अब भी याद है कि टीम बैठकें सिर्फ इसी पर केंद्रित होती थीं कि उसे कैसे आउट किया जाए और अगर हम उसे आउट नहीं कर पाते हैं तो हम मैच हार सकते हैं।'' पूर्व भारतीय कप्तान ने मजाक में कहा कि पुजारा के खिलाफ खेलने से उनका चेहरा इतना बदल जाता था कि उनकी मां भी थोड़ी परेशान हो जाती थीं। उन्होंने कहा, ''मुझे बस इतना याद है कि जब मैं 14 साल का था और मैदान से शाम को जब वापस आता था, तो मेरे चेहरे का रंग बिल्कुल बदल जाता था।'' रोहित ने कहा, ''क्योंकि वह पूरे दिन बल्लेबाजी करता था और हमें दो-तीन दिन तक धूप में फील्डिंग करनी पड़ती थी। मुझे अब भी याद है कि मेरी मां ने मुझसे कई बार पूछा था कि जब तुम घर से खेलने जाते हो, तो तुम अलग दिखते हो और जब तुम एक हफ्ते या 10 दिन बाद घर आते हो, तो तुम अलग दिखते हो।'' रोहित ने कहा, ''मैं कहता था, मां मैं क्या करूं। चेतेश्वर पुजारा नाम का एक बल्लेबाज है। वह तीन दिनों से बल्लेबाजी कर रहा है।' पुजारा को लेकर हमारी शुरुआती धारणा यही थी।'' रोहित ने कहा कि करियर की शुरुआत में दोनों घुटनों में एसीएल (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) की चोट के बावजूद 100 से अधिक टेस्ट खेलने का श्रेय पुजारा को दिया। उन्होंने कहा, ''(यह) बहुत बड़ी और बहुत बुरी चोट थी। उसकी दोनों एसीएल चली गई थीं। किसी भी क्रिकेटर, एक खिलाड़ी के लिए यह बहुत मुश्किल होता है जब वह अपनी दोनों एसीएल गंवा देता है।

इसके बावजूद वह भारत की तरफ से 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने में सफल रहा। इसका पूरा श्रेय पुजारा को जाता है।'' इस अवसर पर पुजारा ने 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को अपने करियर की सबसे मुश्किल श्रृंखला बताया। पुजारा ने कहा, ''मैं एक घटना का जिक्र कर सकता हूं। भारतीय टीम जब 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 200 रन के आसपास आउट हो रही थी तो वह मेरे करियर का सबसे मुश्किल दौर था।'' उन्होंने कहा, ''वह बेंगलुरु में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच था। हमारी टीम ने पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था और दूसरी पारी में भी हम परेशानी में थे, लेकिन मैंने अनिल (कुंबले) भाई से नाथन लियोन से निपटने के तरीके के बारे में बात की और उन्होंने तकनीक को लेकर एक सुझाव दिया जिससे मुझे फायदा मिला।'' पुजारा और रोहित दोनों ने अपने माता-पिता द्वारा उनके करियर को आगे बढ़ाने के लिए किए गए संघर्षों को याद किया। पुजारा ने कहा, ''जब मैं 17 साल का था तब मेरी मां का निधन हो गया था लेकिन जब मैं छोटा था तो मेरे माता-पिता ने मेरा पूरा समर्थन किया। पूजा ने किताब में इसका अच्छी तरह से वर्णन किया है। मुझे याद है कि मेरी मां ने मुझसे कहा था तुम जीवन में जो कुछ भी करो उससे पहले तुम्हें एक अच्छा इंसान बनना पड़ेगा।'' रोहित ने कहा, ''मुझे मेरे माता-पिता का शुरू से भरपूर समर्थन मिला। मैं जानता हूँ कि उन्होंने मेरे और मेरे भाई के लिए कितने त्याग किए हैं, ताकि हम अपनी जिंदगी में वो कर सकें जो हमें करना चाहिए।

एनसी क्लासिक में पोलैंड के कोनेसी ने जापान के डीन की जगह ली

बेंगलुरु। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए आयोजकों ने शुक्रवार को 12 सदस्यीय प्रवेश सूची की पुष्टि की जिसमें पोलैंड के मार्टिन कोनेसी एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जापान के जेनकी डीन की जगह लेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन पांच जुलाई को होगा। भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता मूलतः 24 मई को आयोजित होनी थी। पिछले महीने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा द्वारा आयोजित और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा अनुमोदित इस कार्यक्रम में विश्व स्तरीय सात शीर्ष अंतरराष्ट्रीय थ्रोअर और चोपड़ा सहित पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। इस टूर्नामेंट में कोनेसी के अलावा विदेशी प्रतियोगियों में ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स , जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर , कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो , श्रीलंका के रुमेश पथिरगे , ब्राजील के लुईस मौरिसियो दा सिल्वा और अमेरिका कर्टिस थॉम्पसन जैसे खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। भारतीय दल में चोपड़ा के अलावा एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल शामिल होंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकूला में होना था लेकिन लाइव प्रसारण के लिए अपर्याप्त रोशनी व्यवस्था के कारण इसे बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसे विश्व एथलेटिक्स द्वारा श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है। इसे चोपड़ा का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' माना जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत को शीर्ष स्तर की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के विश्वसनीय मेजबान के रूप में स्थापित करना है। आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी। इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं।

वाणी आखिरी नौ होल में चार बर्डी के दम पर बनीं चैंपियन

बेंगलुरु। वाणी कपूर ने खराब शुरुआत से उबरते हुए आखिरी नौ होल में चार बर्डी लगाकर हीरो महिला पेशेवर गोल्फ टूर (डब्ल्यूपीजीटी) के आठवें चरण में शानदार जीत दर्ज की। यह मौजूदा सत्र में वाणी का चौथा खिताब है। वाणी तीसरे दौर में आठ होल के बाद दो ओवर के स्कोर के साथ पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने नौवें होल में बर्डी लगाने के बाद 12वें से 15वें होल में लगातार चार बर्डी के दम पर शानदार वापसी कर तीन अंडर 67 का कार्ड खेला। वाणी ने कुल पांच अंडर 205 (67-71-67) का स्कोर कर तीन शॉट से जीत दर्ज की। एमेच्योर जारा आनंद (67) ने पेशेवर सर्किट पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ दूसरे स्थान पर रही। उन्होंने दो अंडर 208 का स्कोर किया। नेहा त्रिपाठी एक अंडर 209 (76-68-65) के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रही।

सात्विक-चिराग इंडोनेशिया ओपन से बाहर

जकार्ता। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल टीम शुक्रवार को यहां क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के मैन वेई चोंग और टी काई वुन से हारकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यहां 2023 में खिताब जीतने वाली भारतीय जोड़ी को मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ 43 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। मलेशिया की टीम की पांच मुकाबलों में भारतीय जोड़ी के खिलाफ यह पहली जीत है। सात्विक-चिराग की हार के साथ प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। भारतीय जोड़ी को अपनी सर्विस और रिटर्न में संघर्ष करना पड़ा। मैन और वुन ने पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स और जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स जीता था। पहले गेम में सात्विक ने दो शॉट नेट पर मारे, जिससे मलेशियाई टीम 9-7 से आगे हो गई। इंटरवल तक वे 11-9 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने इसके बाद थोड़ा

आक्रामक खेल दिखाया और 11-11 से बराबरी कर ली, लेकिन मैन और वुन ने 15-12 की बढ़त हासिल कर ली। मलेशियाई खिलाड़ियों ने दो बार नेट पर शॉट मारा, जिसके बाद भारतीयों ने वापसी करते हुए 17-17 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके। सात्विक ने नेट पर फिर से चूक की और मलेशियाई टीम को गेम प्वाइंट दे दिया। दूसरे गेम में भी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वह एक समय 3-7 से पीछे चल रही थी। मलेशियाई टीम ने इसके बाद भी अच्छा खेल दिखाया तथा दोनों टीम के बीच अंतर को 15-9 कर दिया। भारतीय जोड़ी हालांकि आसानी से हार मानने के लिए तैयार नहीं थी और उन्होंने जल्द ही स्कोर 16-18 कर दिया। मलेशिया की टीम ने हालांकि इसके बाद चार मैच प्वाइंट हासिल किए और बिना किसी परेशानी के जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

फ्रांस को हराकर स्पेन नेशंस लीग के फाइनल में

स्टटगार्ट। युवा खिलाड़ी लेमिन यामल के दो गोल की मदद से स्पेन ने नेशंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में फ्रांस को 5-4 से हरा दिया। सत्रह वर्षीय यामल ने गुरुवार को फ्रांस के डिजायर डू और ओसमान डेम्बेले जैसे युवा खिलाड़ियों के सामने खुद को बेहतर साबित किया, जिससे स्पेन ने डिडिएर डेसचैम्प्स की टीम के खिलाफ शुरू में दबदबा बनाते हुए रविवार को पुर्तगाल के खिलाफ होने वाले फाइनल में जगह बना ली। पुर्तगाल ने बुधवार को मेजबान देश जर्मनी को 2-1 से हराया था। यह नेशंस लीग के इतिहास में सर्वाधिक स्कोर वाला मैच था। फ्रांस ने चार में से तीन गोल तब किए जब यामल ने स्कोर 5-1 कर दिया था और स्पेन के खिलाड़ी अपनी जीत को पक्की मान चुके थे।

भारतीय कंपाउंड तीरंदाज विश्व कप से बाहर

अंताल्या (तुर्की)। भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने शुक्रवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के तीसरे चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया तथा कोई भी खिलाड़ी व्यक्तिगत वर्ग में पदक दौर तक नहीं पहुंच सका। शंघाई में पिछले चरण में दो स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक के साथ दक्षिण कोरिया के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाला भारत यहां अभी तक पदकों का खाता नहीं खोल पाया है।

चौथी वरीयता प्राप्त और पिछले विश्व कप की विजेता मधुरा धामनगांवकर को क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको की पांचवीं वरीयता प्राप्त मारियाना बर्नल ने हराया। मधुरा को महिला व्यक्तिगत वर्ग में 152-159 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन अदिति स्वामी भी अंतिम आठ चरण में मैक्सिको की दूसरी वरीयता प्राप्त एंड्रिया बेसेरा से 147-152 से

हारकर बाहर हो गईं। पुरुष वर्ग में 13वीं वरीयता प्राप्त ऋषभ यादव क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के 28वीं वरीयता प्राप्त निकोलस गिरार्ड से 149-157 से हार गए। यादव ने इससे पहले प्री क्वार्टर फाइनल में अपने सीनियर साथी अभिषेक वर्मा को 157-154 से हराया था। विश्व चैंपियन ओजस देवताले को पहले ही दौर में अमेरिका के जेम्स लुट्ज से 157-161 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले गुरुवार को भारत रिकर्व और कंपाउंड दोनों वर्गों की टीम स्पर्धाओं से भी बाहर हो गया था। भारतीय खिलाड़ी अब मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना भाग्य आजमाएंगे। इसके अलावा भारत की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धाओं पर भी उम्मीदें टिकी होंगी।

सप्तक तलवार की स्विस चैलेंज गोल्फ में अच्छी शुरुआत

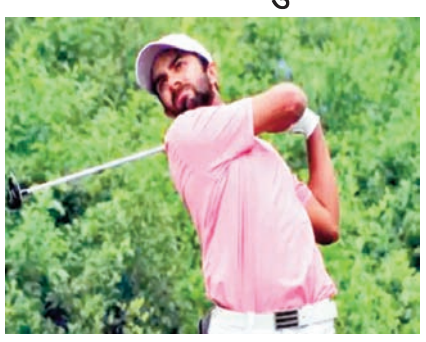

ल्यूसर्न (स्विट्जरलैंड)। भारतीय गोल्फर सप्तक तलवार ने यहां स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में दो अंडर 69 का कार्ड खेला और वह संयुक्त 39वें स्थान पर हैं। तलवार ने बैक नाइन से शुरुआत की और 11वें, 16वें और 18वें होल में बर्डी हासिल की। उन्होंने छठे होल में दिन का अपना एकमात्र शॉट गंवाया और 69 का कार्ड बनाया। यह 26 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी पिछले सप्ताह चैलेंज डे कैडिज में कट से चूकने के बाद इस सप्ताह अपनी गलती सुधारना चाहेगा। तलवार इस सप्ताह से पहले सात प्रतियोगिताओं में दो बार कट से चूके हैं। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद इंग्लैंड के डेविड होर्सी आठ अंडर 63 का स्कोर बनाकर शीर्ष पर थे।

पीयूष चावला ने की क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा

नयी दिल्ली, छह जून (भाषा) भारत की दो विश्व कप विजेता टीमों का हिस्सा रहे अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला ने दो दशक से अधिक लंबे करियर के बाद शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। इस 36 साल के खिलाड़ी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये संन्यास की घोषणा करने के साथ 'नये सफर' की शुरुआत का जिक्र किया लेकिन उसके बारे में कोई विवरण नहीं दिया।

चावला ने लिखा, '' मैदान पर दो दशक से ज्यादा समय बिताने के बाद अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है।'' उन्होंने कहा, '' मैं भले ही क्रीज से दूर जा रहा हूं लेकिन मेरे अंदर क्रिकेट हमेशा जिंदा रहेगा। अब मैं इस खूबसूरत खेल की भावना और सबक के साथ एक नये सफर पर निकलने के लिए उत्सुक हूं।'' चावला 2007 और 2011 में क्रमशः भारत की टी20 और वनडे विश्व कप विजेता टीमों के सदस्य थे। उन्होंने तीन टेस्ट, 25 वनडे और सात टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और खेल के तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में 43 विकेट लिए।

चावला ने कहा, '' शीर्ष स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक का सफर मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी।'' उन्होंने अपने सभी कोच, टीमों और आईपीएल फ्रेंचाइजी को अपने करियर को संवारने में भूमिका निभाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आईपीएल में अपने समय को 'करियर का विशेष अध्याय' करार दिया। आईपीएल में कई फ्रेंचाइजी टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाले चावला ने लिखा, '' आईपीएल की जिन फ्रेंचाइजियों (पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस) ने मुझ पर भरोसा जताया उनका तहे दिल से शुक्रिया।'' उन्होने कहा, '' इंडियन प्रीमियर लीग मेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है और मैंने इसमें खेलते हुए हर पल का आनंद लिया है। मैं अपने कोच के.के. गौतम और स्वर्गीय पंकज सारस्वत का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में विकसित करने में अहम योगदान दिया है।'' उन्होंने कहा, '' आज मेरे लिए बेहद भावुक दिन है क्योंकि मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं।'' वह केकेआर की 2014 आईपीएल विजेता टीम का हिस्सा थे और उन्होंने बेंगलुरु में पंजाब किंग्स के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गौतम गंभीर की अगुवाई वाली टीम के लिए विजयी रन लिया था।

उन्होंने कहा, '' मैं यहां अपने दिवंगत पिता का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा जिनके मुझ पर विश्वास ने मुझे वह रास्ता दिखाया जिस पर मैं चला। उनके बिना यह यात्रा कभी संभव नहीं होती।'' चावला ने 15 साल की उम्र में अपने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट की शुरुआत की और भारत अंडर-19 और उत्तर प्रदेश अंडर-22 टीमों का भी प्रतिनिधित्व किया। वह उस समय चर्चा में आए जब उन्होंने 'चैलेंजर सीरीज' 2005-06 में सचिन तेंदुलकर को गुगली पर बोल्ड किया। उन्होंने 17 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी में पदार्पण किया था। चावला ने घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 1000 से अधिक विकेट लिए हैं।

फ्रेंच ओपन : कोको गाफ का सामना फाइनल में सबालेंका से

पेरिस। अमेरिका की कोको गाफ का सामना शनिवार को फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका से होगा । तीन साल पहले फ्रेंच ओपन में पदार्पण करने वाली 18 साल की गाफ फाइनल में हार गई थी । उन्होंने इस बार फ्रांस की वाइल्ड कार्डधारी लोई बोइसों को 6 .1, 6 . 2 से हराकर फाइनल में जगह बनाई । सबालेंका ने मई में मैड्रिड ओपन में गाफ को हराया था । इस बार उन्होंने सेमीफाइनल में गत चैम्पियन इगा स्वियातेक को 7 . 6, 4 . 6, 6 . 0 से मात दी ।

उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

सियोल। चीन का 2002 के बाद पहली बार विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने का सपना गुरुवार को इंडोनेशिया के हाथों हार के साथ टूट गया जबकि उज्बेकिस्तान और जॉर्डन ने पहली बार इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। चीन को जहां करारा झटका लगा वहीं दक्षिण कोरिया ने लगातार 11वीं बार विश्व कप में अपनी जगह पक्की की। विश्व कप फुटबॉल अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में आयोजित किया जाएगा।

अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ उज्बेकिस्तान के लिए ग्रुप ए में ईरान के बाद दूसरा स्वतः क्वालीफिकेशन स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त था। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया ने इराक को 2-0 से हराकर विश्व कप मे अपना स्थान पक्का किया। दक्षिण कोरिया की दो गोल के अंतर से जीत जॉर्डन के लिए पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के लिए पर्याप्त थी। उसने इससे पहले ओमान को 3-0 से हराकर शीर्ष दो में जगह बनाई थी। जॉर्डन की तरफ से तीनों गोल अली ओलवान ने किए।

ग्रुप सी में चीन को जकार्ता में इंडोनेशिया के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। चीन इस तरह से विश्व कप में क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर हो गया है। वह 2002 में आखिरी बार विश्व कप में खेला था जब इसका आयोजन जापान और दक्षिण कोरिया में किया गया था। इस ग्रुप के एक अन्य मैच में अज़ीज़ बेहिच के अंतिम मिनट में किये गए गोल से ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में पहले से ही क्वालीफाई कर चुकी जापान की टीम को 1-0 से हराया। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम लगातार छठी बार विश्व कप में खेलने के करीब पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया की जापान के खिलाफ 16 वर्षों में यह पहली जीत थी।

डी गुकेश ने वेई यी को हराया, कार्लसन के साथ बने खिताब के दावेदार

स्टावेंजर (नॉर्वे)। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में चीन के वेई यी को हराकर तीन अंक हासिल किए और नॉर्वे के स्टार मैग्नस कार्लसन के साथ खिताब के लिए शीर्ष दावेदार बन गए। अब जब कि केवल एक दौर की बाजी खेली जानी बाकी है तब गुकेश 14.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि पांच बार के विश्व चैंपियन कार्लसन छह खिलाड़ियों के डबल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में उनसे केवल आधा अंक आगे हैं। कार्लसन ने हारने की स्थिति से वापसी करते हुए अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को हराया और पूरे अंक हासिल किए।

अंतिम दौर में गुकेश का मुकाबला कारूआना से, जबकि कार्लसन का मुकाबला भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी से होगा। दोनों ही खिताब और 69,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित करना चाहेंगे। अमेरिका के एक अन्य खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा के 13 अंक हैं और उनके पास भी खिताब जीतने का मौका है।

नाकामुरा ने एरिगैसी को आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हराया। भारतीय खिलाड़ी के 11.5 अंक हैं। महिला वर्ग में दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी काले मोहरों से खेलते हुए चीन की लेई टिंगजी से हार गई। हम्पी अब 13.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने चीन की विश्व चैंपियन जू वेनजुन (12.5) को हराकर भारतीय खिलाड़ी पर दो अंकों की बढ़त ले ली है। प्रतियोगिता में भाग ले रही भारत की एक अन्य खिलाड़ी आर वैशाली (9.5) स्पेन की सारा खादेम (09) से हार गईं।

न्यूजीलैंड पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच बने रॉब वाल्टर

क्राइस्टचर्च। अगले तीन सालों के लिए सभी फॉर्मेट में रॉब वाल्टर को 'ब्लैककैप्स' का हेड कोच नियुक्त किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। रॉब वाल्टर की नियुक्ति जून के मध्य से लेकर अक्टूबर-नवंबर 2028 में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप तक प्रभावी रहेगी।

इसका मतलब है कि वाल्टर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, 2028 एलए ओलंपिक और तीन प्रमुख आईसीसी ईवेंट्स (आईसीसी 2026 टी20 वर्ल्ड कप, आईसीसी 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप और आईसीसी 2028 टी20 वर्ल्ड कप) समेत एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में कीवी टीम की देखरेख करेंगे। रॉब वाल्टर ने न्यूजीलैंड पुरुष टीम के हेड कोच के रूप में बेहद सफल रहे गैरी स्टीड की जगह ली है। वाल्टर का कहना है कि वह गैरी स्टीड के शानदार काम को आगे बढ़ाने के साथ खिलाड़ियों और स्टाफ के ऐसे हाई परफॉरमेंस ग्रुप में योगदान देने की जिम्मेदारी मिलने पर सम्मानित और

उत्साहित हैं। 'एनजेडसी' ने वाल्टर के हवाले से कहा, ''ब्लैक कैप्स पिछले कुछ समय से विश्व पटल पर एक सफल और उच्च-सम्मानित टीम रही है। इसमें योगदान देने का मौका मिलना सच में सौभाग्य की बात है।

ऐसे समय में खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के इतने टैलेंटेड ग्रुप के साथ काम करना एक अद्भुत मौका है, जिसमें इतने सारे ग्लोबल इवेंट्स के साथ-साथ द्विपक्षीय सीरीज भी आयोजित की जाएंगी। यह रोमांचक है, यह चुनौतीपूर्ण है और सभी के लिए मौका बहुत बड़ा है।'' वाल्टर का जन्म दक्षिण अफ्रीका में हुआ था। वह हाल ही में दक्षिण अफ्रीकी पुरुष क्रिकेट टीम (व्हाइट बॉल) के कोच थे। दक्षिण अफ्रीकी टीम वाल्टर के मार्गदर्शन में क्रिकेट वर्ल्ड कप-2023 के सेमीफाइनल, चैंपियंस ट्रॉफी-2025 के सेमीफाइनल और टी20 विश्व कप- 2024 के फाइनल में पहुंची थी। वाल्टर ने साल 2022 में भारत में पुरुषों की न्यूजीलैंड ए टीम को भी कोचिंग दी। वह इससे पहले पुणे वारियर्स और दिल्ली डेयरडेविल्स के असिस्टेंट कोच रहने के अलावा दक्षिण अफ्रीकी टीम ईस्टर्न टाइटंस के हेड कोच भी रह चुके हैं। वाल्टर ने पहले ओटागो वोल्ट्स और सेंट्रल स्टैग्स के लिए हेड कोच की भूमिकाएं निभाईं। ओटागो वोल्ट्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान वाल्टर ने टीम को 2019-20 में सुपर स्मैश प्ले-ऑफ में पहुंचाया और 2018-19 और 2019-20 में बैक-टू-बैक फोर्ड ट्रॉफी फाइनल में पहुंचाया। सेंट्रल स्टैग्स के साथ उनका समय और भी प्रभावशाली था। टीम ने 2021-22 में फोर्ड ट्रॉफी फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद 2022-23 में फोर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड दोनों में चैंपियनशिप जीत हासिल की।

एनजेडसी के चीफ एग्जीक्यूटिव स्कॉट वेनिंक ने इसे वाल्टर के लिए यह सही समय और जगह बताया है। वेनिंक ने कहा, ''रॉब एक वर्ल्ड क्लास कोच हैं, जिनका अनुभव शानदार है। न्यूजीलैंड के डोमेस्टिक गेम में उनकी सफलता, दक्षिण अफ्रीका के साथ वैश्विक मंच पर उनकी हालिया उपलब्धियों के साथ मिलकर उन्हें ब्लैककैप्स को लीड करने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाती है। हम रॉब का घर पर स्वागत करते हुए उत्साहित हैं, जो हमारी टीम को तीन प्रमुख आईसीसी इवेंट्स सहित एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण अवधि के माध्यम से मार्गदर्शन करेंगे।''

पाकिस्तान के साथ भारत के संघर्ष की स्थिति में चीन को नजरअंदाज करना असंभव: थरूर

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा है कि भारत एवं पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के परिदृश्य में चीन एक ऐसा कारक है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन के रिश्तों पर जमी बर्फ पिघलने की कवायद इस संघर्ष से पहले, पिछले कुछ महीनों में 'अच्छी प्रगति करती प्रतीत हो रही थी।'

अमेरिका में सर्वदलीय संसदीय दल का नेतृत्व कर रहे थरूर ने कहा कि मैं स्पष्ट तरीके से अपनी बात कहूंगा। हम जानते हैं कि चीन का पाकिस्तान में बहुत बड़ा हित है। उन्होंने बृहस्पतिवार को यहां भारतीय दूतावास में 'थिंक टैंक' के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। थरूर ने कहा कि 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' के तहत सबसे बड़ी एकल परियोजना चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा है और 81 प्रतिशत पाकिस्तानी रक्षा उपकरण चीन से आए हैं। उन्होंने कहा कि यहां रक्षा शायद गलत शब्द है। कई मायनों में आक्रमण करने के उपकरण (सही शब्द है)। थरूर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संघर्ष की स्थिति में चीन को नजरअंदाज करना बिल्कुल असंभव कारक है। उन्होंने कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद से चीन और भारत के बीच तनाव के बावजूद 'चीन के साथ रिश्तों में जमी बर्फ पिछले साल सितंबर में वास्तव में पिघलने लगी थी और यह कवायद इस त्रासदी (भारत-पाकिस्तान संघर्ष) के होने से पहले अच्छी प्रगति कर रही थी।'

थरूर ने कहा कि फिर पाकिस्तान के लिए व्यावहारिक समर्थन के मामले में, यहां तक कि सुरक्षा परिषद में भी हमने एक बहुत अलग चीन देखा। उन्होंने कहा कि पड़ोस के संदर्भ में हमारे सामने क्या चुनौतियां हैं, इसे लेकर हमें कोई भ्रम नहीं है लेकिन मैं आप सभी को याद दिलाना चाहता हूं कि भारत ने अपने विरोधियों के साथ भी संवाद के माध्यम खुले रखने का रास्ता हमेशा चुना है। उन्होंने कहा कि हमने विकास, वृद्धि और व्यापार पर ध्यान केंद्रित करने की यथासंभव कोशिश की है। चीन के साथ हमारा व्यापार अब भी रिकॉर्ड स्तर पर है। ऐसा नहीं है कि हम शत्रुता का रुख अपना रहे हैं, लेकिन अन्य मौजूदा स्थितियों के बारे में जागरूक नहीं होना हमारी नासमझी होगी। पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 'जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले' पर 25 अप्रैल को एक प्रेस वक्तव्य जारी किया था, जिसमें सदस्यों ने इस हमले की 'अत्यंत कड़े शब्दों में' निंदा की थी।

प्रेस वक्तव्य में कहा गया था कि सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों एवं प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। हालांकि, प्रेस वक्तव्य में हमले के लिए जिम्मेदार समूह के रूप में 'द रेसिस्टेंस फ्रंट' का उल्लेख नहीं किया गया। पाकिस्तान चीन के समर्थन से इसका नाम हटाने में कामयाब हो गया। भारत और चीन ने पिछले साल अक्टूबर में पूर्वी लद्दाख में अंतिम दो टकराव बिंदुओं देपसांग और डेमचोक से सैन्य बलों को पीछे हटाने के समझौते को अंतिम रूप दिया था। समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के कुछ दिनों बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने रूस के कजान में वार्ता की तथा संबंधों को बेहतर बनाने के लिए कई निर्णय लिए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पिछले साल नवंबर में रियो डी जेनेरियो में जी-20 शिखर सम्मेलन के इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की थी और इस साल फरवरी में जोहनिसबर्ग में दोनों की फिर से मुलाकात हुई थी।

थरूर से 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस' में बातचीत के दौरान संघर्ष में भारत के खिलाफ पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए चीनी सैन्य उपकरणों के बारे में सवाल किया गया और यह पूछा गया कि क्या इसे लेकर कोई पुनः मूल्यांकन किया गया। थरूर ने कहा कि सच कहूं तो जब लड़ाई जारी थी, तब पुनर्मूल्यांकन किया गया था। उन्होंने कहा कि जब भारत ने देखा कि पाकिस्तानी चीनी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके क्या करने की कोशिश कर रहे हैं, उदाहरण के लिए तुरंत प्रतिक्रिया देने वाले एवं चीनी विशेषज्ञता वाले 'किल चेन' का इस्तेमाल जिसमें रडार, जीपीएस, विमान और मिसाइल सभी एक साथ जुड़े हुए हैं, इसे देखकर 'हमने चीजों को बस अलग तरीके से किया। अन्यथा, हम 11 पाकिस्तानी वायु सेना अड्डों को निशाना नहीं बना पाते और हम चीन द्वारा मुहैया कराई गई हवाई सुरक्षा को भेद नहीं पाते।'

थरूर ने कहा कि इसलिए यह स्पष्ट है कि लड़ाई के दौरान आकलन किए जा रहे थे और हम अपनी रणनीतियों को फिर से तैयार कर रहे थे ताकि हम यथासंभव प्रभावी कदम उठा सकें। उन्होंने कहा कि यह सच्चाई है कि चीन का पाकिस्तान में बहुत बड़ा हित है, 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' पर सबसे बड़ी एकल परियोजना पाकिस्तान में है- वह है 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा', इसलिए हमें इस बात को लेकर कोई भ्रम नहीं है कि चीन पाकिस्तान के प्रति कितनी प्रतिबद्धता महसूस करता है।

आतंकवाद विरोधी यूएनएससी समितियों में पाकिस्तान को पद मिलने का व्यावहारिक परिणाम नहीं निकलेगा: थरूर

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत मित्रहीन नहीं है और पाकिस्तान को सुरक्षा परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष बनाया जाना तथा आतंकवाद विरोधी समिति का उपाध्यक्ष बनाए जाने का कोई व्यावहारिक परिणाम नहीं निकलने वाला है। थरूर भारत द्वारा सामना किए जा रहे पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खतरे और आतंकवाद के खिलाफ भारत के मजबूत संकल्प के बारे में प्रमुख वार्ताकारों को जानकारी देने के लिए अमेरिका में एक बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। थरूर ने भारतीय दूतावास में बातचीत के दौरान कहा कि ये सभी समितियां आम सहमति पर काम करती हैं और किसी अध्यक्ष के लिए अकेले दम पर कुछ ऐसा करवा पाना संभव नहीं है जिसका अन्य विरोध करते हैं या किसी विशेष विचारधारा को आगे बढ़ाते हैं जिसका अन्य देश समर्थन नहीं करते हैं। पाकिस्तान, 2025-26 के कार्यकाल के लिए सुरक्षा परिषद का एक अस्थायी सदस्य है और वह 2025 के लिए परिषद की तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा तथा 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आतंकवाद विरोधी समिति का उपाध्यक्ष होगा। गुयाना और रूस '1988 तालिबान प्रतिबंध समिति' के उपाध्यक्ष होंगे। अल्जीरिया '1373 आतंकवाद-रोधी समिति' की अध्यक्षता करेगा जबकि फ्रांस और रूस अन्य उपाध्यक्ष होंगे। पाकिस्तान 'दस्तावेजीकरण और अन्य प्रक्रियात्मक प्रश्नों एवं सामान्य यूएनएससी प्रतिबंध मुद्दों पर अनौपचारिक कार्य समूहों' का सह-अध्यक्ष भी होगा। भारत ने लगातार अंतरराष्ट्रीय समुदाय का इस बात की ओर ध्यान आकृष्ट किया है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित अधिकतर आतंकवादियों और संगठनों को पाकिस्तान में पनाह मिली है। अलकायदा नेता ओसामा बिन लादेन कई वर्षों तक पाकिस्तान के एबटाबाद में छिपा रहा और मई 2011 में अमेरिकी नौसेना के जवानों के एक अभियान में मारा गया। दूतावास में कई 'थिंक टैंक' समूहों और युवा पेशेवरों के साथ संसदीय प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के दौरान थरूर से पाकिस्तान द्वारा यूएनएससी की दो प्रतिबंध समितियों की अध्यक्षता करने के बारे में जब पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यूएनएससी की छह आतंकवाद निरोधक समितियां हैं। उन्होंने कहा कि परिषद के सदस्य बारी-बारी से ऐसी संस्थाओं की अध्यक्षता करते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए जब तक पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में है, तब तक इस तरह का 'विशेषाधिकार' उसे मिल सकता है। सुरक्षा परिषद में हम बिल्कुल मित्रहीन नहीं हैं, इसलिए हमें पूरा विश्वास है कि इस पद का कोई व्यावहारिक परिणाम नहीं निकलने वाला है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन इस पर सावधानीपूर्वक नजर रखेगा।

संक्षिप्त खबरें

मस्क ने अपने अंतरिक्ष कैप्सूल की सेवाएं तत्काल निलंबित करने की धमकी दी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के बीच बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर बहस के दौरान दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक अंतरिक्ष यात्रियों और अन्य वस्तुओं को ले जाने में इस्तेमाल किए जाने वाले अंतरिक्ष कैप्सूल की सेवाएं निलंबित करने की धमकी दी है। ट्रंप की ओर से मस्क की रॉकेट कंपनी 'स्पेसएक्स' और इंटरनेट उपग्रह सेवा 'स्टारलिंक' को दिए गए सरकारी अनुबंधों में कटौती करने की धमकी दिए जाने के बाद मस्क ने 'एक्स' पर अपने जवाब में कहा 'स्पेसएक्स अपने ड्रैगन अंतरिक्ष यान की सेवाएं तत्काल निलंबित करना शुरू कर देगा।' यह स्पष्ट नहीं है कि मस्क की धमकी कितनी असरदार साबित होगी, लेकिन सरकारी अनुबंधों की मदद से विकसित कैप्सूल, अंतरिक्ष स्टेशन के कामकाज को सुचारू रखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। नासा अन्य कार्यक्रमों के लिए भी 'स्पेसएक्स पर बहुत अधिक निर्भर है, जिसमें अन्य मिशन को अंतरिक्ष में भेजना और अंतरिक्ष यात्रियों को वापस लाना शामिल है। 'स्पेसएक्स' फिलहाल एकमात्र अमेरिकी कंपनी है जो ड्रैगन कैप्सूल के जरिए अंतरिक्ष स्टेशन से चालक दल को लाने-ले जाने में सक्षम है।

कोट डी आइवर में हैजा से सात लोगों की मौत

अबिदजान। कोट डी आइवर की राजधानी अबिदजान के दक्षिणी उपनगर में संक्रामक बीमारी हैजा से सात लोगों की मौत हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हैजा के प्रकोप से 45 लोग संक्रमित हो गए जिससे सात लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वच्छता संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर कौआडियो डैनियल एकरा ने कहा कि तटीय गांव व्रीडी अकोब्राक्रे में फैला प्रकोप 'अब नियंत्रण में है क्योंकि हमारी स्वास्थ्य टीमों ने लगातार चार दिनों तक कोई नया मामला नहीं देखा है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सभी मौतें प्रकोप के पहले दो दिनों में हुईं जिनमें से पांच की पहली रिपोर्ट 25 मई को आई। उन्होंने कहा कि प्रकोप को रोकने के लिए कोट डी आइवर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने निशुल्क चिकित्सा उपचार प्रदान करने, प्रभावित आबादी को पीने योग्य पानी वितरित करने और स्थानीय निवासियों को स्वच्छता किट वितरित करने सहित तत्काल उपाय अपनाए हैं।

रूस के एंजल्स में ड्रोन हमले के कारण आग लगी

मास्को। रूस के सारातोव क्षेत्र के एंजल्स शहर में ड्रोन हमले के कारण एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई है। क्षेत्रीय गवर्नर रोमन बुसारगिन ने यह जानकारी दी है।

ट्रंप टैरिफ इस साल की दूसरी छमाही में मंदी का कारण बनेंगे : मस्क

वॉशिंगटन। 'टेस्ला' और 'स्पेसएक्स' के सीईओ एलन मस्क ने शुक्रवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के नए व्यापार टैरिफ इस साल की दूसरी छमाही तक मंदी को बढ़ावा दे सकते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब दुनिया के सबसे अमीर आदमी और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच सार्वजनिक विवाद गहरा गया है।

मस्क ने अपने 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया कि ट्रंप टैरिफ इस साल की दूसरी छमाही में मंदी का कारण बनेगा। अगर अमेरिका की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाती है, तो बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता। ट्रंप और मस्क के बीच टकराव ने वित्तीय बाजारों में हलचल मचा दी है। गुरुवार (अमेरिकी समय) को टेस्ला के शेयर में 14 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे मार्केट वैल्यू में लगभग 150 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है। ट्रंप ने यह भी कहा कि सरकार के लिए पैसे बचाने का 'सबसे आसान तरीका' अरबपति और पूर्व सलाहकार मस्क को दिए जाने वाले कॉन्ट्रैक्ट्स और सब्सिडी को 'टर्मिनेट' करना होगा। इसके जवाब में मस्क ने कहा कि मेरे सरकारी अनुबंधों को रद्द करने के बारे में राष्ट्रपति के बयान के मद्देनजर, स्पेसएक्स अपने 'ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट' को तुरंत बंद करना शुरू कर देगा। ट्रंप की यह धमकी तब आई, जब मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति पर 'कृतघ्नता' का आरोप लगाया। मस्क ने कहा कि उनके बिना ट्रंप चुनाव हार जाते, उन्होंने पिछले साल ट्रंप को चुनाव में मदद करने के लिए 250 मिलियन डॉलर से अधिक डोनेट किए थे। मस्क ने पोस्ट किया कि कुछ बातें ध्यान देने लायक हैं: ट्रंप के पास राष्ट्रपति के रूप में साढ़े तीन साल बचे हैं, लेकिन मैं 40 से ज्यादा साल तक रहूंगा। जब मस्क ने राष्ट्रपति के टैक्स कट और खर्च योजनाओं के हस्ताक्षर बिल की आलोचना की, तो इस पर ट्रंप ने कहा कि वह मस्क से बहुत निराश हैं। इसके जवाब में मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'जो भी हो।'

अमेरिकी न्यायाधीश ने हार्वर्ड के विदेशी छात्रों को लेकर ट्रंप के हालिया प्रतिबंध पर अस्थायी रोक लगाई

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय न्यायाधीश ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय आने वाले विदेशी छात्रों के देश में प्रवेश पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए प्रतिबंध पर अस्थायी रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी इस घोषणा के कारण देश के सबसे पुराने और सबसे धनी कॉलेज के एक चौथाई छात्रों पर असर पड़ सकता है, जिनमें से अधिकतर हार्वर्ड के शोध और छात्रवृत्ति कार्यक्रम का हिस्सा होते हैं।

इससे कुछ समय पहले हार्वर्ड ने संघीय न्यायाधीश से ट्रंप के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की थी। संस्थान ने इसे व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) की मांगों को अस्वीकार करने के कारण हार्वर्ड के खिलाफ प्रतिशोध की भावना से किया गया कार्य कहा। बृहस्पतिवार को दायर एक संशोधित मुकदमे में हार्वर्ड ने कहा कि राष्ट्रपति पिछले अदालती आदेश को दरकिनार करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके कुछ समय बाद बोस्टन में 'यूएस डिस्ट्रिक्ट जज' एलिसन बरो ने ट्रंप की बुधवार की घोषणा के खिलाफ एक अस्थायी रोक का आदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड का कहना है कि मुकदमे में दोनों पक्षों को सुनने से पहले अगर यह रोक लगी तो इससे संस्थान को 'तत्काल और अपूरणीय क्षति' होगी। बरो ने हार्वर्ड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन को समाप्त करने के प्रशासन के पिछले प्रयास पर लगाई गई अस्थायी रोक को भी बढ़ा दिया। पिछले महीने गृह मंत्रालय ने विदेशी छात्रों को दाखिला देने और उनके वीजा के वास्ते कागजात जारी करने के लिए हार्वर्ड के प्रमाणन को रद्द कर दिया था, लेकिन बरो ने इस कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोक दिया था।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल और ड्रोन हमले, कीव में चार लोगों की मौत: मेयर

कीव। यूक्रेन पर रूस द्वारा बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से शुक्रवार सुबह किए गए हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य लोग घायल हो गए।

शहर के मेयर विताली क्लित्स्को ने यह जानकारी दी। क्लित्स्को ने बताया कि कई स्थानों पर खोज और बचाव अभियान जारी है। कीव शहर प्रशासन प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव में कई विस्फोटों की आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि वायु रक्षा प्रणालियों ने मिसाइल और ड्रोन को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले बीच रास्ते में रोकने की कोशिश की जिसके कारण गिरे मलबे से कई जिलों में आग लगने की घटनाएं हुईं। तकाचेंको ने 'टेलीग्राम पर लिखा कि हमारे वायु रक्षा दल हर संभव प्रयास कर रहे हैं लेकिन हमें एक-दूसरे की रक्षा करनी होगी- सुरक्षित रहें। प्राधिकारियों ने कई जिलों में नुकसान होने की सूचना दी है और बचावकर्मी कई स्थानों पर राहत एवं बचाव कार्यों में जुटे हैं।

सोलोमियांस्की जिले में 16 मंजिला आवासीय इमारत की 11वीं मंजिल पर आग लग गई। आपातकालीन सेवा कर्मियों ने अपार्टमेंट से तीन लोगों को निकाला और बचाव अभियान जारी है। धातु के एक गोदाम में भी आग लग गई। अधिकारी ने बताया कि हमले में कीव में दो स्टेशनों के बीच मेट्रो की पटरियां क्षतिग्रस्त हो गईं लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन प्रमुख दमित्रो ब्रायजिन्स्की ने बताया कि उत्तरी चेर्निहाइव क्षेत्र में शाहेद ड्रोन में एक अपार्टमेंट की इमारत के पास विस्फोट हुआ जिससे इमारत की खिड़कियां और दरवाजे टूट गए।

उन्होंने बताया कि शहर के बाहरी इलाकों में बैलिस्टिक मिसाइल से विस्फोट के मामले भी सामने आए। ये हमले ऐसे समय में किए गए हैं जब कुछ ही घंटों पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा था कि यूक्रेन और रूस को अलग करने तथा शांति स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ने से पहले इन दोनों को कुछ समय तक लड़ने देना बेहतर होगा। ट्रंप ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में बैठक के दौरान यूक्रेन में युद्ध की तुलना दो बच्चों के बीच लड़ाई से की, जो एक-दूसरे से नफरत करते हैं।

नाटो ने ट्रंप की पांच प्रतिशत रक्षा निवेश मांग को स्वीकार करने पर सहमति जताई

ब्रसेल्स। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रूट ने बृहस्पतिवार को कहा कि नाटो में अमेरिका के अधिकतर सहयोगी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस मांग का समर्थन करते हैं कि वे अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांच प्रतिशत अपनी रक्षा आवश्यकताओं पर निवेश करें और सुरक्षा खर्च को और भी बढ़ाने के लिए तैयार रहें। रूट ने ब्रसेल्स में नाटो रक्षा मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि ट्रंप के इस प्रस्ताव को व्यापक समर्थन मिला है।

उन्होंने कहा कि 'हम वास्तव में बेहद करीब हैं और हमें पूरा विश्वास है कि तीन सप्ताह में होने वाले अगले नाटो शिखर सम्मेलन में इस पर सहमति बन जाएगी'। रूस द्वारा 2022 में यूक्रेन पर व्यापक पैमाने पर आक्रमण शुरू किए जाने के बाद से यूरोपीय सहयोगी और कनाडा अपने सशस्त्र बलों के साथ-साथ हथियारों और गोला-बारूद पर भारी निवेश कर रहे हैं।

कुछ देशों ने सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत रक्षा पर निवेश करने की अमेरिकी मांगों पर आपत्ति जताई है वर्ष 2023 में जब यूक्रेन पर रूस का युद्ध दूसरे वर्ष में प्रवेश कर गया तो नाटो नेताओं ने राष्ट्रीय रक्षा बजट पर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम दो प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने पर सहमति व्यक्त की थी। अब तक, 32 सदस्य देशों में से 22 ने ऐसा किया है और अन्य अभी भी ऐसा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

जापान का चंद्र मिशन असफल रहा, निजी लैंडर चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ

टोक्यो। जापान का एक निजी लैंडर शुक्रवार को चंद्रमा पर उतरने का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टोक्यो स्थित कंपनी आईस्पेस ने लैंडर से संपर्क टूटने के कई घंटे बाद मिशन को विफल घोषित किया।

प्रक्षेपण नियंत्रकों ने संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उन्हें कोई संदेश नहीं मिला जिसके बाद उन्होंने कहा कि वे मिशन को समाप्त कर रहे हैं। अंतरिक्ष यान के मिनी रोवर के साथ चंद्रमा पर उतरने से दो मिनट पहले ही संचार बंद हो गया। उससे पहले तक ऐसा लग रहा था कि चंद्रमा की कक्षा से उतरने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। आईस्पेस के

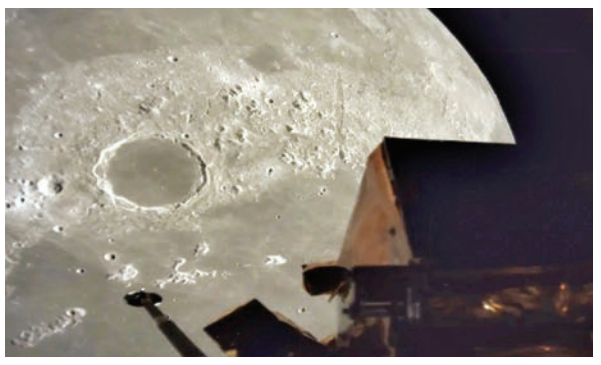

मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संस्थापक ताकेशी हाकामादा ने मिशन में योगदान देने वाले सभी लोगों से माफी मांगी। यह आईस्पेस का दूसरा चंद्र मिशन था। कंपनी का चंद्रमा पर पहुंचने का पहला प्रयास भी दो साल पहले विफल रहा था जिसके बाद इसके लैंडर का नाम 'रेसिलिएंस' रखा गया। 'रेसिलिएंस' चंद्रमा की धूल इकट्ठा करने के लिए फावड़े के साथ एक रोवर और चंद्रमा की धूल भरी सतह पर रखने के लिए एक स्वीडिश कलाकार का बनाया लाल रंग का खिलौनाघर भी लेकर गया था।

कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि क्या एक ही समस्या के कारण दोनों मिशन असफल हुए। हाकामादा ने संवाददाताओं से कहा कि यह दूसरी बार है जब हम उतरने में असमर्थ रहे। इसलिए हमें इसे बहुत गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि कंपनी और अधिक चंद्र मिशनों पर काम करेगी।

पाकिस्तान के पूर्व मंत्री की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अपने घर पर गैस रिसाव से हुए विस्फोट में घायल हुए पूर्व मंत्री की शुक्रवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कोहाट जिले में स्थित उनके आवास पर बृहस्पतिवार को गैस रिसाव से हुए विस्फोट में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के पूर्व सांसद अब्बास खान अफरीदी समेत तीन लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने कहा कि चिकित्साकर्मियों के प्रयासों के बावजूद, विस्फोट में गंभीर रूप से घायल होने के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अफरीदी एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती थे और वह पूर्व में संघीय मंत्री और सीनेटर रह चुके थे। उन्होंने वर्ष 2024 में पीएमएल-एन पार्टी के साथ-साथ राजनीति से भी इस्तीफा दे दिया था।

रूस ने 'ब्रिटिश काउंसिल' को 'अवांछनीय' घोषित किया

मॉस्को। रूस ने 'ब्रिटिश काउंसिल' को "अवांछनीय" संगठन घोषित करते हुए आरोप लगाया है कि ब्रिटेन की खुफिया सेवा 'एमआई-6' 'ब्रिटिश काउंसिल' की आड़ में काम करती है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने जारी एक बयान में आरोप लगाया कि ब्रिटेन की खुफिया सेवाएं देशों की संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से 'ब्रिटिश काउंसिल' का इस्तेमाल करती हैं। जखारोवा ने कहा कि रूस के सक्षम प्राधिकारियों को जानकारी मिली है कि ब्रिटिश खुफिया सेवाएं स्वतंत्र देशों की संप्रभुता को कमजोर करने के उद्देश्य से अवैध अभियानों में 'ब्रिटिश काउंसिल' का इस्तेमाल करती हैं और यह गोपनीय विध्वंसक गतिविधियों में शामिल है। रूसी महाभियोजक के कार्यालय ने 'ब्रिटिश काउंसिल' को एक अवांछनीय संगठन घोषित किया है, हालांकि यह 2018 से निष्क्रिय है।

जखारोवा ने यूक्रेन अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि 'विशेष सैन्य अभियान' की शुरुआत के बाद 'ब्रिटिश काउंसिल' ने 'ब्रिटेन सरकार के शत्रुतापूर्ण रूसी विरोधी कदमों में अभूतपूर्व रूप से साथ दिया'। समाचार एजेंसी 'तास' के अनुसार, रूसी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि संगठन ने 'हमारे देश के नेतृत्व की नीति को बदनाम करने और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से सीआईएस (स्वतंत्र राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल) में रूसी प्रभाव को कम करने के सामान्य पश्चिमी प्रयास में जोर शोर से मदद की।'

उन्होंने कहा कि जैसा कि पहले ही उल्लेख किया जा चुका है, 'ब्रिटिश काउंसिल' के रूसी कार्यालय को बंद करा दिया गया था, फिर भी इसके मूल संगठन ने अन्य देशों में स्थित अपने कार्यालयों से विध्वंसकारी कार्यों को जारी रखा तथा हमारे देश से निर्वासित लोगों को अपनी परियोजनाओं में शामिल किया।'